शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ & लाभ DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में कई विशेष कार्यक्रम आयोजित @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 16 अगस्त, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-228

प्रधानमंत्रित्व के तीसरे कार्यकाल का प्रथम स्वतंत्रता दिवस संबोधन

देश में सेकुलर सिविल कोड लागू होना चाहिए

78वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से बोले मोदी

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल के प्रथम स्वतंत्रता दिवस संबोधन में लाल किले की प्राचीर से कई महत्वपूर्ण संकेत दिए। प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति में परिवारवाद और भ्रष्टाचारवाद के खिलाफ छेड़े गए युद्ध को और निर्णायक तरीके से तीव्र करने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश में हुई घटना, तख्तापलट और हिंसा की चर्चा करते हुए वहां हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार पर गहरी चिंता जताई और यह उम्मीद जताई कि नई सरकार हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार पर अंकुश लगाएगी। प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से देश में समान नागरिक संहिता की जरूरत पर जोर दिया और इसे युनिफॉर्म सिविल कोड के बजाय सेकुलर सिविल कोड नाम दिया। पीएम मोदी ने सुप्रीम कोर्ट का भी हवाला देते हुए कहा कि देश की सर्वोच्च अदालत भी देश में एक कानून की हिमायत कई बार कर चुकी है। प्रधानमंत्री जिस समय राजनीति में परिवारवाद और भ्रष्टाचारवाद पर प्रहार कर रहे थे, उस समय संसद में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी सभा स्थल पर मौजूद थे। जिस समय प्रधानमंत्री सेकुलर सिविल कोड की आवश्यकता पर बात कर रहे थे, उस समय देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ भी सभा स्थल पर मौजूद थे और बड़े ध्यान से प्रधानमंत्री की बातें सुन रहे थे। प्रधानमंत्री ने एक देश एक चुनाव की आवश्यकता पर भी जोर दिया और कहा कि देश के समग्र विकास के लिए देश में एक साथ एक बार चुनाव

- भारत के विकास हेतु एक देश एक चुनाव जरूरी
- भ्रष्टाचार के खिलाफ कारगर कार्रवाई जारी रहेगी
- राजनीति से परिवारवाद का जड़ से उखड़ना जरूरी
- देश में ऐसे तत्व हैं जिन्हें देश की प्रगति पसंद नहीं
- बांग्लादेश में हिंदुओं-अल्पसंख्यकों पर जुल्म दुखद है
- गैर सियासी परिवारों से एक लाख युवकों को लाएंगे

होना अनिवार्य है। प्रधानमंत्री ने एक लाख युवक-युवतियों को राजनीति के क्षेत्र में आने का आह्वान किया, जिनके परिवार में आज तक कोई भी सक्रिय राजनीति में नहीं रहा हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे युवक-युवतियों के राजनीति में आने से राजनीति से परिवारवाद क्रमशः समाप्त हो जाएगा।

प्रधानमंत्री ने यह माना कि देश के सामने कई चुनौतियां हैं, अनगिनत चुनौतियां हैं। चुनौतियां भीतर भी हैं, चुनौतियां बाहर भी हैं। जैसे-जैसे हम ताकतवर बनेंगे, जैसे-जैसे हमारा तवज्जो बढ़ेगा तो चुनौतियां भी बढ़ने वाली हैं। बाहर की चुनौतियां और बढ़ने वाली हैं और मुझे उसका भलीभांति अंदाज है। लेकिन मैं ऐसी शक्तियों को कहना चाहता हूं भारत का विकास किसी के लिए संकट ले करके नहीं आता है। पीएम मोदी ने कहा, मैंने व्यापक रूप से भ्रष्टाचार के खिलाफ एक जंग छेड़ी है। मैं जानता हूं, इसकी कीमत मुझे चुकानी पड़ती है, मेरी प्रतिष्ठा को चुकानी पड़ती है, लेकिन राष्ट्र से बड़ी मेरी प्रतिष्ठा नहीं हो सकती है, राष्ट्र के सपनों से बड़ा मेरा सपना नहीं हो सकता है। और इसलिए ईमानदारी के साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ मेरी लड़ाई जारी रहेगी, तीव्र गति से जारी रहेगी और भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई जरूर होगी। देश में, इतना महान संविधान हमारे पास होने के बावजूद कुछ ऐसे लोग निकल रहे हैं जो भ्रष्टाचार का महिमामंडन कर रहे हैं। भ्रष्टाचारियों की स्वीकार्यता बढ़ाने का जो निरंतर प्रयास चल रहा है, वो स्वस्थ समाज के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन गया है, बहुत बड़ी चिंता का विषय बन गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, बांग्लादेश में जो कुछ भी हुआ है, उसको लेकर पड़ोसी देश के नाते चिंता होना, मैं इसको समझ सकता हूं। मैं आशा करता हूं कि वहां पर हालात जल्द ही सामान्य होंगे। खासकर के 140 करोड़ देशवासियों की चिंता कि वहां हिंदू, वहां के अल्पसंख्यक, उस समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित हो। भारत हमेशा चाहता है कि हमारे पड़ोसी देश सुख और शांति के मार्ग पर चलें।

पीएम मोदी ने कहा, अब जब संविधान के 75 वर्ष हम मनाने जा रहे हैं। देशवासियों को संविधान में निर्दिष्ट कर्तव्य के भाव पर बल देना बहुत जरूरी है और जब मैं कर्तव्य की बात करता हूं तब मैं सिर्फ नागरिकों पर बोझ बनाना नहीं चाहता।

▶10 पर

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा

बांग्लादेशी हिंदुओं की रक्षा करना हमारा दायित्व

नागपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोगों को निशाना बनाए जाने को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वहां रहने वाले हिंदुओं को बेवजह निशाना बनाया जा रहा है। यह सुनिश्चित करना हमारे देश की जिम्मेदारी है कि उन्हें किसी तरह के अन्याय और अत्याचार का सामना न करना पड़े। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आरएसएस मुख्यालय में ध्वजारोहण के बाद यह बात कही। मोहन भागवत ने कहा, आने वाली पीढ़ी का कर्तव्य है कि वह स्वतंत्रता के स्व की रक्षा करे। दुनिया में हमेशा ऐसे लोग होते हैं जो दूसरे देशों पर वर्चस्व चाहते हैं। हमें चौकस और सावधान रहना पड़ता है और उनसे अपनी रक्षा करनी होती है। परिस्थिति हर समय एक जैसी नहीं रहती है। कभी-कभी यह अच्छी होती है, कभी विकट रहती है। उन्होंने कहा कि परिस्थिति का यह उतार-चढ़ाव जारी रहेगा।भागवत ने कहा, अब हम स्थिति देख सकते हैं। पड़ोसी देश में काफी हिंसा हो रही है। वहां रहने वाले हिंदुओं को बिना कारण ही उसकी गरमी झेलनी पड़ रही है।

▶10 पर

स्वतंत्रता दिवस पर सीएम ने जताई चिंता

असम का भविष्य सुरक्षित नहीं : हिमंत

मैं सूरज की रौशनी नहीं, पर आखिरी सांस तक दिये की तरह जलता रहूंगा

गुवाहाटी, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि राज्य का भविष्य असुरक्षित है क्योंकि हिंदुओं और मुसलमानों के बीच जनसंख्या संतुलन तेजी से समाप्त हो रहा है। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण के बाद कहा कि असम में जनसांख्यिकी परिवर्तन के कारण मूल निवासी रक्षात्मक मुद्रा में आ गए हैं, क्योंकि वे 12-13 जिलों में अल्पसंख्यक में आ गए हैं।

सीएम सरमा ने कहा, असम का भविष्य हमारे लिए सुरक्षित नहीं है। हिंदू-मुस्लिम जनसंख्या का संतुलन तेजी से समाप्त हो रहा है। मुस्लिम आबादी 2021 में बढ़कर 41 प्रतिशत हो गई, जबकि हिंदू घटकर 57 प्रतिशत रह गए। बाकी ईसाई और अन्य समुदाय हैं। उन्होंने 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने भाषण में कहा कि हिंदू आबादी 60-65 प्रतिशत से घटकर धीरे-धीरे 50 प्रतिशत पर आ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा, संकट के ऐसे दौर में मैं जनसंख्या संतुलन वापस लाने की कोशिश कर रहा हूं। मैं सभी हिंदुओं, मुसलमानों और अन्य लोगों से परिवार नियोजन संबंधी नियमों का पालन करने का अनुरोध करता हूं। हमें समाज के हर वर्ग द्वारा बहुविवाह को लेकर जागरूक होना चाहिए। उन्होंने कहा, हम 12-13 जिलों में अल्पसंख्यक बन गए हैं। अगर मजबूत राज्य सरकार नहीं होगी तो मूल निवासियों को हर कदम पर खतरा महसूस होगा।

सीएम सरमा ने कहा, मैं सूरज की रौशनी नहीं हूं, लेकिन मूल निवासियों के हितों की रक्षा के लिए अपनी आखिरी सांस तक उम्मीद के दिये की तरह जलता रहूंगा।

पेरिस ओलंपिक में शरीक हुए खिलाड़ियों से मिले पीएम

ओलंपिक में जाने वाला हर खिलाड़ी चैंपियन है

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 78वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले भारतीय दल से मुलाकात की। पीएम मोदी ने इस दौरान कांस्य पदक विजेता मनु भाकर, पुरुष हॉकी टीम, सरबजोत सिंह और पहलवान अमन सहरावत से बात की।

इस दौरान पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले कई अन्य खिलाड़ी भी मौजूद थे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल एथलीटों को प्रेरित किया और भारतीय दल में शामिल सभी सदस्यों के प्रयासों की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने एथलीटों के साथ मुलाकात के दौरान अपनी फोटो साझा करते हुए कहा, पेरिस ओलंपिक में हमारे देश का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय दल के साथ बातचीत करके बहुत खुशी हुई। खेलों के दौरान के उनके अनुभव सुने और मैदान पर उनकी उपलब्धियों की सराहना की। पेरिस गया हर खिलाड़ी चैंपियन है। भारत सरकार खेलों को समर्थन देना जारी रखेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उच्च गुणवत्ता वाली खेल संरचना का निर्माण हो।

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 72,850/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 82,785/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31°

न्यूनतम : 23°

जब देश में फहराया जा रहा था तिरंगा

तब तिरंगे में लिपट कर आया शहीद दीपक

जौलीग्रांट (देहरादून), 15 अगस्त (एजेंसियां)।

जब पूरे देश में तिरंगा फहराया जा रहा था उस समय तिरंगे में लिपटा शहीद दीपक कुमार सिंह का पार्थिव शरीर घर आया। डोडा में शहीद हुए कैप्टेन दीपक सिंह का पार्थिव शरीर स्वतंत्रता दिवस के दिन ही देहरादून एयरपोर्ट लाया गया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रि) गुरमीत सिंह, सेनाधिकारियों, विधायकों और परिजनों ने शहीद को श्रद्धांजलि दी।

कैप्टेन दीपक सिंह

रक्षाबंधन से पांच दिन पहले दो बहनों का इकलौता भाई नहीं रहा

मुख्यमंत्री धामी ने कहा, पूरा देश और प्रदेश शहीद के परिजनों के साथ खड़ा है। इस बलिदान को बेकार नहीं जाने दिया जाएगा। परिजनों की हर संभव मदद की जाएगी। 48 राष्ट्रीय राइफल्स के कैप्टन दीपक सिंह (25) पुत्र महेश सिंह निवासी कुआंवाला, देहरादून स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले जम्मू कश्मीर के डोडा जिले के जंगलों में आतंकियों के साथ हुई मुठभेड़ में शहीद हो गए थे। उनका पार्थिव शरीर सेना के विशेष विमान से जम्मू से दोपहर करीब एक बजे देहरादून एयरपोर्ट पर लाया गया। बलिदानी को मुख्यमंत्री, राज्यपाल, विधायक और बलिदानी के पिता महेश सिंह ने श्रद्धांजलि दी। जिसके बाद कैप्टन दीपक सिंह के पार्थिव शरीर को सेना के ट्रक द्वारा देहरादून ले जाया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दून के कैप्टन दीपक सिंह के बलिदान होने पर गहरा दुख प्रकट किया। कैप्टन दीपक सिंह का पार्थिव शरीर दून लाए जाने पर वह श्रद्धांजिल देने पहुंचे। कहा कि जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों से मुठभेड़ के दौरान अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैन्य भूमि उत्तराखंड के

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर ने 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया

छात्राओं में सैनिटरी पैड का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर ने सिटी मार्केट के पास स्थित वाणी विलास सरकारी गर्ल्स हाई स्कूल में 78वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। सुबह 8 बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में 150 छात्राओं ने भाग लिया, जिन्होंने स्वतंत्रता और सामुदायिक सेवा की भावना को दर्शाने वाली कई गतिविधियों में भाग लिया। समारोह की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई, जिसके बाद राष्ट्रगान हुआ। इस कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षकों और महावीर इंटरनेशनल के सदस्यों द्वारा स्वतंत्रता और राष्ट्रीय गौरव के महत्व पर जोर देते हुए प्रेरक भाषण दिए गए। इस कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण छात्राओं को सैनिटरी

पैड वितरित करना था, जो युवा लड़कियों के बीच स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए महावीर इंटरनेशनल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सभी उपस्थित लोगों में मिठाइयाँ भी वितरित की गईं, जिससे समारोह में उत्सव का माहौल बन गया। अध्यक्ष वीरा भारती छाजेड़ तलेसरा ने विद्यार्थियों को संबोधित किया, उन्हें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उन्हें समर्पण के साथ अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्य सचिव विजयराज सिसोदिया ने प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने की आवश्यकता पर एक महत्वपूर्ण संदेश दिया, जिसमें विद्यार्थियों से अपने दैनिक जीवन में अधिक टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने का आग्रह किया गया।

इस कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर के कई वरिष्ठ सदस्य मौजूद थे, जिनमें कोषाध्यक्ष सुरेश लखानी, उपाध्यक्ष मनोज बाफना, उपाध्यक्ष नीलम लालवानी और वरिष्ठ सलाहकार रमेश दक और कैलाश शामिल थे। अशोक भंडारी, कंचन जैन, आशिक पिरगल, दिव्या पिरगल और राजकुमारी चंदावत जैसे अन्य समर्पित सदस्य भी शामिल हुए, जिन्होंने इस उद्देश्य के प्रति समर्थन और प्रतिबद्धता दिखाई। इस समारोह ने न केवल देश के 78वें स्वतंत्रता दिवस को चिह्नित किया, बल्कि युवा लड़कियों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए महावीर इंटरनेशनल के चल रहे प्रयासों को भी उजागर किया।

टी. दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल ने स्वतंत्रता दिवस पर किया ध्वजारोहण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार टी. दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर समृद्ध राष्ट्र योजना के अन्तर्गत निर्माण बढ़ते कदम विकास की ओर (विद्यालय संरक्षण) के तहत आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल पर ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्षा नेहा चावत ने की। भारत माता की जय के साथ राष्ट्रगान का संगान कर तिरंगे को सलामी दी। अध्यक्षा नेहा ने सभी का स्वागत किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संरक्षण लिया हुआ टी.दासरहल्ली स्थित कालम्मा गवर्नमेंट स्कूल में विधानसभा क्षेत्र के विधायक एस.मुनिराजू के हाथों प्रिंटर उपलब्ध कराया गया। साथ ही जरूरी किताबें भेंट की गई। उन्होंने मंडल के इस काम की सराहना करते हुए कहा आगे

और विकास की ओर बढ़े। निवर्तमान पार्षद उमादेवी नागराज ने भी मंडल की सराहना की। विद्यार्थियों को मिठाई भी भेंट की गई। मण्डल की बहनों ने सामाजिक व राष्ट्रीय दायित्व बखूबी निभाई। प्रिंटर के प्रायोजक परिवार स्वर्गीय धर्मीचंद चावत की पुण्यस्मृति में शांतादेवी चावत परिवार रहे। विद्यालय के प्रधानाध्यापक हनुमंथप्पा ने सभी मण्डल की बहनों का स्वागत कर आभार व्यक्त किया। गिरिजा मैडम का पूर्ण सहयोग रहा। मण्डल से निवर्तमान अध्यक्ष रेखा मेहर, मंत्री नम्रता पितलिया, कोषाध्यक्ष हम्सा बाबेल, संगठन मंत्री सरोज मारू, कन्या मंडल प्रभारी पूर्णिमा कठोतीया, कार्यकारिणी सदस्य किरण मेहर, सदस्य चंदा बाई चावत, ममता चावत की उपस्थिति रही। कन्या मंडल से निमिषा चावत का पूरा सहयोग रहा। कार्यक्रम सकुशल आनंद के साथ भारत माता की जय की नारे से संपन्न हुआ। 1 हजार बच्चों की उपस्थिति रही।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ श्री भारती विद्यालय विजयनगर में 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में अतिथियों एवं शिक्षकों ने ध्वजारोहण कर मां भारती के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा वीरों की शहादत की बदौलत आज हम आजादी की सांस ले रहे हैं। हम अंग्रेजों से आजाद हुए हैं, लेकिन हमें बेरोजगारी, अशिक्षा और जातिवाद को मिटाने के लिए लड़ाई जारी रखनी है और देश के विकास में अहम भूमिका निभानी है। बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। जिससे श्रोता मंत्र मुक्त हो गए। इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

कन्या आश्रय में बच्चों के साथ किया ध्वजारोहण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में श्रीरामपुरम स्थित सरकारी स्कूल में संपादित स्थाई सेवा कार्य कन्या आश्रय में ध्वजारोहण एवं मानव सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अध्यक्ष कमलेश चौरडिया, प्रायोजक परिवार से टीकम चंद हिंगड़ एवं स्कूल अध्यापक जन द्वारा ध्वजारोहण किया गया। स्कूल के बच्चों द्वारा देश के नाम समर्पित विभिन्न गीतों पर सांस्कृतिक कार्य्रकम प्रस्तुत किए गए। कमलेश चौरड़िया ने सभी का स्वागत करते हुए स्कूल के बच्चों को भारत का भविष्य बताते हुए कहा कि हमें बड़ा होकर कुछ बनने के लिए अभी से एक गोल लेकर चलना है। स्कूल के सभी अध्यापकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। स्कूल के प्रधान अध्यापक चेन्नया ने परिषद परिवार की प्रशंसा करते हुए समय समय पर सेवा कार्य करने हेतु धन्यवाद व्यक्त किया। स्कूल के लगभग 150 बच्चों में स्टेशनरी किट एवं मिठाई वितरण का कार्य स्व. सुखराज हिंगड़ की पुण्य स्मृति में धर्मपत्नी सूरज देवी हिंगड़, टीकमचंद, नवीन, ऋषभ हिंगड़ परिवार के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर तेयुप राजाजीनगर से विशेष आमंत्रित सदस्य राजेश पोरवाड़, अनिल भंडारी, प्रबंध मंडल एवं कार्यकारिणी सदस्यों की अच्छी उपस्थिति रही।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ शहर के अलसूर के जोगुपल्यम के मित्र मंडल ने टेंथ स्ट्रीट मुख्य रास्ते के चौराहे पर ध्वजारोहण कर मिठाई का वितरण कर स्वतंत्रता दिवस मनाया। आयोजकों ने छोटे बच्चों से ध्वजारोहण कराया और भारत माता की आरती की। इस अवसर पर अलसूर जैन समाज के मंत्री अभय कुमार बांठिया के साथ दीपक सेठिया, सुरी राजपुरोहित, जिनेन्द्र जैन, सिद्धेश छाजेड़, केयांश बांठिया भी उपस्थित थे। बच्चों से ध्वजारोहण की सभी ने सराहना की।

आरडब्ल्यूएफ ने 78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रेल व्हील फैक्ट्री में 78वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। आरडब्ल्यूएफ के महाप्रबंधक आर. राजगोपाल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। राजगोपाल ने कहा कि स्वतंत्रता ने हमें देश की विरासत को फिर से खोजने, इसके विविध भागों को जोड़ने और समाज के सभी वर्गों को एक साझा कार्य के लिए प्रेरित करने में मदद की। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों को भी श्रद्धांजलि दी जिन्होंने देश को स्वतंत्रता दिलाने के लिए निस्वार्थ भाव से साहस के साथ लड़ाई लड़ी। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक काल के बाद भारतीय रेलवे ने अपनी भूमिकाएं बदलते हुए कर्मचारियों और उनके परिवारों को उनकी क्षमता हासिल करने के लिए मंच प्रदान करते हुए प्रमुख नियोक्ता के रूप में अपनी भूमिका जारी रखी है। राजगोपाल ने चालू वित्त वर्ष के दौरान यानी जुलाई 2024 के अंत तक आरडब्ल्यूएफ के उत्पादन और अन्य उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस ऐतिहासिक दिन के लिए जिम्मेदार लोगों के बलिदान को याद करते हुए अपने भाषण का समापन किया। रेलवे सुरक्षा बल, एनसीसी के लड़के और लड़कियों, भारत स्काउट्स और गाइड्स द्वारा मार्च पास्ट के बाद केंद्रीय विद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के बाद, सुषमा राजगोपाल ने आरडब्ल्यूएफ महिला कल्याण संगठन के अन्य पदाधिकारियों के साथ रेलवे अस्पताल में मरीजों से मुलाकात की और फल वितरित किए और मरीजों को शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एसपीरोड के बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन ने स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर अध्यक्ष रमेश धोका, उपाध्यक्ष ललित डाकलिया, विशाल वरन्दानी, महामंत्री अरुण लुणावत, सह कोषाध्यक्ष कैलाश बोहरा, रिषीराज सिंह पुरोहित, रविन्द्र राजपुरोहित, अमराराम एवं कार्यकारिणी

तथा एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अनेक सदस्यों ने स्वतंत्रता का इतिहास, जोश जगाने वाली देशभक्ति की कविताएं और गीत प्रस्तुत किए। जोश में भरकर देश के प्रति समर्पण भाव दिखाते हुए अनेक सदस्य देशभक्ति से ओतप्रोत गीतों पर थिरकने लगे। प्रवक्ता ललित डाकलिया ने बताया कि पिछले अनेक वर्षों से राष्ट्रीय पर्वों स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस तथा कर्नाटक राज्योत्सव के महवपूर्ण दिवस एस पी रोड में सामाजिक सौहार्द और सद्भावना से धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाए जाते हैं। देर दोपहर तक चले सांस्कृतिक कार्यक्रम में रिषीराज सिंह, विनोद पुरोहित और उनकी टीम का सहयोग रहा।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ चिकपेट आदिनाथ दादा मंदिरजी के प्रांगण में स्वतंत्रता दिवस पर गुरुवार को राष्ट्रीय ध्वज एवं जिन शासन ध्वज के साथ नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा देश भक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। गुरुदेवों से मंगल आशीर्वाद प्राप्त हुआ। संघ के पदाधिकारियों की भी उपस्थिति रही।

दादावाड़ी में स्वतंत्रता दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में पूज्य मुनिराज मलयप्रभ सागर जी और साध्वी स्वर्णांजना श्री जी की निश्रा में राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, संघवी तेजराज गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बाबूलाल भन्साली, उपाध्यक्ष तनसुख राज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी, ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी, खरतरगच्छ संघ के अध्यक्ष संघवी प्रकाश भन्साली, मासक्षमण के तपस्वी दीपक छाजेड़ और दादावाड़ी से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्यों के द्वारा ध्वजारोहण और राष्ट्रगान का संगान किया गया। ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि इस अवसर पर गुरुवर मलयप्रभ सागर जी ने जैन समाज के अनेक जिनशासन के रत्नों द्वारा देश की आजादी में दिए गए योगदान के बारे में बताते हुए कहा कि किस तरह उन्होंने अपने जीवन की परवाह किए बिना राष्ट्रभक्ति दर्शाते हुए देश को आजाद करवाने में अपना सर्वस्व न्यौछावर किया। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगा यात्रा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में तिरंगा यात्रा निकाली गई। दोपहिया वाहन पर तिरंगा यात्रा कन्या आश्रय गवर्नमेंट स्कूल श्रीरामपुरम से शुरू होकर जैन टेंपल, लक्ष्मी नारायनपुरम मार्केट, समणी सेंटर, तेयुप संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम, प्रकाशनगर, मरियप्पनपाल्या, राजकुमार रोड, भाष्यम सर्किल से होते हुए तेरापंथ भवन राजाजीनगर पहुंची। दोपहिया वाहन पर देश भक्ति गीत एवं तेयुप युवा साथियों द्वारा विभिन्न उद्घोषों से यात्रा पूरे जोश व हर्षोल्लास से सम्पन्न हुई। रास्ते में स्थानीय लोगों द्वारा भी खूब खूब सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरडिया, अतिथि विशेष राजेश पोरवाड़, अनिल भंडारी, प्रबंध मंडल, परिषद परिवार सदस्यों की अच्छी उपस्थिति रही।

स्वतंत्रता दिवस पर निकाली भव्य तिरंगा रैली

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन युवा संगठन के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में परम पूज्य मुनिराज आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी और वज्ररत्न सागरजी के पावन सानिध्य व प्रेरणा से तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। सुबह पार्श्वनाथ जैन मंदिर से तिरंगा रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए देश भक्ति की धुन के साथ निकाली गई। मुनि वज्ररत्न सागरजी ने कहा देश के प्रति बहुत से कर्तव्यों को

निभाना हैं। देश के प्रति हर एक व्यक्ति के कर्तव्य इसकी गरिमा, उज्ज्वल भविष्य बनाये रखने और इसे भलाई की ओर अग्रसर करने के लिये बहुत महत्वपूर्ण हैं। यहां भूमि को मिट्टी के समान नहीं मां के समान देखा जाता है और पूजा जाता है। भारत की संस्कृति कई हजारों वर्ष पुरानी है। कोई देश केवल उसके भू-भाग से नहीं बनता, बल्कि वहां पर रहने वाले लोगों से बनता है। उनके विचारों और कार्यों से बनता है। हमारे पूर्वजों ने बड़े संघर्षों के बाद आजादी का तोहफा हमें दिया। जिसकी सुरक्षा हमारा परम कर्तव्य है। नैतिक, मूल्यों एवं संस्कारों का बड़ा महत्व है। तिरंगा रैल्ली पुनः पार्श्वनाथ जैन मंदिर पहुंची जहां पर मूर्तिपूजक के अध्यक्ष पंकज बाफना, वर्धमान स्थानकवासी श्रावक संघ के अध्यक्ष रूपचंद पारलेचा, तेरापंथ सभा के रमेश सकलेचा, गुजराती समाज के विजय लुथिया, विष्णु समाज के रमेश राजपुरोहित और जैन युवा संगठन के राकेश परमार ने ध्वजारोहन किया। इसके उपरांत सभा भवन में वीर बालिका मंडल द्वारा भव्य संस्कृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में कई विशेष कार्यक्रम आयोजित

अंगदान करने वाले 65 परिवार के सदस्यों को मिले प्रशस्ति पत्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के माणिक शाह परेड ग्राउंड में आयोजित 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में कई विशेष कार्यक्रम देखने को मिले। अंगदान करने वाले 65 परिवार के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र दिए गए, सेना के वीर जवानों द्वारा साहसिक बाइक प्रदर्शन, स्वतंत्रता संग्राम की स्मृति में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को प्रभावित किया। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी, खुली जीप में परेड का निरीक्षण करने के बाद पुलिस टीम ने राष्ट्रगान बजाया। इसके बाद टीम ने नाद गीता और रायथा गीता का गायन किया। परेड कमांडर गोपाल रेड्डी और उप कमांडर हरीश एच.एन. के नेतृत्व में सीमा सुरक्षा बल, कर्नाटक राज्य रिजर्व पुलिस बल, औद्योगिक सुरक्षा बल, गोवा पुलिस, डॉग स्क्वाड, उत्पाद शुल्क, यातायात पुलिस, फायर ब्रिगेड, होम गार्ड, एनसीसी, राष्ट्रीय सैन्य स्कूल, आमिर पब्लिक स्कूल, पुलिस पब्लिक स्कूल, समर्थनम और रामनश्री संस्थानों के दिव्यांग बच्चों सहित विभिन्न स्कूली टुकड़ियों द्वारा जुलूस निकाला गया। राष्ट्रीय सेवा योजना और युवा अधिकारिता और खेल विभाग के सहयोग से 400 छात्रों ने नंदी ध्वजा, वीरगासे, डोलुकुनिता, राष्ट्र ध्वजा, नाद ध्वजा जैसी विभिन्न वेशभूषा धारण की। सरकारी हाई स्कूल के बच्चों ने जी भरकर प्रस्तुति दी। विभिन्न वेशभूषा पहने और हाथों में तख्तियां और राष्ट्रीय ध्वज लिए हुए किले के मॉडल के साथ स्वतंत्रता सेनानियों का प्रदर्शन स्वतंत्रता संग्राम की याद दिला रहा था। बीबीएमपी पिल्लना गार्डन यूनाइटेड पी.सी. कॉलेज के 700 छात्रों द्वारा स्वतंत्रता सेनानी रानी अब्बक्का देवी पर सामूहिक नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट सेंटर के सिपाहियों द्वारा मल्लकम्बा प्रदर्शन की विभिन्न मुद्राएँ रोमांचकारी थीं। साथ ही सेना के जवानों ने पैरामोटर्स पर आसमान में उड़ान भरी और राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित किया। श्वेता अश्व नामक सेना के जवानों की बाइक प्रस्तुति ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। सैन्य पुलिस केंद्र और स्कूल द्वारा रोमांचक मोटरसाइकिल प्रदर्शन ने भीड़ के बीच उत्साह पैदा किया, चलती बाइक पर विभिन्न मुद्राओं में किए गए स्टंट ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बाद में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अंगदान करने वाले परिवार के सदस्यों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं जुलूस में भाग लेने वाली टीमों को पुरस्कार वितरित किये गये। समारोह में बेंगलूरु शहर के जिला कलेक्टर केए दयानंद, बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ, बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त बी दयानंद सहित कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मल्लेश्वरम में स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में गुरुवार को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बी.एल. संतोष, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, सांसद पी.सी. मोहन, पूर्व मंत्री भगवंत खूबा, विधान परिषद सदस्य एन. रविकुमार, भारती शेट्टी, पी.एच. पुजारा, भाजपा प्रदेश महासचिव नंदीश रेड्डी, प्रदेश उपाध्यक्ष हरथलु हलप्पा, प्रदेश सचिव शरणु, पूर्व प्रदेश सचिव जगदीश हिरेमानी, प्रदेश कार्यालय सचिव लोकेश अंबेकल्लू, प्रदेश कार्यालय संयुक्त सचिव विश्वनाथ अंजी, भाजपा बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु सेंट्रल जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, पार्टी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विजयेंद्र ने स्वतंत्रता दिवस पर किया ध्वजारोहण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने गुरुवार को शिकारीपुरा तालुक प्रशासन कार्यालय में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। उन्होंने कहा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर, हर घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर हर घर तिरंगा अभियान चलाया गया और प्रधान मंत्री के विकसित भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए यह अभियान हर जगह सफल होगा। इस अवसर पर तालुक अधिकारी, छात्र, स्थानीय प्रतिनिधि और नेता उपस्थित थे।

उत्साह के साथ मनाया गया 78वां स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस हमारे देश में देशभक्ति का पवित्र स्मरण : लक्ष्मी हेब्बालकर

मेंगलूरु/उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु के नेहरू मैदान और उडुपी में गुरुवार को 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया।

उडुपी के अजरकाड स्थित महात्मा गांधी जिला स्टेडियम में देशभक्ति के जोश के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। महिला एवं बाल विकास मंत्री और उडुपी जिले की प्रभारी मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने ध्वज फहराया।

सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा स्वतंत्रता दिवस हमारे देश में देशभक्ति का पवित्र स्मरण है। यह दिन हमें भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले महान नेताओं द्वारा दिखाए गए बलिदानों, संघर्षों और राष्ट्र के प्रति प्रेम का सम्मान करने का अवसर देता है। स्वतंत्रता आसानी से प्राप्त नहीं हुई थी।

स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ वर्ष जेल में बिताए, अपने अधिकारों के लिए संघर्ष किया और अंतिम बलिदान दिया, जिससे आज हम इसे संभव बना पाए हैं। इस दिन, हमें इन योद्धाओं को सम्मानपूर्वक याद करना चाहिए। महात्मा गांधी के शब्द, जिन्होंने उडुपी में सत्याग्रह स्वयंसेवकों को राष्ट्र के लिए लड़ने के लिए प्रेरित किया, आज भी हमें प्रेरित करते हैं। इस संघर्ष में भाग लेने वाले स्थानीय नेताओं को, हालांकि अक्सर भुला दिया जाता है, हमारे देश को उनकी देशभक्ति और बलिदान के माध्यम से स्वतंत्र होते देखा।

आधुनिक भारत के निर्माण के लिए सभी भारतीयों को आपसी विश्वास, सहयोग और एकता की शक्ति के साथ मिलकर काम करना चाहिए। युवाओं को नई तकनीक, विज्ञान और अन्य क्षेत्रों में मार्गदर्शन देना हमारे राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है।

हाल के दिनों में, पर्यावरण की रक्षा करने की जिम्मेदारी अनिवार्य हो गई है, क्योंकि प्रकृति की उदारता की उपेक्षा करने से आपदा हो सकती है। हमें इस संबंध में अपने राज्य में हाल ही में हुई बारिश के प्रभाव पर विचार करना चाहिए। एक समृद्ध भारत के निर्माण के लिए, सरकार ने समाज के सभी वर्गों के कल्याण के उद्देश्य से नई योजनाएं शुरू की हैं, विशेष रूप से कमजोर वर्गों का समर्थन करते हुए। इस स्वतंत्रता दिवस पर, आइए हम सभी अपने राष्ट्र के लिए प्रतिज्ञा लें।

अपनी स्वतंत्रता की रक्षा करें और देशभक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ें। इस कार्यक्रम में उडुपी के विधायक यशपाल सुवर्णा, डिप्टी कमिश्नर डॉ के विद्याकुमारी, जिला पुलिस अधीक्षक डॉ के अरुण, जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतीक बोयल, तटीय सुरक्षा पुलिस अधीक्षक मिथुन एच एन, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर ममता देवी, खेल विभाग के सहायक निदेशक रोशन शेट्टी और उदय कुमार शेट्टी जैसे नेता शामिल हुए।

गारंटी योजनाओं को बंद कर लोगों को ब्लैकमेल किया जा रहा: निखिल कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस की युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव में ज्यादा सीटें नहीं जीत पाने की वजह से कांग्रेस सरकार ने गारंटी योजना बंद करने की बात कही है।

गारंटी योजनाओं को बंद कर लोगों को ब्लैकमेल किया जा रहा है। जेडीएस कार्यालय में 78वें स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार को विधानसभा चुनाव से पहले लोगों से किए गए वादे के मुताबिक काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह उसका कर्तव्य भी है। विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने पांच गारंटी का वादा किया। लेकिन गारंटी योजनाएं लोगों तक ठीक से नहीं पहुंच पा रही हैं। कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद संपत्तियों की गाइडलाइन कीमत में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई और डीजल-पेट्रोल की कीमत में भी बढ़ोतरी की गई।

निखिल ने तंज कसते हुए कहा कि दुग्ध उत्पादकों को सही तरीके से प्रोत्साहन राशि नहीं दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि अवैध धन हस्तांतरण और वाल्मीकि विकास निगम और मुडा घोटाले के संबंध में बेंगलूरु से मैसूरु तक पैदल चलकर लोगों का ध्यान आकर्षित किया गया। तुंगभद्रा जलाशय के टूटे हुए क्रेस्ट गेट पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि जलाशय से 27 टीएमसी पानी पहले ही बाहर जा चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि 63 टीएमसी पानी खत्म होने के बाद गेट बनाया जाएगा। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार को किसानों को नुकसान से बचाने के लिए कदम उठाना चाहिए। कार्यक्रम में जेडीएस शहर इकाई के अध्यक्ष रमेश गौड़ा, विधान परिषद सदस्य टीए सरवन, केए थिप्पेस्वामी, पूर्व मंत्री लीलादेवी आर प्रसाद, पार्टी नेता आर प्रकाश, नारायण राव और अन्य ने भाग लिया।

मानिकशॉ परेड ग्राउंड में राष्ट्रीय तिरंगा फहराया

मुख्यमंत्री ने पश्चिमी घाट में भूस्खलन की रोकथाम के लिए 100 करोड़ की योजना की घोषणा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखते हुए प्रकृति की चेतावनी पर ध्यान देने के महत्व को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) और राष्ट्रीय रॉक मैकेनिक्स संस्थान (एनआईआरएम) के सहयोग से पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील पश्चिमी घाट क्षेत्र में भूस्खलन की रोकथाम के लिए 100 करोड़ रुपये की योजना की घोषणा की।

वे बेंगलूरु में एमजी रोड पर मानिकशॉ परेड ग्राउंड में राष्ट्रीय तिरंगा फहराने के बाद 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने शहर में स्थित विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों, एनसीसी विंग और अन्य सशस्त्र बलों के छात्रों के बैचों द्वारा आयोजित औपचारिक परेड का निरीक्षण किया। पश्चिमी घाट के चिकमगलूरु, दक्षिण कन्नड़, उडुपी, उत्तर कन्नड़, कोडागु, शिवमोग्गा और हासन जिलों में स्थित 250 ग्राम पंचायतों के 1,351 गांवों की पहचान जीएसआई ने भूस्खलन की आशंका वाले के रूप में की है, जो प्रकृति की चेतावनी है।

मई 2023 में राज्य विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी द्वारा 224 में से 136 सीटों पर भारी बहुमत हासिल करने के बाद दूसरी बार मुख्यमंत्री बने सिद्धरामैया ने कहा कि सरकार को दो मानसून सीजन के दौरान दो विरोधाभासी स्थितियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा पिछले साल हमारे राज्य में भयंकर सूखा पड़ा था और इस साल अत्यधिक बारिश हुई है। सूखा राहत में देरी के बावजूद हमारी सरकार ने लोगों को असुविधा से बचाने के लिए कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि पहली किस्त में 636.45 करोड़ रुपये की अंतरिम राहत वितरित की गई है। कुल मिलाकर, राज्य भर में 38,58,737 किसानों को 3454.66 करोड़ रुपये की इनपुट सब्सिडी वितरित की गई है, जिनकी फसल बर्बाद हो गई है। 17.88 लाख छोटे और सीमांत किसानों को 512.83 करोड़ रुपये की आजीविका सहायता वितरित की गई है। उन्होंने कहा कि उन्होंने बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा किया और मंत्रियों ने भी जिला मुख्यालयों में रहकर स्थिति को संभाला। मैंने अधिकारियों को मानव जीवन, पशुधन और क्षतिग्रस्त घरों के लिए राहत प्रदान करने का निर्देश दिया है। जिन घरों को नुकसान पहुंचा है, उनके लिए 1.2 लाख रुपये के मुआवजे के साथ-साथ घर आवंटित करने का निर्णय लिया गया है। मानव-वन्यजीव संघर्ष के लगातार खतरे का जिक्र करते हुए उन्होंने इसे एक बड़ी चुनौती बताया और कहा कि सरकार ने 120 किलोमीटर रेलवे बैरिकेड्स का निर्माण शुरू किया है।

इसके अलावा 7 हाथी टास्क फोर्स और 2 तेंदुआ टास्क फोर्स की स्थापना की गई है। केंद्र-राज्य संबंधों के अपने प्रिय विषय पर बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान में संघीय व्यवस्था में केंद्र और राज्यों के बीच संबंधों को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया है। कल्याणकारी कार्यक्रमों को लागू करने की जिम्मेदारी राज्यों की है, लेकिन इन प्रयासों को समर्थन देने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना केंद्र का कर्तव्य है। उन्होंने कहा हाल के वर्षों में केंद्र इस सिद्धांत से भटक रहा है, जिससे राज्यों को धन के आवंटन में भेदभाव हो रहा है। संवैधानिक सिद्धांतों की अनदेखी करके राज्यों को मिलने वाले वित्तीय हिस्से में देरी करने की प्रवृत्ति है, जो लोगों के हित में नहीं है। दुर्भाग्य से, राज्यों को केंद्र से अपना उचित हिस्सा प्राप्त करने के लिए कानूनी सहारा लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस तथ्य को समझने का आह्वान किया कि राष्ट्र तभी विकसित हो सकता है जब राज्यों का विकास हो और राज्यों को विकास के लिए उचित मात्रा में अनुदान जारी किया जाए। आर्थिक विकास को गति देने के लिए उद्योग, कृषि, बुनियादी ढांचे के विकास, शिक्षा आदि में सरकार द्वारा उठाए गए बहुआयामी कार्यक्रमों और कल्याणकारी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन पर विस्तार से बोलते हुए उन्होंने कहा कि कर्नाटक 2023-24 के दौरान 54,427 करोड़ रुपये का एफडीआई आकर्षित करके देश में तीसरे स्थान पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 13 उद्योगों के साथ 42,915 करोड़ रुपये के निवेश और 22,600 नौकरियों के सृजन के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। 2023-24 के दौरान सिंगल विंडो समितियों के माध्यम से 84,232 करोड़ रुपये के निवेश और 1,56,986 लोगों के लिए रोजगार सृजन के साथ 591 निवेश परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

कर्नाटक स्वच्छ गतिशीलता नीति 2024-29 का मसौदा तैयार

अगले साल फरवरी में प्रस्तावित वैश्विक निवेशक सम्मेलन के अलावा, राज्य सरकार ने कर्नाटक स्वच्छ गतिशीलता नीति 2024-29 का मसौदा तैयार किया है, जिसका लक्ष्य स्वच्छ गतिशीलता वाहन क्षेत्र में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करना और लगभग एक लाख नए रोजगार सृजित करना है। उन्होंने कहा कि नीति अब स्वीकृति के अंतिम चरण में है। कृषि क्षेत्र में उद्यमिता को बढ़ाने और स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने के लिए कृषि नवोदय योजना के तहत 40 कृषि स्टार्ट-अप को बढ़ावा दिया गया है। आईटी और बीटी क्षेत्रों में मांग के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक कौशल सलाहकार समिति की स्थापना की गई है। समिति ने उद्योग की जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रमों के लिए एक विस्तृत योजना प्रस्तुत की है, और इन कौशलों को प्रदान करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

बेहतर बुनियादी ढांचा और परिवहन संपर्क आर्थिक विकास को गति प्रदान करते हैं। इस संबंध में चालू वर्ष में 1,917 किलोमीटर राज्य राजमार्ग, 2,502 किलोमीटर जिला मुख्य सड़कें और 150 पुलों का निर्माण किया जाएगा। एसएचडीपी चरण 5 के तहत सरकार ने 2 चरणों में 9,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 2,500 किलोमीटर राजमार्गों के विकास को मंजूरी दी है। परियोजना के चरण-1 में 4000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 1,467 किलोमीटर राजमार्गों के विकास के लिए निविदा प्रक्रिया चल रही है। ग्रामीण सड़कों के विकास के लिए पीएमजीएसवाई, नम्मा ग्राम नम्मा रास्ते और विशेष विकास कार्यक्रम के तहत 463.11 करोड़ रुपये की लागत से कुल 803.32 किलोमीटर सड़कें विकसित की जाएंगी।

ब्रांड बेंगलूरु अवधारणा को क्रियान्वित किया जा रहा

इसके अलावा, 150 करोड़ रुपये की लागत से कुल 8,260 किलोमीटर सड़कें विकसित करने के लिए कदम उठाए गए हैं। बेंगलूरु को विश्वस्तरीय शहर बनाने के उद्देश्य से ब्रांड बेंगलूरु अवधारणा को क्रियान्वित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य कम से कम 48,686 करोड़ रुपये के साथ अभिनव एकीकृत वित्तीय मॉडल के माध्यम से शहर के लिए दीर्घकालिक बुनियादी ढाँचा विकास योजनाएँ शुरू करना है। उन्होंने कहा कि यातायात की भीड़ को कम करने के प्रयास में पेरिफेरल रिंग रोड परियोजना को लागू करना एक और पहल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष येत्तिनाहोले परियोजना पर अब तक 855.02 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। मेकेदातु संतुलन जलाशय और पेयजल परियोजना के लिए काम और भूमि अधिग्रहण प्रक्रियाओं में तेजी लाने के लिए कावेरी नीरावरी निगम के तहत डिवीजन और सब-डिवीजन कार्यालयों को स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि एक स्वतंत्र, निर्भीक समाज के निर्माण और वैज्ञानिक स्वभाव पर आधारित उच्च शिक्षा प्रणाली विकसित करने के लिए राज्य शिक्षा नीति तैयार की जा रही है। उन्होंने राष्ट्रकवि कुवेम्पु को उद्धृत करते हुए कहा, हमें यह सुनिश्चित करने के लिए काम करना चाहिए कि सभी को सामाजिक और आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान करके राजनीतिक स्वतंत्रता को संरक्षित किया जाए। आइए हम सभी इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करें और स्वस्थ, समृद्ध और समतापूर्ण समाज वाले राष्ट्र का निर्माण करें।

पार्टी कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया

हमारी सरकार का लक्ष्य भूख मुक्त समाज का निर्माण करना: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार, जो केपीसीसी के अध्यक्ष भी हैं, ने गुरुवार को पार्टी कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और पार्टी पदाधिकारी मौजूद थे। बाद में बोलते हुए डीके शिवकुमार ने कहा कि कई राजनीतिक दल और संगठन देश की आजादी के लिए लड़ने वाली कांग्रेस पार्टी पर सवाल उठा रहे हैं। जिन्होंने उस समय अंग्रेजों का साथ दिया और भारतीयों के विरुद्ध षड्यन्त्र रचे, उनका आज तिरस्कार किया जाना चाहिए। भारत छोड़ो आंदोलन को दबाने के लिए अंग्रेजों को पत्र लिखने वाले को भी याद किया जा रहा है। उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि यह बहुत बड़ी त्रासदी है कि जो लोग ऐसे गद्दारों की पूजा करते हैं वे सत्ता पर काबिज हैं और हमें देशभक्ति सिखा रहे हैं। भारत पहले कैसा था और अब कैसा है? झंडा फहराना और राष्ट्रगान गाना ही काफी नहीं है। इतिहास को

जानकर आजादी दिलाने वाले सभी बुजुर्गों के योगदान को याद करना चाहिए। स्वतंत्रता कोई ऐसी चीज नहीं है जो कीमत के साथ मिलती है। महात्मा गांधी के कथन जीवन की सांस का जिक्र करते हुए डीके शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का एक लंबा इतिहास है। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी ने आजादी की लड़ाई लड़ी और लोकतंत्र की रक्षा की, उस पार्टी का सदस्य बनना हमारी नियति है। शिवकुमार ने स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वालों को याद किया। उन्होंने कहा लगभग 6.50 लाख कांग्रेसियों ने स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति दी। हमें उन्हें हर कदम पर याद रखना चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि फर्जी देशभक्तों ने देश को बेचने की कोशिश की लेकिन कांग्रेस ने ऐसा नहीं होने दिया। देश का एक लंबा इतिहास है। हमने एकता और शांति के लिए मिलकर काम किया। जब अनेक समस्याएँ आती हैं तो हम देश की आजादी और रक्षा के संघर्षों को याद करके युवा पीढ़ी को प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में त्याग, बलिदान और योगदान को अगले समाज तक पहुंचाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने नारा दिया है कि आजादी का मतलब समाज के सभी वर्गों को भूख, गरीबी, अंधकार, बेड़ियों और बेरोजगारी से आजादी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की 5 गारंटी से ऐसी गंभीर समस्याओं के समाधान में मदद मिलेगी। कर्नाटक कांग्रेस सरकार की गारंटी योजनाओं को पूरा देश देख रहा है। हमारी सरकार का लक्ष्य भूख मुक्त समाज का निर्माण करना है। कांग्रेस सरकार ने सभी वर्ग के लोगों के लिए विकास योजनाएं बनाई हैं। जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, मनमोहन सिंह सहित कांग्रेस के कार्यकाल में हमने सामूहिक वर्ग के कल्याण को लक्ष्य कर योजनाएं बनाई हैं। गरीबों के लिए जमीन, शिक्षा, पंचायतों का विकास, बेरोजगारी राहत, मनरेगा, खाद्य सुरक्षा समेत जो भी कार्यक्रम लागू किये गये, उसका लाभ सभी वर्गों को मिला। उन्होंने कहा कि केवल कांग्रेस पार्टी ही ऐसे कार्यक्रमों को बचा सकती है और जारी रख सकती है। पंचखत्री परियोजनाएँ किसी भी कारण से बंद नहीं होंगी। यहां से देश को एक आदर्श संदेश दिया जायेगा।

लंबे समय से वन क्षेत्रों में बसे परिवारों को नहीं किया जाएगा बेदखल : मधु बंगारप्पा

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्कूल शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने कहा कि कर्नाटक के वन क्षेत्रों में लंबे समय से बसे परिवारों को बेदखल नहीं किया जाएगा। 15 अगस्त को शिवमोग्गा में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद बोलते हुए मंत्री ने कहा कि वन विभाग के अधिकारियों को वन क्षेत्रों में बसे परिवारों को बेदखल न करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार ने शरावती जल विद्युत परियोजना और अन्य परियोजनाओं के कारण विस्थापित परिवारों के हितों की रक्षा के लिए कदम उठाए हैं। राज्य सरकार ने परिवारों को भूमि देने से संबंधित सुप्रीम कोर्ट में मामले को संभालने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ताओं का एक पैनल गठित किया था। इसके अलावा, राज्य सरकार ने परियोजनाओं से प्रभावित परिवारों के पक्ष में एक प्रस्ताव पारित किया था। उन्होंने कहा कि बगैर हुकुम (बिना प्राधिकरण) खेती करने वाले किसानों के हितों की भी रक्षा की जाएगी। सरकार ने 12,000 शिक्षकों की भर्ती की है। सरकार ने सहायता प्राप्त संस्थानों में 5,000 शिक्षकों और व्याख्याताओं की नियुक्ति को मंजूरी दी है। सरकारी स्कूलों में लगभग 45,000 अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। शिवमोग्गा जिले में विकास कार्यों के बारे में, मंत्री ने कहा कि सरकार जिले में 41 कर्नाटक पब्लिक स्कूल (केपीएस) बनाने की योजना बना रही है। शिवमोग्गा के बाहरी इलाके सोगाने में एक फूड पार्क बनाया जाएगा। गारंटी योजनाओं पर, मंत्री ने कहा कि प्रत्येक परिवार को गारंटी योजनाओं के तहत लाभ के रूप में हर साल 30,000 से 50,000 के बीच मिल रहा है। केएसआरपी, सिविल पुलिस, होमगार्ड, एन-सीसी, वन विभाग, आबकारी विभाग, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं और स्कूली छात्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली 26 प्लाटून ने स्वतंत्रता दिवस परेड में भाग लिया। रिजर्व पुलिस इंस्पेक्टर के.एस. प्रशांत ने परेड का नेतृत्व किया।

स्वयं पर नियंत्रण से मिलेगी वास्तविक स्वतंत्रता: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शांति नगर स्थित लुणावत स्थानक भवन में स्वतंत्रता दिवस के विशेष प्रवचन में राजेश मुनिजी ने फरमाया कि असली आजादी धर्म से ही मिलती है। हम तन से तो आजाद हो गए पर कर्मों से आत्मा को आजाद करने का लक्ष्य रखना चाहिए। भारत देश अहिंसा का देश है यहां के कण कण में अहिंसा बसी हुई है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को भी अहिंसा की प्रेरणा जैन धर्म से ही मिली थी। भारत मानवता को असत्य से सत्य की ओर ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला देश है। स्वतंत्रता दिवस पर हमें आत्मा को पापों से आजाद करने का लक्ष्य रखना चाहिए। मुनि ने कहा कि जिसने स्वयं पर नियंत्रण कर लिया, वही स्वतंत्र है। नहीं तो वह स्वच्छंद हो सकता है स्वतंत्र नहीं। हमें स्वच्छंदता नहीं, स्वतंत्रता चाहिए। आचार विचार की शुद्धता को आवश्यक बताते हुए मुनिजी ने फरमाया कि यदि आचार विचार गिरेंगे तो हम भी गिर जाएंगे। हमें अपने देश के प्रति सच्ची भक्ति रखनी है। गौतम बुद्ध और महावीर के देश में संस्कृति बढ़नी चाहिए और विकृति खत्म होनी चाहिए।

इसके पहले ऋषभ मुनिजी ने कहा कि हिंसा रहित जीवन ही वास्तविक जीवन है। हमें मन, वचन और कर्म से अहिंसा को अपनाना है। दूसरों को दुख देने वाला सुखी नहीं रह सकता। संघ के चेयरमैन महावीर चंद मुथा ने स्वतंत्रता दिवस पर कविता प्रस्तुत की। विल्सन गार्डन संघ के अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली, लादू लाल ओस्तवाल, पीर ओस्तवाल, बाबूलाल, लक्ष्मीचंद ओस्तवाल, महावीर मकाना, वनारपेट से धोका परिवार और दिल्ली से श्रावकों की उपस्थिति रही। प्रकाश खींवसरा ने स्वागत किया। शांतिलाल लुणावत, मुकेश मुथा, नरेंद्र बेताला, अजीत बाघमार एवं उत्तम बांठिया का व्यवस्था में सहयोग रहा। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

किसी भी क्षेत्र में दिल व ईमानदारी से किया हुआ कार्य सफल होता है: भंडारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इंदिरा नगर सीएमएच सर्कल पर स्थित जोधपुर जिले के बिलाडा शहर निवासी प्रकाश स्कील डेवलपमेंट एजुकेशन ट्रस्ट एवं प्रकाश सेल्यूलर सर्विस के कार्यालय पर ध्वजारोहण कर प्रशिक्षण कर रहे 110 छात्रों को कंपनी के प्रमाण पत्र वितरित किये गए। समारोह के मुख्य अतिथि भगवान महावीर अस्पताल के सचिव एवं आदिश्वर इलेक्ट्रॉनिक वर्ल्ड के सीईओ पारस भंडारी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के महामंत्री डॉ.जवरीलाल लूनावत ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि केवल सालेचा व संस्थान के प्रकाश विश्वकर्मा थे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर

झंडारोहण किया। सभी अतिथियों का शाल, माला व मोमेंटो से प्रकाश व उनकी टीम द्वारा स्वागत व अभिनंदन किया गया। भंडारी ने बताया कि हजारों छात्रों को इस संस्थान में लैपटॉप व हर तरह के मोबाइल रिपेयर करने का प्रशिक्षण देकर जो कार्य किया जा रहा है वह बहुत अनुकरणीय है। दो महीने तक ट्रेनिंग लेने वाले हजारों छात्र मात्र सत्तर हजार फीस देकर अपनी आजीविका का साधन जुटाकर अपने अपने क्षेत्र में जाकर अपने परिवार के लिये आजीविका का संसाधन जुटाने में तभी सफल होंगे जब वे ईमानदारी से हर ग्राहक को संतुष्ट करेंगे। डॉ. लूनावत ने कहा कि पारस भंडारी ने जैन समाज में ही नहीं अपितु सर्व समाज में अपनी पहचान बनाकर जिस तरह हर क्षेत्र में अपनी पहचान बनायी है, उसी तरह प्रकाश विश्वकर्मा भी अपने क्षेत्र में स्कील डेवलपमेंट का कार्य कर छात्रों को प्रशिक्षण देने का अनुकरणीय कार्य कर रहे हैं। सभी छात्रों को ट्रेनिंग पूरी करने पर प्रमाण पत्र मुख्य अतिथियों ने वितरित किया।

शुभ लाभ DAILY

डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या का मामला

भाजपा ने ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की

कोलकाता, 15 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले की चर्चा देशभर में हो रही है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी ने एलान किया है कि पार्टी की महिला शाखा द्वारा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास तक कैंडल लाइट मार्च निकाला जाएगा। भाजपा ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई घटना को लेकर सीएम ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांग की है। पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार का कहना है कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है।

उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सामने धरना प्रदर्शन भी करेगी। आपोक बता दें कि आरजी कर हॉस्पिटल में बीते सप्ताह महिला डॉक्टर की दुष्कर्म

के बाद हत्या की गई। इसके खिलाफ राज्य में जबरदस्त विरोध प्रदर्शन हो रहा है।

सुकांत मजूमदार ने कहा कि भाजपा की महिला शाखा द्वारा शुक्रवार को दक्षिण कोलकाता के कालीघाट में ममता बनर्जी के आवास तक मोमबत्ती के साथ जुलूस निकाला जाएगा। मजूमदार ने कहा कि भाजपा द्वारा राज्य भर में शुक्रवार से अलग अलग जगहों पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस जगह पर जूनियर डॉक्टर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, वहां भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदर्शनकारियों का साथ दिया जाएगा। मजूमदार ने कहा, हम महिला डॉक्टर की हत्या के विरोध में ममता बनर्जी के आवास तक मोमबत्ती जुलूस निकालेंगे।

बीते सप्ताह कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सेमिनार हॉल में महिला डॉक्टर का शव बरामद हुआ था। महिला डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की गई। इसके बाद से पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। सीबीआई ने मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है।

ममता बनर्जी ने राज्यपाल बोस से मुलाकात की

कोलकाता, 15 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले को लेकर देशभर में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राजभवन में राज्यपाल सीवी आनंद बोस से मुलाकात की। मुलाकात के बाद ममता ने कहा कि कल आरजी कर अस्पताल में जिन लोगों ने तोड़फोड़ की और हंगामा किया, उनका आरजी कर मेडिकल कॉलेज के छात्र आंदोलन से कोई संबंध नहीं है। वे बाहरी लोग हैं, मैंने जितने वीडियो देखे हैं, मेरे पास तीन वीडियो हैं, जिसमें कुछ लोग राष्ट्रीय ध्वज थामे हुए हैं। वे भाजपा के लोग हैं और कुछ डीवाईएफआई के लोग हैं जो सफेद और लाल झंडे थामे हुए हैं। कल पुलिस पर भी हमला हुआ। पुलिस पर हमला हुआ। मैं उनको बधाई देना चाहूंगा कि उन्होंने धैर्य नहीं खोया, उन्होंने किसी को चोट नहीं पहुंचाई। अब केस हमारे हाथ में नहीं है, सीबीआई के हाथ में है, अगर आपको कुछ कहना है तो सीबीआई को बताएं, हमें कोई आपत्ति नहीं है। ममता बनर्जी ने कहा कि जहां तक मुझे जानकारी है, मैं छात्रों को दोष नहीं दूंगी। घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, हम अब भी कहते हैं कि उन्हें फांसी दी जानी चाहिए। हमने सभी दस्तावेज दिए हैं, जब तक हमारी पुलिस जांच कर रही थी, तब तक कुछ भी लीक नहीं हुआ। मेरी और बंगाल की जनता की संवेदनाएं पीड़ित परिवार के साथ हैं। यह बहुत बड़ा अपराध है और इसकी एकमात्र सजा यही है कि आरोपियों को फांसी दी जाए, अगर अपराधी को फांसी दी जाती है तो ही लोगों को इससे सबक मिलेगा, लेकिन किसी निर्दोष को सजा नहीं मिलनी चाहिए।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने कोलकाता के आरजी कर अस्पताल का दौरा किया

अस्पताल में तोड़फोड़ समाज के लिए शर्म की बात

कोलकाता, 15 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस गुरुवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने अज्ञात बदमाशों की ओर से तोड़फोड़ किए जाने के बाद स्थिति का जायजा लिया। राज्यपाल ने आपातकालीन विभाग का भी निरीक्षण किया, जहां बुधवार रात तोड़फोड़ की घटना हुई थी। इसी अस्पताल में पिछले सप्ताह एक महिला चिकित्सक मृत पाई गई थी।

उन्होंने घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा कि आरजी कर अस्पताल में तोड़फोड़ नागरिक समाज के लिए शर्म की बात है। दरअसल, अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और फिर हत्या की घटना के विरोध में महिलाओं के विरोध प्रदर्शन के बीच आधी रात को यह तोड़फोड़ की गई। इस पर राज्यपाल ने कहा कि कल हुई तोड़फोड़ की घटना सभ्य समाज के लिए शर्म की बात है। यह पूरी मानवता के लिए शर्म

की बात है कि युवतियां सुरक्षित नहीं हैं। इस खून-खराबे को अब और नहीं चलने दिया जाएगा। इसे अवश्य ही रोका जाना चाहिए। इसके बाद राज्यपाल बोस ने चिकित्सा संस्थान में प्रदर्शन कर रहे चिकित्सकों से बात की। उन्होंने छात्रों से कहा कि मैं आपके साथ हूं और हम इस समस्या को सुलझाने के लिए मिलकर काम करेंगे। मैं आपको न्याय का आश्वासन देता हूं। मेरे कान और आंखें खुली हैं। इससे पहले सरकारी चिकित्सा प्रतिष्ठानों के कम से कम 20 चिकित्सकों ने राज्यपाल बोस से मुलाकात की। उन्होंने अज्ञात बदमाशों के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के एक हिस्से में तोड़फोड़ की घटना के बाद उनके हस्तक्षेप की मांग की। इन चिकित्सकों में अधिकतर महिलाएं थीं। अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल ने चिकित्सकों को हरसंभव सहायता देने का वादा किया। उन्होंने पश्चिम बंगाल में चल रही गुंडागर्दी को उखाड़ फेंकने लिए मामले को उच्च स्तर तक ले जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि बोस ने अभय होम खोला है, जहां असुरक्षित महसूस करने वाली चिकित्सक तब तक रह सकती हैं, जब तक कि उनमें इतना विश्वास पैदा नहीं हो जाता कि वे पश्चिम बंगाल में आजाद होकर से घूम-फिर सकती हैं।

असम कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष को आयकर का नोटिस

भूपेन बोरा बोले- सीबीआई या आयकर विभाग जैसे संगठनों से नहीं डरते

गुवाहाटी, 15 अगस्त (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने गुरुवार को असम कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा को तलब किया। आयकर जांच के सहायक निदेशक के कार्यालय से बोरा को समन भेजा गया। बोरा को शुक्रवार दोपहर एक बजे व्यक्तिगत रूप से बैंक खाते से संबंधित साक्ष्य पेश करने के लिए कहा गया है। वे अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से भी दस्तावेज पेश करा सकते हैं। समन में कहा गया है कि तत्काल लागू किसी भी अन्य कानून के प्रावधानों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना यदि आप जानबूझकर उपस्थित होने और साक्ष्य देने या बैंक पासबुक या दस्तावेज पेश करने से चूकते हैं,

तो ऐसी प्रत्येक विफलता या चूक के लिए आप पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। इस पर बोरा ने कहा कि वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या आयकर विभाग जैसे संगठनों से नहीं डरते। उन्होंने कहा कि असम के मुख्यमंत्री के पास ईडी, आईटी और सीबीआई है। वह इन संगठनों के माध्यम से कुछ भी कर सकते हैं। जिन लोगों को उनसे डर था, वे पहले ही कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए हैं। हम अब भी कांग्रेस में हैं क्योंकि हमें कोई डर नहीं है। वे जो भी चाहें उन्हें करने दीजिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने गुवाहाटी में आयकर कार्यालय कभी नहीं देखा है लेकिन अब इसे देख सकेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे पहली बार नोटिस मिला है। कल मैं नहीं जा सकता क्योंकि मेरा पहले से तय कार्यक्रम है। मेरा चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) जाएगा और मेरा प्रतिनिधित्व करेगा।

पड़ोसी देश के आतंकवादी मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देंगे: सिन्हा

श्रीनगर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को कहा कि प्रदेश प्रशासन और सुरक्षा बल पड़ोसी देश (पाकिस्तान) को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने की अनुमति कभी नहीं देंगे और जम्मू के लोगों को क्षेत्र से आतंकवाद को खत्म करने में सेना की मदद करनी चाहिए।

श्री सिन्हा ने यहां बख्शी स्टेडियम में 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पड़ोसी देश की ओर से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हम जम्मू-कश्मीर में पड़ोसी देश के आतंकवादी मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देंगे। जम्मू के लोगों ने कभी भी आतंकवाद का समर्थन नहीं किया है और मैं जम्मू के लोगों से क्षेत्र से आतंकवाद को खत्म करने के लिए सुरक्षा बलों के साथ एकजुट रहने का आग्रह करता हूं।

उपराज्यपाल ने कहा कि सुरक्षा बल जम्मू-कश्मीर की धरती से आतंकवाद

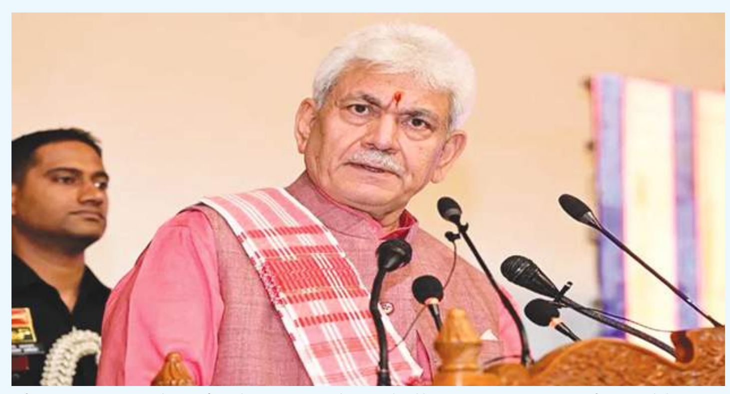

और आतंकवादी नेटवर्क को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रासंगिक रूप से जम्मू क्षेत्र में हाल ही में आतंकवादी हमलों की बाढ़ देखी गई है, जिसमें सुरक्षा बलों को भारी नुकसान हुआ है। बुधवार को डोडा के अस्सार में एक मुठभेड़ में सेना के एक कैप्टन और एक विदेशी आतंकवादी की मौत हो गई। इस क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी अभियान अब भी जारी है। श्री सिन्हा ने कई वीरता पदक हासिल करने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस पेशेवर तरीके से कई मोर्चों पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने पिछले पांच वर्षों में प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

उन्होंने कहा, पिछले 70 वर्षों से अपने अधिकारों से वंचित बचे हुए वर्गों को उचित मान्यता दी गई। आज अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, वाल्मीकि, पीओजेके-डब्ल्यूपीआर पूर्ण मतदान अधिकार के साथ सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि मई 2023 में श्रीनगर में जी-20 बैठक के बाद प्रदेश में पर्यटन प्रवाह में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। उन्होंने कहा, पिछले साल 2.11 करोड़ पर्यटकों ने जम्मू-कश्मीर का दौरा किया। इस साल 30 जून तक एक करोड़ से ज्यादा पर्यटक जम्मू-कश्मीर आए। मुझे उम्मीद है कि साल के अंत में रिकॉर्ड पर्यटक आएंगे।

उपराज्यपाल ने कहा कि पहली बार अमरनाथ गुफा मंदिर और गुरेज़ को पावर ग्रिड से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि साल के अंत तक जम्मू-कश्मीर औद्योगिक नीति का नवीनीकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमने केंद्र सरकार से नई औद्योगिक नीति को और अधिक उद्योग अनुकूल बनाने का अनुरोध किया है तथा नई नीति में और अधिक सुविधाएं जोड़ी जाएंगी। श्री सिन्हा ने कहा कि 2019 में जेएंडके बैंक घाटे में था और अथक प्रयासों से आज यह प्रदेश की लाभ कमाने वाली संस्था बन गया है। उन्होंने कहा, यह संस्था अब कुछ लोगों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अब यह आम लोगों का बैंक है।

स्वतंत्रता दिवस पर देशभक्ति से झूम उठा अटारी बॉर्डर

बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी में दिखा जवानों का शौर्य

अमृतसर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस पर गुरुवार शाम अटारी सीमा पर बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी देखने आए लोगों में अलग ही जोश देखने को मिला। रिट्रीट सेरेमनी से पहले सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें पंजाब की संस्कृति और वहां के गीतों पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। वहीं इस दौरान बीएसएफ जवानों का जोश हाई रहा। हजारों की संख्या में पहुंचे सैलानी हिंदुस्तान जिंदाबाद और भारत माता की जय के नारों से बीएसएफ के जांबाजों का हौसला बढ़ाते दिखे। बीटिंग द रिट्रीट समारोह शुरू होते-होते माहौल देशभक्ति से और भी ओतप्रोत हो गया।

इससे पहले बीएसएफ अमृतसर सेक्टर के डीआईजी एसएस चंदेल ने अमृतसर में अटारी-वाघा सीमा पर 78वें स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराया। इस अवसर पर डीआईजी चंदेल ने कहा कि मैं सभी को 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि हम सीमा की सुरक्षा पूरी लगन से कर रहे हैं ताकि देश हर दिन प्रगति करे और हम राष्ट्र को आगे ले जाने में सक्षम हों। ड्रोन के बारे में उन्होंने कहा कि जवानों को मानसिक रूप से मजबूत होने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। हम उन्हें हमारे सामने आने वाली किसी भी स्थिति के लिए प्रशिक्षित करते हैं। इसलिए, हम इस ड्रोन खतरे से भी प्रभावी ढंग से निपट रहे हैं। वहीं अमृतसर में अटारी वाघा बॉर्डर पर स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बीएसएफ जवानों ने एक दूसरे का मुंह मीठा करवाया।

स्वतंत्रता कितनी कीमती है, बांग्लादेश को देख लें

आजादी को हल्के में नहीं लिया जा सकता ये कितनी जरूरी, इतिहास से समझें

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस के एक कार्यक्रम में चीफ जस्टिस (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह इस बात की याद दिलाता है कि स्वतंत्रता हमारे लिए कितनी कीमती है। सीजेआई ने कहा- हमने 1950 में संविधान अपनाया और इसका अनुसरण किया। यही वजह है कि स्वतंत्रता में किसी प्रकार का दखल नहीं है। स्वतंत्रता या आजादी को हल्के में नहीं लिया जा सकता। ये कितनी महत्वपूर्ण है, अतीत की कहानियों

से समझा जा सकता है।

चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने ये भी कहा कि आज का दिन हमें संविधान के सभी मूल्यों को साकार करने और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की याद दिलाता है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा- आजादी की लड़ाई में देश ने क्या झेला, उस वक्त संविधान और कानून की क्या स्थिति थी, ये सभी जानते हैं। हमें उन स्वतंत्रता सेनानियों को सलाम करना चाहिए, जिन्होंने आजादी के संघर्ष में शामिल होने के लिए वकालत तक छोड़ दी। बाबा साहेब अंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर, गोविंद वल्लभ पंत, देवी प्रसाद खेतान, सर सैयद मोहम्मद सादुल्लाह जैसे कई महा-पुरुषों ने खुद को राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया था। ये सभी भारत की आजादी के नायक थे। इन्होंने एक स्वतंत्र न्यायपालिका की स्थापना में भी योगदान दिया।

चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कोर्ट की मौजूदा प्रोसेस पर भी बात की। सीजेआई ने कहा- पिछले 24 सालों में एक जस्टिस के रूप में मैं अपने दिल पर हाथ रखकर कह सकता हूं कि कोर्ट का काम उतना ही संघर्ष भरा है जितनी एक आम आदमी की जिंदगी। कोर्ट में सभी धर्म, जाति, लिंग, गांव और शहरों के लोग आते हैं। इन सभी को चुनिंदा संसाधनों में और दायरे में रहकर न्याय दिलाना होता है। यह उतना आसान काम नहीं है।

देश को परम वैभव पर ले जाने के लिए अपना उत्कृष्ट योगदान दें: शैलेन्द्र

देहरादून, 15 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवकों ने उत्तराखंड में गुरुवार को देहरादून सहित राज्यभर में 78वें स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण कर बलिदानियों को नमन किया। साथ ही, स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े लोगों से प्रेरणा लेकर राष्ट्रनिर्माण और समाज जागरण में आगे आने की अपील की गई।

प्रांत प्रचारक डॉ. शैलेंद्र ने स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्षों को याद करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि देश को परम वैभव पर ले जाने के लिए हम सभी को अपना उत्कृष्ट योगदान देने के लिए आगे आकर कार्य करना होगा। देहरादून में तिलक रोड स्थित प्रांत कार्यालय में डॉ. शैलेंद्र और दक्षिण महानगर संघ चालक कैलाश मेहलाना ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ। डॉ. शैलेंद्र ने कहा कि भविष्य के भारत के बढ़ते वैभव व गौरव को स्वयं देखने व अनुभव करने के लिए हमें स्वस्थ रहने के उपक्रम करना चाहिए। देश में अमृत महोत्सव मनाया गया है। उन्होंने कहा कि आज भारत ही नहीं विश्वभर में संघ के स्वयंसेवकों की ओर राष्ट्रभक्ति का अनूठा भाव जागृत कर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा के लिए सर्वसमाज को अपनी आवाज को और मजबूती के साथ आगे बढ़ाना है। देवभूमि के निवासियों ने भारत विरोधी और हिंदू विरोधी लोगों के खिलाफ मुखर होकर कार्य किया है। आज समय को देखते हुए विचार को समाज हित में प्रभावी बनाना होगा।

डॉ. शैलेंद्र ने कहा कि तमाम संघर्षों, बलिदान के बाद देश आजाद हुआ है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और उनके परिवारों से संस्मरण को सुनने की ललक होनी चाहिए। कैसे राष्ट्रहित में अपना अधिक से अधिक योगदान दे सकें, इस दिशा में पूरे मनोयोग से काम करना होगा।

सामूहिक शक्ति, सामर्थ्य, कठोर परिश्रम से राष्ट्र निर्माण का अपना दायित्व निभाएं: बिरला

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को यहां अपने सरकारी आवास पर ध्वजारोहण किया और देशवासियों से सामूहिक शक्ति, सामर्थ्य और कठोर परिश्रम से राष्ट्र निर्माण का अपना दायित्व निभाने की अपील की।

श्री बिरला ने सुबह10 बजे देश की आन, बान और शान के प्रतीक राष्ट्र ध्वज तिरंगा को फहराया। इस मौके पर उन्होंने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 15 अगस्त उन लोगों से प्रेरणा लेने का दिन है, जिन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने ने कहा, प्यारे देशवासियों, देश के 78वें स्वतंत्रता दिवस की आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आज के दिन, मैं स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करता हूँ, जिनके महान प्रयासों और बलिदान से हमें आजादी मिली। हमारे स्वाधीनता सेनानियों ने जिस कठिन तप, त्याग और परिश्रम से देश को आजाद करवाया, उसी निष्ठा से आज के दिन हम सभी यह संकल्प लें कि हम सामूहिक शक्ति, सामर्थ्य और कठोर परिश्रम से राष्ट्र निर्माण का अपना दायित्व निभाएंगे। निश्चय ही हमारे सामूहिक प्रयासों से विकसित, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत का संकल्प सिद्ध होगा।

सीएम योगी ने 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर किया ध्वजारोहण

प्रगति, सुरक्षा और खुशहाली के पथ पर बढ़ चला है प्रदेश: योगी

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

देश के 78वें स्वाधीनता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों से पंच प्रण का पालन करने का आह्वान किया। गुरुवार को अपने सरकारी आवास में ध्वजारोहण के अवसर पर सीएम योगी ने प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि देश को स्वतंत्रता कोई एक दिन में प्राप्त नहीं हुई थी। वर्षों की गुलामी से मिली आजादी पीढ़ियों के संघर्ष का परिणाम है।

सत्य-अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नमन करते हुए सीएम योगी ने कहा कि ये वक्त नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभ भाई पटेल, डॉ. भीमराव अंबेडकर व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे महापुरुषों के सपनों को पूरा करने का है, उनकी जीवनी से प्रेरणा लेकर हमें देश को निर्धारित लक्ष्यों की ओर बढ़ाना होगा। इस दौरान देश की स्वाधीनता के लिए खुद को न्योछार कर देने वाले क्रांतिकारियों, स्वतंत्रता सेनानियों व सभी ज्ञात-अज्ञात वीर बलिदानियों को नमन करते हुए उनसे प्रेरणा लेनी होगी। उन्होंने कहा कि पिछले 7 वर्षों में प्रदेश प्रगति, सुरक्षा और खुशहाली की यात्रा पर बढ़ चला है, जिसकी प्रगति को सुनिश्चित करने के लिए हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए पंच प्रण का पालन व अनुसरण करना होगा।

देश की स्वाधीनता के लिए बलिदान देने वाले क्रांतिकारियों, वीर सपूतों को नमन करते हुए सीएम योगी ने कहा कि 77 वर्ष पूर्व आज ही के दिन देश स्वतंत्र हुआ था। आज का ये अवसर उन महान सपूतों को स्मरण करने के साथ ही उनके संकल्पों के साथ खुद को जोड़ने का अवसर प्रदान कर रहा है। देश आजादी के अमृत काल के तीसरे चरण में प्रवेश कर चुका है। विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा बताए गए पंच प्रण से हमें जुड़ना होगा। उनके आह्वान पर 25 करोड़ आबादी वाला यह प्रदेश प्रगति, सुरक्षा और खुशहाली की यात्रा पर बढ़ चला है और इसका सकारात्मक परिणाम सामने है। हम साढ़े सात वर्ष में देश की दूसरी अर्थव्यवस्था बन गए हैं और आज देश की जीडीपी में उत्तर प्रदेश का योगदान 9.2 प्रतिशत है। इन साढ़े सात वर्षों में उत्तर प्रदेश ने देश के सुरक्षा एवं सुशासन का एक मॉडल दिया और देश के वीर सपूतों के सपनों को साकार करने की दिशा में सकारात्मक प्रयास कर रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि हम सबका कर्तव्य है कि पंच प्रण का पालन करें। इन पंच प्रण में आखिरी प्रण नागरिक कर्तव्यों से जुड़ा हुआ है जिसका हमें निर्वहन प्राथमिकता के आधार पर करना होगा। उन्होंने कहा कि यदि सब अपने कर्तव्यों का पालन करे तो कोई कारण नहीं कि वर्ष 2047 तक हम विकसित राष्ट्र न बन सकें। यही भाव हमें दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनाएगा।

पांच शताब्दी के संकल्प की सिद्धि का वर्ष : योगी

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 78वें स्वाधीनता दिवस पर गुरुवार को विधान भवन के समक्ष ध्वजारोहण किया। सीएम ने सत्य व अहिंसा के साधक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभ भाई पटेल, बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी समेत भारत माता के ज्ञात-अज्ञात अमर सेनानियों के प्रति कृतज्ञता जताते हुए उनका स्मरण किया। इस दौरान हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्कृति विभाग के कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। सीएम ने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए बलिदान देने वाले अमर सपूतों को भी नमन किया। अयोध्या में श्रीरामलला के बाल विग्रह के स्थापित होने के कारण सीएम ने इस वर्ष को ऐतिहासिक बताया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के अमृत काल में इस वर्ष भारतीय स्व-ाधीनता संग्राम के ऐतिहासिक काकोरी ट्रेन एक्शन का शताब्दी वर्ष प्रारंभ हुआ है। प्रदेश में वर्ष पर्यंत विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से देश की आजादी के महानायकों का स्मरण किया जाएगा। हमारा तिरंगा भारत की आन-बान और शान का प्रतीक है। 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान पूरे उत्साह व उमंग के साथ आयोजित किया जा रहा है। यह वर्ष भारत के लिए ऐतिहासिक है। 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु श्रीरामलला के बाल विग्रह रुप की प्राण प्रतिष्ठा कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनआस्था के पांच शताब्दी के संकल्प को सिद्ध किया है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के लिए पीएम मोदी ने देशवासियों को पंच प्रण के संकल्प के साथ जोड़ा है। विकसित भारत के इस संकल्प की सिद्धि के लिए उन्होंने राज्यों को विकास व गरीबी से मुक्ति को प्राथमिकता देने का मंत्र दिया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार पीएम मोदी के संकल्प के अनुरूप प्रदेश के समग्र विकास, बिना भेदभाव के सभी वर्गों, विशेष रूप से ज्ञान (गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी) के उन्नयन के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। कभी बीमारु व देश के विकास का बैरियर माना जाने वाला उत्तर प्रदेश आज अनलिमिटेड पोटेंशियल वाले राज्य के रूप में स्थापित हो चुका है। प्रभावी रिसोर्स मोबलाइजेशन से उत्तर प्रदेश रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में स्थापित हुआ है। राष्ट्रीय जीडीपी में 9.2 प्रतिशत यो-गदान के साथ उत्तर प्रदेश देश की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। पिछले सात वर्ष में प्रति व्यक्ति आय को भी दोगुना करने में भी प्रदेश सरकार को सफलता प्राप्त हुई है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार अंत्योदय के माध्यम से समाज के अंतिम पायदान के लोगों के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। हर गरीब, जरुरतमंद व वंचित को शासन की योजनाओं का लाभ मिले, यह हमारी प्राथमिकता है। विगत साढ़े सात वर्ष में 56 लाख से अधिक गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास, 2.62 करोड़ गरीबों को व्यक्तिगत शौचालय, रसोई गैस के 1.86 करोड़ से अधिक निःशुल्क कनेक्शन दिए गए। 2.65 करोड़ से अधिक परिवारों में पेयजल कनेक्शन और 15 करोड़ गरीबों को निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराने का कार्य निरंतर चल रहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वनटांगिया, मुसहर, थारु, कोल आदि वंचित समुदाय को आवास, राशन, जमीन के पट्टे, स्कूल आदि की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई गई है। आजादी के बाद 70 वर्ष तक उपेक्षित रहे यह लोग विकास की मुख्य धारा से जुड़कर आज ईज ऑफ लिविंग का अनुभव कर रहे हैं। प्रदेश सरकार ने डीबीटी के माध्यम से योजनाओं के लाभार्थियों के बैंक खातों में 70 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि भेजी है। कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से उत्तर प्रदेश छह करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से ऊपर उठाने में सफल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आकांक्षात्मक विकास खंडों के माध्यम से पिछड़े विकास खंडों को विकास की मुख्य धारा के साथ जोड़ा जा रहा है। पात्र परिवारों के लिए लाभार्थीपरक योजनाओं के माध्यम से प्रदेश सरकार ने पीएम मोदी के संकल्प को आत्मसात किया है। पीएम की मंशा के अनुरूप देश को जीरो पॉवर्टी के अभियान के क्रम को आगे बढ़ाने का प्रदेश सरकार ने भी संकल्प लिया है। जब देश में 78वां स्वाधीनता दिवस मनाया जा रहा है तो देश की सबसे बड़ी आजादी का राज्य यूपी पीएम मोदी के जीरो पॉवर्टी के संकल्पों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। सीएम योगी ने कहा कि हर परिवार का फैमिली आईडी बनाकर शासन की योजनाओं को 100 फीसदी सेचुरेशन के लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए कार्य करेंगे। इसके लिए प्रत्येक परिवार को फैमिली आईडी उपलब्ध कराया जाएगा।

इस अवसर पर विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, प्रदेश सरकार के मंत्री राकेश राठौर गुरु, दानिश आजाद अंसारी, विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, मुकेश शर्मा, इंजी. अवनीश सिंह, लालजी प्रसाद निर्मल, गोविंद नारायण शुक्ल, विधायक नीरज बोरा आदि मौजूद रहे।

सीएम ने वीर सपूतों के परिजनों को किया सम्मानित

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शौर्य पुरस्कार विजेताओं व उनके परिजनों को सम्मानित भी किया। शहीद लेफ्टिनेंट हरि सिंह विष्ट की मां शांति विष्ट, शहीद मेजर कमल कालिया की पत्नी अर्चना कालिया, लेफ्टिनेंट कर्नल अमित मोहिंद्रा के पिता एचएस मोहिंद्रा, कर्नल भरत सिंह, शहीद हवलदार कुंवर सिंह चौधरी की धर्मपत्नी लक्ष्मी देवी, शहीद नायक राजा सिंह की परिजन राजेश्वरी सिंह, शहीद मेजर रितेश शर्मा के पिता सत्यप्रकाश शर्मा, शहीद एमसी बिटाली के भाई मुन्नीलाल, शहीद नायक अरुण कुमार त्रिपाठी के पिता हवलदार ओमप्रकाश त्रिपाठी, लेफ्टिनेंट कमांडर रजनीकांत यादव के भाई रमाकांत यादव, शहीद राजवीर सिंह की पत्नी सुमन देवी, शहीद हर्षवर्धन सिंह की पत्नी सला देवी, हवलदार पंकज सिंह के पिता सूबेदार आरएन सिंह, शहीद शिवरक्षा राम की पत्नी सीता सुंदरी, शहीद दिवाकर तिवारी की पत्नी संतोष तिवारी, शहीद बचावन सिंह की पत्नी मुन्नी सिंह को सम्मानित किया।

कलाकारों से मिले योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कला पर किसी व्यक्ति, जाति, मत, मजहब, क्षेत्र या भाषा का एकाधिकार नहीं होता है, बल्कि कला पूरे देश की होती है। यह हमारी संस्कृति और आध्यात्मिक परम्परा का प्रतिनिधित्व करती है। हम सभी पूरे देश की संस्कृति का प्रतिनिधित्व करें, यहीं हमारा ध्येय होना चाहिए।

मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विधान भवन के समक्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले कलाकारों के सम्मान के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सभी सांस्कृतिक दलों का परिचय प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने सभी कलाकारों का अभिनन्दन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रदेश सरकार प्रतिवर्ष स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस एवं उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर देश के अलग-अलग राज्यों से कलाकारों को आमंत्रित करती है। प्रदेश के कलाकार भी अन्य राज्यों में जाते हैं। यह सांस्कृतिक दलों के माध्यम से संस्कृति के आदान-प्रदान का एक प्रयास है। हम सभी एक दूसरे की भाषा तथा सांस्कृतिक परम्पराओं को सम्मान देकर आगे बढ़ेंगे, तो यही एक भारत श्रेष्ठ भारत का प्रतीक बनेगा। कला इसका सर्वश्रेष्ठ माध्यम बन सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान परिवेश में हम अक्सर आधुनिक वाद्ययंत्रों का ही प्रयोग करते हैं। अपने पुराने वाद्ययंत्रों को हम भूल से गये हैं। यह वाद्ययंत्र कला का प्रतिनिधित्व करते हैं। आप सभी

कलाकारों की जिम्मेदारी है कि ऐसे प्राचीन वाद्ययंत्रों को संरक्षित करें और सुरक्षित रखें। यदि हो सके तो अपने-अपने यहां ऐसे वाद्ययंत्रों का म्युजियम बनाए। प्राचीन काल से ही भारत के लोगों ने अपनी परम्-पराओं और बातों को काव्यात्मक रूप से या गायन के माध्यम व्यक्त करने के लिए वाद्ययंत्रों का प्रयोग किया। बहुत सी चीजें ऐसी है जो केवल वाद्ययंत्रों के माध्यम से ही व्यक्त की जा सकती हैं। हमें इन्हें भी सुरक्षित करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। बहुत लोगों ने अपने प्राचीन वाद्ययंत्रों को आज भी सुरक्षित रखा है। आप सभी कलाकार भी यदि इस दिशा में प्रयास करेंगे, तो इसके अच्छे परिणाम आएंगे।

इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक दलों के नेतृत्वकर्ताओं ने प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें लखनऊ आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यहां सरकार द्वारा बेहतर व्यवस्थाएं की गयी हैं। उन्हें यहां आकर अतिथि देवो भव का अर्थ पता चला है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति श्री मुकेश कुमार मेश्राम, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं सूचना श्री संजय प्रसाद, सूचना निदेशक श्री शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में विधान भवन के समक्ष आयोजित समारोह के अवसर पर प्रदेश के संस्कृति विभाग द्वारा संस्कृति से समृद्धि सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। जिसमें सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, गुजरात, महाराष्ट्र, असम तथा मध्य प्रदेश के कलाकारों द्वारा प्रस्तुति की गयी। उत्तर प्रदेश के भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय तथा जनपद ललितपुर, महोबा, ब्रज, प्रयागराज तथा अयोध्या के कलाकारों द्वारा भी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

आधी आबादी की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : योगी

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वतंत्रता दिवस की अपनी स्पीच में महिलाओं की सुरक्षा और उनके स्वावलंबन को प्रदेश सरकार की प्राथमिकता करार दिया। उन्होंने कहा कि आधी आबादी के सशक्तिकरण के बिना कोई समाज समृद्धि के पथ पर आगे नहीं बढ़ सकता। प्रदेश सरकार प्रदेश की नारी शक्ति के उन्नयन और सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश के विकास में इस आधी आबादी की प्रमुख भूमिका है। महिला सशक्तिकरण पर सरकार का पूरा ध्यान है। प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के माध्यम से 19 लाख 34 हजार बालिकाओं को लाभान्वित कर रही है। इस योजना के तहत लाभार्थी को अब 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपए की धनराशि प्रदान की जा रही है।

वहीं, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से 3 लाख 82 हजार से अधिक गरीब परिवारों की कन्याओं का विवाह संपन्न कराने में सफलता प्राप्त हुई है तो 39 हजार से अधिक बीसी सखी द्वारा 26 हजार 853 करोड़ रुपए का वित्तीय लेनदेन और 72 करोड़ 30 लाख का कमीशन भी अर्जित किया गया है। सीएम योगी ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए प्रदेश में मिशन शक्ति सफलतापूर्वक संचालित है। उत्तर प्रदेश के सभी 17 नगर निगमों और नोएडा व ग्रेटर नोएडा के साथ 18 सेफ सिटी वाला देश का पहला राज्य बनने की ओर उत्तर प्रदेश अग्रसर है।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए काम कर रही सरकार: योगी

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वतंत्रता दिवस पर अन्नदाता किसानों के हित में प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अपने अन्नदाता किसानों की आय को बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हमारे अन्नदाता किसानों की मेहनत का ही परिणाम है कि देश की कुल कृषि योग्य भूमि में हमारा हिस्सा मात्र 12 फीसदी है, लेकिन उत्तर प्रदेश देश के खाद्यान्न की 20 फीसदी से अधिक की आपूर्ति कर रहा है। प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से अब 2.62 करोड़ किसानों के खातों में 75 हजार करोड़ से अधिक की धनराशि जारी कर चुकी है। अब तक 31 सिंचाई परियोजनाएं पूर्ण होकर 22 लाख 75 हजार से अधिक सिंचन क्षमता सृजित कर चुकी हैं, जिसके माध्यम से 46 लाख 69 हजार किसान लाभान्वित हुए हैं। सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली की सुविधा के तहत 14 लाख से अधिक किसानों के अप्रैल 2023 से ट्यूबवेल के बिल माफ किए गए हैं। सिंचाई हेतु जून माह तक 66 हजार से अधिक सोलर पंप स्थापित किए गए हैं।

सीएम योगी ने आगे कहा कि एग्रीस्टैक योजना में 99 हजार राजस्व गांवों का जियो रेफरेंस विलेज मैप तैयार किया गया है। 2024-25 में समस्त जनपदों में डिजिटल क्रॉप सर्वे और फॉर्मर रजिस्ट्री को भी पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। 25 हजार किसानों को कार्बन क्रेडिट के रूप में 200 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं। वर्ष 2017 से अब तक 2 लाख 53 हजार करोड़ से अधिक की धनराशि गन्ना किसानों को भुगतान किया गया है। पेराई सत्र 2023-24 में गन्ना मूल्य में वृद्धि की गई। श्री अन्न के प्रोत्साहन के लिए किए गए प्रयासों में 2022-23 और 2023-24 में मिलेट के क्षेत्रफल में 24.4 प्रतिशत और उत्पादन में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

संपादकीय

राहुल का नया चक्रव्यूह

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बजट पर बोलना था, लेकिन उन्होंने महाभारत कालीन चक्रव्यूह का नया रूपक ही गढ़ दिया। हजारों साल पुराने चक्रव्यूह में अभिमन्यु को घेर कर मार दिया गया था। उसका नियंत्रण द्रोणाचार्य, कृपाचार्य, कर्ण, कृतवर्मा, अश्वत्थामा और शकुनि के हाथों में था। आज का चक्रव्यूह भी प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, सरसंघचालक मोहन भागवत, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल आदि छह हाथों में है। दो शेष नाम देश के बड़े उद्योगपतियों के हैं, जिनका नाम सदन में नहीं लिया जा सकता था। स्पीकर ओम बिरला ने भी नियमों का हवाला दिया, लेकिन राहुल गांधी उनका एक बार नाम ले चुके थे। फिर उन्हें ए-1, ए-2 नामकरण दिया। राहुल गांधी ने यह रूपक क्यों गढ़ा? क्या आज का चक्रव्यूह भी किसी को हताहत करने को रचा गया है? संसद में ऐसी हिंसकवादी राजनीति के कोई मायने नहीं हैं, लिहाजा स्पीकर नेता प्रतिपक्ष को बार-बार सलाह देते रहे कि एक बार और सदन के नियमों को नेता प्रतिपक्ष पढ़ लें। जाहिर है कि राहुल गांधी बार-बार नियमों का उल्लंघन करते रहे हैं। बहरहाल नए चक्रव्यूह के संदर्भ में जवाब राहुल ही देंगे, लेकिन उनकी राजनीति समझ में जरूर आती है कि 2024 के आम चुनाव की तरह वह अब भी एक नेरेटिव देश में फैलाना चाहते हैं। वह नेरेटिव भाजपा के हिंदुत्व और सवर्णवाद की काट साबित हो सकता है, ऐसी राहुल गांधी की उम्मीद है। उनकी राजनीति जातीय जनगणना की है, जबकि कांग्रेस में उनके पुरखे ऐसे जातिवाद के खिलाफ थे और ऐसी जनगणना को कभी भी लागू नहीं किया। कांग्रेस की विरासत ही कांग्रेस के विपरीत है। राहुल गांधी का फोकस पिछड़े, दलित, आदिवासी पर ज्यादा है। उन्होंने अपने 46 मिनट के भाषण का सारांश यह रखा कि गरीब, पिछड़े, दलित, युवा, किसान समेत पूरा देश भय के चक्रव्यूह में है। अग्निवीरों को भी चक्रव्यूह में फंसाया गया है। प्रधानमंत्री जिस कमल के फूल (भाजपा का चुनाव चिह्न) को लहराते रहते हैं, उसी के आकार वाला चक्रव्यूह है। यहां नेता प्रतिपक्ष ने अपनी सियासत के मुताबिक हिंदू धर्म का अपमान किया है। भाजपा ने यूं पलटवार करते हुए कहा है कि जिस फूल को ब्रह्मा जी, देवी लक्ष्मी, देवी सरस्वती ने अपना आसन बनाया, पवित्रता के प्रतीक उसी फूल को राहुल गांधी ने 'हिंसक' करार दिया। यह धार्मिक अपमान राहुल की राजनीति के मुताबिक है। नेता प्रतिपक्ष ने बजट पर संभवतः 2.5 फीसदी ही बोला। सिर्फ शिक्षा का आवंटन ही उन्हें याद रहा। बजट की 'हलवा सेरेमनी' में भी उन्होंने जातिवाद को घुसेड़ कर कहा कि जो 20 अधिकारी देश का बजट तैयार करते हैं, उनमें कोई भी ओबीसी, दलित या आदिवासी अफसर नहीं है, जबकि इन समुदायों की आबादी देश की 73 फीसदी है। सिर्फ 2-3 फीसदी लोग ही 'हलवा' बनाते हैं, वे ही बांटते हैं और वे ही खा जाते हैं। देश की 73 फीसदी आबादी को 'हलवा' नहीं मिल रहा है। राहुल का कथन देश के संसाधनों और शक्तियों की व्याख्या कर रहा है। उनका जातिवाद भी इसी आधार पर टिका है कि जो देश में बहुसंख्यक हैं, वे ही वंचित और विपन्न हैं। शायद राहुल गांधी को यह याद नहीं रहा कि बजट से जुड़ा 'राजनीतिक हलवा' तो बीते 70 सालों से अधिक समय से बांटा जा रहा है। इस दौरान सर्वाधिक सरकारें कांग्रेस की रही हैं। गौरतलब है कि कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान 2011 की जनगणना के साथ जातीय जनगणना भी कराई गई थी। उसके आंकड़े सार्वजनिक क्यों नहीं किए गए? कर्नाटक में जब सिद्धारमैया पहली बार मुख्यमंत्री बने थे, तब उन्होंने जातीय जनगणना कराई थी। आज भी वह मुख्यमंत्री हैं, लेकिन जातीय जनगणना के आंकड़े आज तक भी जारी नहीं किए गए। कांग्रेस या राहुल गांधी स्पष्ट कर सकते हैं कि उनके जातिवाद का यथार्थ क्या है? राहुल गांधी ने यह भी दावा किया है कि जो मध्यवर्ग प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति का समर्थक था, आज वह 'इंडिया' की तरफ आ रहा है, क्योंकि मध्यवर्ग की पीठ और छाती में छुरा घोंपा गया है। बहरहाल हमारा सरोकार राहुल के चक्रव्यूह से है कि उसके मायने क्या हैं।

> आज का चक्रव्यूह भी प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, सरसंघचालक मोहन भागवत, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल आदि छह हाथों में है। दो शेष नाम देश के बड़े उद्योगपतियों के हैं, जिनका नाम सदन में नहीं लिया जा सकता था। स्पीकर ओम बिरला ने भी नियमों का हवाला दिया, लेकिन राहुल गांधी उनका एक बार नाम ले चुके थे। फिर उन्हें ए-1, ए-2 नामकरण दिया। राहुल गांधी ने यह रूपक क्यों गढ़ा? क्या आज का चक्रव्यूह भी किसी को हताहत करने को रचा गया है? संसद में ऐसी हिंसकवादी राजनीति के कोई मायने नहीं हैं, लिहाजा स्पीकर नेता प्रतिपक्ष को बार-बार सलाह देते रहे कि एक बार और सदन के नियमों को नेता प्रतिपक्ष पढ़ लें। जाहिर है कि राहुल गांधी बार-बार नियमों का उल्लंघन करते रहे हैं। बहरहाल नए चक्रव्यूह के संदर्भ में जवाब राहुल ही देंगे, लेकिन उनकी राजनीति समझ में जरूर आती है कि 2024 के आम चुनाव की तरह वह अब भी एक नेरेटिव देश में फैलाना चाहते हैं।

बच्चों को मोबाइल मिलने की वजह से वे ऑनलाइन गेमिंग के आदि हो गए और मानसिक तौर पर बीमार होने लगे हैं

डिजिटल डिटाक्स आज के समय की जरूरत !

सुनील कुमार महला

> सच तो यह है कि आज के समय में जब हम संचार क्रांति के युग में सांस ले रहे हैं ,तब घंटों ऑनलाइन गेमिंग की लत बच्चों को मानसिक रूप से बीमार बना रही है। दरअसल, कोरोना महामारी के बाद से बच्चों को मोबाइल यूज करने की ज्यादा लत लग गयी है। कहना ग़लत नहीं होगा कि कोरोना महामारी(कोविड-19) के दौरान हुए लॉकडाउन की वजह से बच्चों की कोचिंग व स्कूल की ऑनलाइन क्लासेज लगने लगी और बच्चों को एंड्रॉयड मोबाइल फोन या टैबलेट या कंप्यूटर देना माता पिता और अभिभावकों के लिए मजबूरी बन गया था।

स्कूली बच्चों में विडियो गेम्स की लत स्वयं बच्चों के लिए व उनके परिवार के लिए बहुत ही घातक सिद्ध हो रही है। सच तो यह है कि आज के समय में जब हम संचार क्रांति के युग में सांस ले रहे हैं ,तब घंटों ऑनलाइन गेमिंग की लत बच्चों को मानसिक रूप से बीमार बना रही है। दरअसल, कोरोना महामारी के बाद से बच्चों को मोबाइल यूज करने की ज्यादा लत लग गयी है। कहना ग़लत नहीं होगा कि कोरोना महामारी(कोविड-19) के दौरान हुए लॉकडाउन की वजह से बच्चों की कोचिंग व स्कूल की ऑनलाइन क्लासेज लगने लगी और बच्चों को एंड्रॉयड मोबाइल फोन या टैबलेट या कंप्यूटर देना माता पिता और अभिभावकों के लिए मजबूरी बन गया था। बच्चों को मोबाइल मिलने की वजह से वे ऑनलाइन गेमिंग के आदि हो गए और मानसिक तौर पर बीमार होने लगे हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ज्यादा समय तक ऑनलाइन गेम खेलने वाले बच्चों के व्यवहार में उग्रता आ जाती है, जिसके बाद उनमें तनाव बढ़ने लगता है। कुछ मामलों में उनको दौरे तक भी पड़ने लगते हैं। आज मोबाइल गेम्स के चक्कर में बच्चे अभिभावकों का कहना तक नहीं मानते हैं, क्यों कि आनलाइन गेम्स उन्हें आनंद व खुशी की अनुभूति प्रदान करते हैं। मोबाइल छीनने पर वे उग्र, कभी कभी तो हिंसक भी हो जाते हैं। आनलाइन गेम्स खेलने से बच्चे जहां एक ओर पढ़ाई से दूर होने लगे हैं वहीं पर दूसरी ओर इससे उनकी आंखों, दिमाग पर भी प्रभाव पड़ता है। वास्तव में ऑनलाइन गेम्स खेलने के कारण बच्चों की आंखों की रौशनी कम होना, मोटापा, स्लीपिंग डसिऑर्डर, डप्रिशन, अग्रेसिवनेस, एकाग्रता में कमी जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। बहरहाल, यदि हम यहां आंकड़ों की बात करें तो एक सर्वे के मुताबिक, भारत के 40 प्रतिशत अभिभावकों ने माना था कि उनके बच्चे सोशल मीडिया इस्तेमाल करने, वीडियोज देखने और ऑनलाइन गेम खेलने के आदि हैं। इन बच्चों की उम्र 9 साल से 17 साल के बीच है। इस सर्वे में शामिल 49 प्रतिशत अभिभावक मानते हैं कि उनके 9 साल से 13 साल के आयुवर्ग के बच्चे रोजाना 3 घंटे से ज्यादा समय इंटरनेट पर बिताते हैं। वहीं, 47 प्रतिशत अभिभावकों का मानना था कि उनके बच्चे को ऑनलाइन गेमिंग, सोशल मीडिया और शॉर्ट वीडियोज देखने की बुरी लत लग गई है। सर्वे में भाग लेने वाले 62 प्रतिशत

अभिभावकों का मानना है कि उनके 13 साल से 17 साल के बच्चे प्रतिदिन 3 घंटे से ज्यादा समय स्मार्टफोन पर बिताते हैं। हाल ही में महाराष्ट्र के पुणे जिले से एक बहुत ही चौंकाने व दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है। यहां एक पन्द्रह वर्षीय बालक ने एक बहुमंजिला इमारत की चौदहवीं मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि नाबालिग ने कथित तौर पर ब्लूव्हेल चैलेंज गेम की लत के चलते यह खतरनाक कदम उठाया है। मीडिया के हवाले से खबर आई है कि जिस बच्चे ने चौदहवीं मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी वह ऑनलाइन गेम खेलने का आदी था। यह भी बताया जा रहा है कि मृतक लड़का पढ़ाई में बेहद अच्छा था और हाल ही में उसने अच्छे अंकों के साथ 9 वीं कक्षा पास की थी। पिछले कुछ महीनों से उसे ऑनलाइन मोबाइल गेम खेलने की लत लग गई थी। आज इंटरनेट व आनलाइन का जमाना है। बच्चे आनलाइन गेम्स के चक्कर में फंसकर अपनी जान से हाथ धो रहे हैं। बच्चों का मन बहुत ही कोमल होता है और वे इन आनलाइन गेम्स के चक्कर में फंसकर ऐसे खतरनाक कदम उठा रहे हैं, जिसके बारे में सोचकर भी किसी का दिल कांप उठता है। दरअसल,आज विभिन्न प्लेटफार्म पर ऐसे आनलाइन गेम्स उपलब्ध हैं और बच्चे इनका आसानी से शिकार बन जाते हैं। वे खेल के मैदानों में न जाकर इंटरनेट के माध्यम से वर्चुअल गेम्स में रचे-बसे रहते हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट्स, इंटरनेट, एंड्रायड फोन ने जहां हमें बहुत सी सुविधाएं प्रदान कीं हैं, वहीं दूसरी ओर इनके बहुत से खतरे भी हैं। आज न तो अभिभावकों के पास अपने बच्चों के लिए समय बचा है और न ही बच्चों के पास अभिभावकों के लिए समय है। जिंदगी की आपाधापी में हम बच्चों को खेल के मैदानों से नहीं जोड़ पा रहे हैं और न ही आज पहले के जमाने की भांति दादी-नानी की कहानियां ही बची हैं। परिवार भी आज संयुक्त नहीं रहे हैं अथवा कम ही परिवार हैं जो संयुक्त बचे हैं और इसका खामियाजा कहीं न कहीं हम सभी को भुगतना पड़ रहा है। एकल परिवार में हम आपसी संवाद कम ही करते हैं और स्वयं में ही व्यस्त रहते हैं। किसी को भी आज देखिए, सब सोशल नेटवर्किंग साइट्स व्हाट्स एप, फेसबुक, इंस्टाग्राम यू-ट्यूब, ट्विटर, गेम्स, इंटरनेट पर भी व्यस्त नजर आते हैं। इस वर्चुअल दुनिया में हम रम-बस से गये हैं और हमें हमारे आसपास के वातावरण तक का भी ध्यान नहीं रहता है कि कहां, क्या और कैसे हो रहा है ? बच्चे अपने में मस्त रहते हैं और हम अभिभावक अपने में। आज हमें यह चाहिए कि हम अपने बच्चों का ध्यान रखें कि वे कब, कहां क्या कर रहे हैं और क्या नहीं। सच तो यह है कि पुणे में हुई घटना की और कहीं पर भी पुनरावृत्ति न होने पाएं इसके लिए हमें यह चाहिए कि हम अपने बच्चों को ऑनलाइन गेमिंग की लत से बचाने के लिए उनके रोज के खेल का समय सीमित करें, हमें यह चाहिए कि हम गेमिंग डिवाइस को सोने से पहले बेडरूम से हटा दें, और बेकार ऐप्स को डिलीट कर दें और बच्चों से स्ट्रेस-फ्री एक्टिविटीज करवाएं। बच्चों को खेल के मैदानों से जोड़ें, उनके साथ समय समय पर संवाद करें, उनकी समस्याओं को जानें, समझें, उन्हें समझाएं,उनकी समस्याओं का मिल बैठकर समाधान करें। आज विभिन्न सेलिब्रिटी, क्रिकेटर, बड़े बड़े अभिनेता, अभिनेत्री , फिल्मी दुनिया के सितारे आनलाइन जुए के विभिन्न एप्स का प्रचार करते नजर आते हैं। भारी भरकर प्रचार से आनलाइन गेम्स की लोकप्रियता लगातार बढ़ती चली जा रही है। आज हमें हर कहीं ऐसे विज्ञापन ज़रूर देखने को मिल जाएंगे जिसमें ये प्रचार किया जाता है, 'घर बैठे लाखों, करोड़ों रुपये कमाएं।' बच्चे इन सबके बारे में समझ नहीं पाते हैं, क्यों कि समयाभाव के कारण हम अभिभावक बच्चों पर पर्याप्त ध्यान नहीं रख पाते हैं और बच्चों को गाइडेंस का अभाव रहता है। यह बहुत ही चिंताजनक है कि आज कम कीमत पर मोबाइल फ़ोन और कनेक्टिविटी मौजूद हैं और इसकी वजह से ऑनलाइन जुए की लोकप्रियता न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में फ़ैल रही है।

दृष्टि कोण

नेताओं की महिला विरोधी मानसिकता

हाल ही में नीतीश कुमार ने महिला विधायक रेखा देवी जी को अपमानित करते हुए यह कह दिया कि 'तुम महिला हो, कुछ नहीं जानती हो।' इससे पहले भी कई बार अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया और एक बार तो विधानसभा में ऐसी व्याख्या कर दी जिसमें शर्म को भी शर्म आ गई। मेरा नीतीश जी से यह कहना है कि आप मुख्यमंत्री हैं, ठीक है। आप सरकारें बना सकते हैं, बिगाड़ सकते हैं, दलबदल कर सकते हैं, पर याद रखिए महिलाएं इस देश की राष्ट्रपति हैं। प्रधानमंत्री बन चुकी हैं। सीमा की रक्षा के लिए वीर सैनिक बेटियां राफेल उड़ा रही हैं। प्रशासनिक सेवाओं में और पुलिस सेवाओं में अपनी योग्यता से नाम कमा रही हैं। सीमाओं की रक्षा कुशलता से कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की जज और वकील बनने वाली भी अगर महिलाएं कुछ नहीं जानतीं, तो क्या सब कुछ नीतीश कुमार जानते हैं, क्योंकि वे पुरुष हैं? नीतीश ने विश्व भर की महिलाओं का अपमान किया है। नीतीश सरकारें बना कर गिरा सकते होंगे, पर जो काम इस देश की महिलाओं ने कर दिया है, वह आज तक नहीं कर सके। मुझे लगता है नीतीश कुमार से ज्यादा उन विधायकों का दोष है जो अपने मुख्यमंत्री की अनुचित बातें सुनते, उसके पक्ष के लोग तालियां लगाते और उसका समर्थन करते हैं। नीतीश कुमार दुनिया भर की महिलाओं से माफी मांगें और सबसे पहले उस विधायक से, जिसे महिला होने के कारण यह कह दिया कि महिला हो, कुछ नहीं जानती हो। नीतीश कुमार उस पुरुष प्रधान मानसिकता के शिकार हैं जो हमेशा महिलाओं को नीचा दिखाती है। वह असंवैधानिक भाषा बोलते हैं, फिर भी संविधान की शपथ लेकर मुख्यमंत्री बने हैं। इस पर राष्ट्रीय महिला आयोग खामोश क्यों है? नीतीश को नोटिस भेजकर पेश होने के लिए क्यों नहीं कह दिया? यद्यपि सदियों से ही धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं को वह स्थान नहीं मिला जो उनका अधिकार है। स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं ने अतुलनीय साहस का परिचय देते हुए पहले मुगलों के और फिर अंग्रेजों के छक्के छुड़ाए। बहुत पुरानी बात नहीं, जब नेताजी की सेना में रानी झांसी ब्रिगेड बनी तो उस समय की युवती लक्ष्मी सहगल ने कैप्टन के रूप में आजाद हिंद फौज में ऐतिहासिक वीरता दिखाते हुए काम किया और महिला बल को संगठित किया। रानी झांसी के जौहर कौन नहीं जानता- खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी। महारानी अहिल्या बाई की वीरता, धीरता और निष्पक्षता का साम्राज्य तथा शत्रुओं से लोहा लेने की गाथाएं देश में, विशेषकर मध्यप्रदेश में घर-घर गूंज रही हैं। मां अहिल्या बाई भी तो भारत के वीरों का कंठहार है। शिवाजी का निर्माण, मानसिक, आत्मिक और बौद्धिक रूप से उन्होंने ही किया। एक वीर पुत्र देश को दिया, जो धर्म के साथ ही देश की बेटियों की भी रक्षा करे, चाहे वह दुश्मन की भी क्यों न हो। असंख्य गाथाएं हैं और खासकर बिहार की वीर बालिकाओं का इतिहास संभवतः नीतीश नहीं जानते, उनको जिन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में अंग्रेज की गोलियों का भी सामना किया था। असम की कनकलता समेत और पंजाब की दुर्गा भाभी समेत महिलाओं के बुद्धि शौर्य और रण शौर्य की असंख्य गाथाएं हैं, पर अपनी अल्पबुद्धि और सत्ता के बल पर नीतीश ने महिलाओं का घोर अपमान पहले भी किया है और अब भी कर दिया है। नीतीश को बताना होगा कि क्या महिला है, इसलिए कुछ नहीं जानती? यह किस दुष्प्रभाव में कहा? वैसे भी भारत की पुरुष मानसिकता जानते हुए या अनभिज्ञता में महिलाओं का अपमान करने में कोई कसर नहीं छोड़ती। देश के किसी भी वर्ग का कोई विरला व्यक्ति ही ऐसा होगा, जो गाली निकालते हुए बेटियों, बहनों का अपमान नहीं करता। बड़े से बड़ा अधिकारी भी, मंत्री भी, सांसद और विधायक भी गाली निकालते हैं। यह सीधा-सीधा महिलाओं का अपमान है। केवल देश की बात नहीं, दुनिया भर में भी चर्चा है कि भारत में लिंग भेद बहुत ज्यादा है। वल्ड इकोनामिक फोरम ने कुछ समय पहले ही ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2024 पब्लिश की है। इसमें 146 देशों में से भारत जेंडर गैप के मामले में 129वें स्थान पर पहुंच गया है। यह अत्यंत दुखद है। महिलाओं के शैक्षिक और राजनीतिक सशक्तिकरण में भी गिरावट आई है। संसद में महिलाओं की भागीदारी केवल 17.2 प्रतिशत है। यह दुख की बात है कि भारत उन देशों में शामिल है जहां लैंगिक समानता हर क्षेत्र में सबसे कम है। भारत में पुरुष जहां 100 रुपए औसतन कमाते हैं, वहीं महिला 39.8 रुपए कमाती है। हम अपने आसपास के वातावरण में भी देखते हैं कि बहुत सी लड़कियां, जिन्होंने स्कूल के पश्चात आगे शिक्षा प्राप्त नहीं की, उनका यही कहना होता है कि आर्थिक स्थिति सही न होने के कारण माता-पिता ने पढने से रोक लिया।

कुछ अलग

फेसबुक पर जूते...

वे विशुद्ध वैष्णव शाकाहारी फेसबुकिया टाइप के चराचर निशाचर हैं। इसलिए वे अपने फेसबुक अकाउंट पर जो भी सामग्री फेंकते हैं, सब शुद्ध शाकाहारी होती है। उसमें मांसाहार की तनिक भी खुशबू नहीं होती। वे मांस भक्षण बहुधा बहुत ही चोरी छिपे करते हैं ताकि उनका वैष्णवपना भंग न हो। आप चाहें तो उनके फेसबुक अकाउंट में जितना गहरे तक अपनी नाक घुसा उनकी शुद्ध शाकाहारिता को सूंघ सकते हैं। क्या मजाल जो उसमें आपको कहीं मांस की तरी की बूंद खुशबू आए। वे नाश्ता किए बिना रह सकते हैं, पर नाश्ते के समय अपने फेसबुक अकाउंट पर शुद्ध शाकाहारी नाश्ते की तस्वीर इधर उधर से कट पेस्ट पोस्ट किए बिना कतई नहीं। वे लंच किए बिना रह सकते हैं, पर लंच के समय अपने फेसबुक अकाउंट पर शुद्ध शाकाहारी लंच की तस्वीर इधर उधर से कट पेस्ट कर पोस्ट किए बिना कतई नहीं। वे डिनर किए बिना रह सकते हैं, पर डिनर के समय अपने फेसबुक अकाउंट पर शुद्ध शाकाहारी डिनर की थाली की तस्वीर इधर उधर से कट पेस्ट पोस्ट किए बिना कतई नहीं। वे चाय के बिना रह सकते हैं, पर चाय के समय चाय के कप की तस्वीर अपनी फेसबुक अकाउंट पर इधर उधर से कट पेस्ट पोस्ट किए बिना कतई नहीं। यही माननीय, सम्मानीय शुद्ध शाकाहारी वैष्णव उस वक्त बहुत परेशान लगे। वैसे फेसबुक पर पोस्ट डालने को लेकर वे बहुधा परेशान ही रहते हैं। उन्हें पता ही नहीं लग रहा था कि उस वक्त वे अपने फेसबुक अकाउंट पर अपने मित्रों से शेयर करें तो क्या करें? ऐसी परेशानी में उनका फोन आया, 'और बंधु! क्या कर रहे हो?' 'कुछ खास नहीं! बस वही सब कुछ जो इस वक्त रोज किया करता हूं। कहो, क्यों फोन किया? सब कुशल तो है?' 'हां! बस, एक परेशानी परेशान किए है, समझ नहीं आ रहा इस वक्त ब्रेकफास्ट का फेसबुक पर क्या डालूं? लंच-डिनर का तो फाइनल हो गया है। देखो तो, ब्रेकफास्ट का फेसबुकिया मुहूर्त निकला जा रहा है। इसी को लेकर बहुत परेशान हूं', आह रे! सोने की ईंट पर बैठे कीचड़ में छलांग लगाने को बेताब दोस्त! 'तो नीबू डाल दो!' 'वह ब्रेकफास्ट में नहीं आता।' 'तो मूली डाल दो।' 'वह भी ब्रेकफास्ट में नहीं आती।' 'तो लहसुन डाल दो।' 'वह भी ब्रेकफास्ट में नहीं आता।' 'तो प्याज डाल दो।' 'अरे यार! कुछ तो दिमाग लगाओ जो है तो। ये सब फेसबुकिया तडक़े में काम आते हैं, ब्रेकफास्ट में नहीं आते', जैसे जैसे मैं उन्हें ये वो फेसबुक पर डालने की मजाकिया सलाह दे रहा था, उससे हर बार साफ लग रहा था कि उनकी खीझ भी बढ़ती जा रही थी। 'तो अब दिमाग में, घर में जो भी कहीं कूड़ा कचरा शेष बचा हो उसमें से कुछ भी डाल दो। तुम जैसे आदरणियों, परमादरणियों को फेसबुक के सिवाय और तो कहीं जगह है नहीं। वैसे भी आज सोशल मीडिया और डस्टबिन में कोई खास फर्क तो रह नहीं गया है दोस्त', मैंने उनसे सच्ची को सच कहा तो उन्हें लगा कि ज्यों मैं उनसे ठिठोली कर रहा होऊं। मेरे साथ बहुधा ऐसा पता नहीं क्या होता है कि जब मैं किसी से ठिठोली कर रहा होता हूं तो उसे लगता है कि मैं उसके साथ सच बोल रहा हूं। तब वो हंसने के बजाय मेरी ठिठोली को गंभीरता से ले लेता है। और जब मैं किसी के साथ सच बोलता हूं तो उसको लगता है कि मैं जैसे उसके साथ ठिठोली कर रहा होऊं। और तब वह मेरे कहे सच को हंसते हुए टाल देता है। अब मुझे समझ नहीं आता कि मुझे किसी से बात करनी हो तो कैसे करूं? 'लो यार! घर से कंबख्त याद आया!'

देश दुनीया से

देशमुख के ग्राम्य दृष्टिकोण की प्रासंगिकता

> एक सामाजिक कार्यकर्ता जिन्होंने धैर्यपूर्वक काम किया और मध्य भारत के आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में सैकड़ों गांवों को सुधारा और लाखों लोगों को गरीबी से बचाया। वह एक अर्थशास्त्री थे जिन्होंने दुनिया को एक स्वायत्त आर्थिक विकल्प दिया जब दुनिया शोषक पूंजीवाद और हठधर्मी साम्यवाद के बीच ध्रुवीकृत थी। एक बुद्धिजीवी के रूप में, नानाजी ने भारत में पहला ग्रामीण विश्वविद्यालय शुरू किया। उन्होंने 'मुकदमेबाजी मुक्त गांवों' के माध्यम से संघर्ष-मुक्त समाज का नेतृत्व किया और ग्रामीणों को उनके विकास में भागीदार बनाया। एक राजनीतिक कार्यकर्ता जिसने स्वतंत्र भारत में सबसे बड़े लोकतंत्र समर्थक आंदोलनों में से एक को तैयार किया, जिसके कारण दो साल की तानाशाही के बाद भारत में लोकतंत्र की बहाली हुई।

ग्रामीण विकास व समाज सुधार के क्षेत्र में दिग्गज भारत रत्न नानाजी देशमुख भारत में दूरदर्शी नेतृत्व के प्रतीक हैं। एक सामाजिक कार्यकर्ता जिन्होंने धैर्यपूर्वक काम किया और मध्य भारत के आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में सैकड़ों गांवों को सुधारा और लाखों लोगों को गरीबी से बचाया। वह एक अर्थशास्त्री थे जिन्होंने दुनिया को एक स्वायत्त आर्थिक विकल्प दिया जब दुनिया शोषक पूंजीवाद और हठधर्मी साम्यवाद के बीच ध्रुवीकृत थी। एक बुद्धिजीवी के रूप में, नानाजी ने भारत में पहला ग्रामीण विश्वविद्यालय शुरू किया। उन्होंने 'मुकदमेबाजी मुक्त गांवों' के माध्यम से संघर्ष-मुक्त समाज का नेतृत्व किया और ग्रामीणों को उनके विकास में भागीदार बनाया। एक राजनीतिक कार्यकर्ता जिसने स्वतंत्र भारत में सबसे बड़े लोकतंत्र समर्थक आंदोलनों में से एक को तैयार किया, जिसके कारण दो साल की तानाशाही के बाद भारत में लोकतंत्र की बहाली हुई। उनकी तीक्ष्ण बुद्धिमत्ता और असाधारण संगठन कौशल ने भारतीय राजनीति पर एक अमिट छाप छोड़ी है। समाज के विभिन्न पहलुओं में फैले उनके योगदान ने देश के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी है। नानाजी देशमुख के नाम से मशहूर चंडिकादास अमृतराव देशमुख का जन्म 11 अक्टूबर 1916 को महाराष्ट्र के गांव कडोली में हुआ था। लोकमान्य तिलक नानाजी के रोल मॉडल थे। नानाजी देशमुख का परिवार डा. हेडगेवार के निकट संपर्क में था। डा. हेडगेवार ने उन्हें आरएसएस की शाखाओं में जाने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रारंभिक वर्षों के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शिक्षाओं ने उनके वैचारिक ढांचे को आकार दिया और उनमें राष्ट्र सेवा की गहन भावना पैदा की। उन्हें प्रचारक के रूप में उत्तर प्रदेश भेजा गया, जहां उन्होंने पूर्वी उत्तर प्रदेश में संघ की विचारधारा के लिए बहुत मेहनत की। अंततः तीन साल की छोटी अवधि में, उनकी कड़ी मेहनत रंग लाई, और गोरखपुर और उसके आसपास लगभग 250 संघ शाखाएं दिखाई दीं। 1947 में भारत के विभाजन के दौरान उनके काम, जहां उन्होंने शरणार्थियों के पुनर्वास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, इस अनुभव ने सामुदायिक संगठन और आत्मनिर्भरता के महत्व को रेखांकित किया। 1947 में आरएसएस ने राष्ट्रधर्म, पांचजन्य और स्वदेश नामक समाचार पत्र शुरू करने का फैसला किया। इसके लिए अटल बिहारी वाजपेयी को संपादक, दीनदयाल जी को मार्गदर्शक, और नानाजी को प्रबंध निदेशक बनाया गया। यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य था क्योंकि प्रकाशन निकालने के लिए संगठन के पास पैसे की कमी थी। फिर भी, उनकी कड़ी मेहनत से इन प्रकाशनों ने लोकप्रियता और मान्यता प्राप्त की। आरएसएस पर प्रतिबंध के बाद पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन ठप हो गया। प्रतिबंध को ध्यान में रखते हुए एक अलग रणनीति अपनाई गई और उन दिनों आरएसएस द्वारा भूमिगत प्रकाशन कार्य के पीछे नानाजी का दिमाग था। जब प्रतिबंध हटा लिया गया और एक राजनीतिक संगठन बनाने का फैसला किया गया, तो जनसंघ अस्तित्व में आया। श्री गुरुजी ने नानाजी को पार्टी सचिव के रूप में उत्तर प्रदेश में भारतीय जनसंघ का प्रभार लेने के लिए कहा। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे प्रमुख नेताओं के साथ उनके जुड़ाव ने राजनीति और शासन की उनकी समझ को और समृद्ध किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश में पार्टी के आधार को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, अपने असाधारण संगठनात्मक और नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन किया। नानाजी ने विनोबा भावे द्वारा शुरू किए गए भूदान आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। विनोबा के साथ दो महीने बिताकर, वह आंदोलन की सफलता और अपील से प्रेरित थे। जब जय प्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया, तो उन्होंने इस आंदोलन को पूर्ण समर्थन दिया। जब जनता पार्टी का गठन हुआ था, नानाजी इसके मुख्य वास्तुकारों में से एक थे। जनता पार्टी ने कांग्रेस को हराकर सत्ता में कदम रखा और नानाजी उत्तर प्रदेश के बलरामपुर संसदीय क्षेत्र से चुने गए। जब तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने उन्हें मंत्री पद की पेशकश की तो उन्होंने विनम्रतापूर्वक मना कर दिया। उनके लिए राजनीति कभी करियर नहीं, बल्कि मिशन थी। उन्होंने जय प्रकाश नारायण की उपस्थिति में राजनीति से संन्यास की घोषणा की और तब से, कभी पीछे मुडक़र नहीं देखा। 1977 में, वह 'ग्राम स्वराज' की अवधारणा के आधार पर विकास के एक आत्मनिर्भर मॉडल का एक प्रोटोटाइप बनाने के मिशन के साथ मध्य प्रदेश के एक दूरदराज के गांव चित्रकूट चले गए। पहली बार, एक ऐसा मॉडल आया जो विकास के लिए सरकार की अपेक्षा सिविल सोसाइटी पर निर्भर था। अपनी समस्याओं को हल करने के लिए सरकार की प्रतीक्षा न करें। नानाजी लोगों से कहते थे, 'हमें अपनी समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा।' दीनदयाल अनुसंधान संस्थान के तहत विभिन्न परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन में नानाजी का प्रशासनिक कौशल स्पष्ट था।

आप का नजरीया

हमारी गूंज भी सुनो

हिमाचल सरकार की इच्छाशक्ति का परिचय देती 'मंडे मीटिंग' हमेशा कुछ निष्कर्ष, कुछ परामर्श और कुछ अर्श खोजती है, लेकिन शिमला के कान राज्य को पूरी तरह सुन नहीं पाते। ब्यास नदी में वन विभाग खनन पर उतरेगा, यह एक नीतिगत फैसला है, लेकिन इसी विभाग से संबंधित निगम वर्षों से आश्वस्त करने के बावजूद इमारती लकड़ी की हमारी जरूरतें पूरी नहीं कर पा रहा। हिमाचल के वास्तुशास्त्र में लकड़ी से जुड़ी कई तरह की निर्माण शैलियां विकसित हुईं, मगर अब चाह कर भी उपभोक्ता अपनी जरूरतों की इमारती लकड़ी विभाग से नहीं ले पाता। विभाग वर्षों से पौधारोपण कर रहा है, लेकिन नए दरख्तों का हिसाब नहीं दे पाता। जंगल में पहले जड़ी-बूटियों का एक विस्तृत भंडार था, लेकिन अब ठीक से कुछ बता नहीं पाता। हैरान कर देने वाले हादसों का सीधा अपराध भले ही वन विभाग के पेड़ पर आता हो, लेकिन इसके लिए न उसकी कोई जिम्मेदारी और न ही हर्जाना अदा करने का कोई प्रावधान। पिछले कुछ दिनों से धर्मशाला के एक क्लब से उखड़ कर एक पेड़ कला संग्रहालय के मुख्य गेट पर आने वालों के लिए खतरा बना हुआ है, लेकिन वन संरक्षण के नाम पर विभाग कानों में रुई डाल कर कहीं दूर बैठा है। कुछ महीने पहले इसी शहर में पेड़ ने अपनी ताकत बुलंद करके शहीद स्मारक के एक हिस्से की छत उखाड़ दी। वार म्यूजियम के प्रवेश पर टूटी हुई छत ने एक पूरा पर्यटक सीजन गुजार दिया, लेकिन अब मरम्मत की जिम्मेदारी में पांच लाख की अनुमानित लागत का वारिस वन विभाग नहीं। आखिर यह महकमा इतना खुदगर्ज, संवेदनहीन और लापरवाह कैसे हो सकता है। बहरहाल वन महोत्सव के मनोरंजन में उखड़ते पेड़ों की क्या मजाल जो इन्हें ठिकाने लगाया जाए। अब खनन में वन विभाग के पांव कौनसे घुंघरू पहनकर चलता है, यह देखना होगा। 'मंडे मीटिंग' के पास मंत्रिमंडल की बैठकों से कहीं अधिक शक्ति है और यह अक्सर इसके एक्शन से साबित होता है, लेकिन जब कहीं जोगिंद्रनगर का घातक पीलिया दो लोगों को डस लेता है, तो हंगामा होना चाहिए। सतत प्रयास से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। जोगिंद्रनगर की बीएससी नर्सिंग छात्रा का कसूर यह कि उसने सार्वजनिक जल के नल से पानी पीया था। उसके अभिभावकों का यह कसूर कि पीलिया से बिगड़ती हालत से मजबूर वे उसे प्रदेश के अस्पतालों और मेडिकल कालेजों से दूर पीजीआई ले जा रहे थे, तो उसकी मौत हो गई। काश! प्रदेश की जल प्रयोगशालाओं ने पानी का सही और समय पर परीक्षण किया होता। काश! जोगिंद्रनगर से टांडा मेडिकल कालेज तक की औकात पर इतना भरोसा होता कि पीलिया से यह बच्ची बच जाती। सोमवार के दिन नगरोटा बगवां के व्यापारी रोष रैली क्यों निकाल रहे थे, अगर यह गूंज मंडे मीटिंग तक पहुंच जाते तो इनसाफ का रुतबा बढ़ जाएगा। हिमाचल के सबसे बड़े ट्रांसपोर्ट घराने के साथ चौदह करोड़ की ठगी का मामला आए काफी समय गुजर गया, मगर नगरोटा बगवां का ही ठग आराम से पुलिस की पकड़ से दूर है। इस बीच नगरोटा ने कई जश्न मना लिए, सरकारी घोषणाओं के अवसर बता दिए, लेकिन प्रदेश की सबसे बड़ी ठगी का वांछित अपराधी पुलिस की पकड़ में नहीं आया। या तो कांगड़ा में एक और पुलिस जिला बना देना चाहिए, ताकि अपराध के सामने विभाग का भी मनोबल ऊंचा रहे, वरना हर नागरिक को अपने लिए खुद ही सुरक्षा दीवारों का प्रबंध करना होगा।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

फ्रांस में दो राफेल लड़ाकू विमान आपस में टकराए, 2 पायलटों की मौत

पेरिस, 15 अगस्त (एजेंसियां)। फ्रांस के पूर्वोत्तर क्षेत्र में फ्रांसीसी वायुसेना के दो राफेल लड़ाकू विमान आपस में टकरा गए। इस दुर्घटना में दो पायलटों मौत हो गई। हवाई दुर्घटना की जानकारी फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दी।

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि बुधवार को दो राफेल फाइटर जेट प्रशिक्षण के दौरान आपस में टकरा गए। एजेंसी के मुताबिक फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अपने एक्स पोस्ट पर कहा, मुझे इस दुखद से अवगत कराया गया कि राफेल विमान प्रशिक्षण मिशन के दौरान हवाई दुर्घटना का शिकार हो गए। इसमें दो पायलटों की मौत हो गई। फ्रांसीसी वायु सेना के अनुसार, दो राफेल फाइटर जेट्स बुधवार को स्थानीय समयानुसार 12:30 बजे पूर्वोत्तर फ्रांस के आसमान में टकरा गए, जिससे दोनों विमान होकर जमीन पर आ गिरे । यह दुर्घटना जर्मनी में ईंधन भरने के बाद लौटते समय हुई। एक विमान में दो पायलट थे और दूसरे में एक पायलट था। फ्रांसीसी अधिकारियों ने बताया कि हादसे में दूसरे जेट का पायलट सुरक्षित बच निकला।

फ्रांस के रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकर्नू अपने एक्स अकाउंट पर इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि फ्रांस के पूर्वोत्तर क्षेत्र म्यूरथ एट मोसेले में बुधवार दोपहर को दो राफेल फाइटर जेट्स हवा में टकरा गए। दोनों विमानों के आपस में टकराने के कारणों का

अभी तक पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों का है कि यह हादसा कोलंबे-ले-बेल्स के ऊपर हुआ, जो पूर्वोत्तर फ्रांस का एक शहर है। स्थानीय प्रशासन की माने तो सैन्य अधिकारियों के द्वारा कछ दिनों में दुर्घटना के कारणों पर रिपोर्ट पेश की जाएगी। मल्टी रोल फाइटर जेट राफेल, जिसका उपयोग एयर सुपीरियॉरिटी, जमीन और समुद्री लक्ष्यों पर करने, जासूसी करने और यहां तक कि फ्रांस के परमाणु वारहेड ले जाने के लिए किया जाता है। यह फ्रांसीसी हथियार उद्योग की सबसे ज्यादा बिकने वाला सैन्य विमान है।

कोलंबे-ले-बेल्स के उपमहापौर पैट्रिस बोनेक्स ने मीडिया को बताया, हमने लगभग 12:30 बजे एक जोरदार आवाज सुनी, यह फाइटर की सोनिक बूमक की सामान्य ध्वनि नहीं थी। यह एक अजीब आवाज थी। मैंने देखा कि दो विमान टकरा गए हैं, लेकिन हमें विश्वास नहीं हुआ। बता दें, इससे पहले दिसंबर 2007 में, एक राफेल जेट दक्षिण-पश्चिम फ्रांस के न्यूविक शहर के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। जिसके बाद इस के लिए पायलट को जिम्मेदार ठहराया गया। यह राफेल विमान की पहली दुर्घटना मानी जाती है । इसके बाद सितंबर 2009 में, दो राफेल विमान परीक्षण उड़ान पूरी करने के बाद पेरपिनन के तट पर चार्ल्स डे गॉल विमानवाहक पोत पर लौटते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गए। जिसमें एक पायलट मौत हो गई थी। राफेल विमानों का इस्तेमाल फ्रांस के अलावा मिस्र, भारत, ग्रीस, इंडोनेशिया, क्रोएशिया, कतर और संयुक्त अरब अमीरात करते हैं।

न्यूयॉर्क में इंडिया डे परेड पर विविधता में एकता का प्रतीक होंगी 4 धर्मों की झांकियां

इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल राम मंदिर झांकी को लेकर कर रही विरोध प्रदर्शन

न्यूयॉर्क, 15 अगस्त (एजेंसियां)। रविवार 18 अगस्त को न्यूयॉर्क में होने वाली वार्षिक भारत दिवस परेड में देश के धर्मों का प्रतिनिधित्व करने वाली चार झांकियां शामिल होंगी, जो इसकी विविधता में एकता का प्रतीक होंगी, लेकिन कुछ मुस्लिम अन्य समूह हिंदू झांकी को शामिल करने का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि इसमें अयोध्या मंदिर को दर्शाया गया है।

आयोजकों ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और बहुलतावादी राष्ट्र की स्वतंत्रता के जश्न की भावना के खिलाफ इन विरोध प्रदर्शनों को खारिज कर दिया है। परेड का आयोजन वाले फेडरेशन ऑफ इंडिया डे एसोसिएशन (एफआईए) के त्रि-राज्य अध्याय के अध्यक्ष अविनाश गुप्ता ने कहा, नफरत के लिए कोई जगह नहीं है और हम एकता और विविधता में विश्वास करते हैं। सभी धर्मों का प्रतिनिधित्व किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम सभी धर्मों और सभी जातीय संगठनों का परेड भाग लेने के लिए स्वागत करते हैं। इसलिए आप न केवल राम मंदिर की झांकी देखेंगे, बल्कि एक मुस्लिम झांकी, एक सिख झांकी और एक ईसाई झांकी भी देखेंगे। परेड के वीआईपी अतिथि भारतीय अभिनेता जहीर इकबाल होंगे। यह न्यूयॉर्क कार्यक्रम का 42वां संस्करण होगा, जिसमें लगभग 100,000 लोग होंगे। यह भारत की स्वतंत्रता का जश्न मनाने वाली सबसे बड़ी परेड है। हिंदू झांकी में अयोध्या के श्री राम लला मंदिर

की प्रतिकृति होगी।

दूसरी तरफ, सिटी हॉल के बाहर करीब 20 लोगों के साथ विरोध प्रदर्शन में, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल (आईएएमसी) की हुस्ना वोरा ने कहा, मंदिर के निर्माण का जश्न मनाने वाली झांकी विभाजनकारी होगी और एनवाईसी के मूल्यों के विपरीत होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि सार्वजनिक समारोहों में विभाजन या कट्टरता के प्रतीक शामिल नहीं होने चाहिए। सिख गठबंधन, न्यूयॉर्क काउंसिल ऑफ चर्च, फेडरेशन ऑफ इंडियन अमेरिकन चर्च ऑफ नॉर्थ अमेरिका, काउंसिल अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस, हिंदू फॉर ह्यूमन राइट्स (एचएचआर), ब्लैक लाइव्स मैटर और अन्य समूहों के प्रतिनिधि उनके साथ विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। आईएएमसी, एचएचआर और कुछ अन्य लोगों ने परेड में हिंदू झांकी के खिलाफ न्यूयॉर्क के गवर्नर कैथी होचुल और न्यूयॉर्क सिटी के मेयर एरिक एडम्स को पत्र इसे मुस्लिम नफरत, कट्टरता का प्रतीक बताया। एडम्स ने कहा, मैं सही प्रतीकात्मक संकेत देना चाहता हूं कि शहर सभी के लिए है और यहां नफरत के लिए कोई जगह नहीं है। और अगर परेड में कोई झांकी या कोई व्यक्ति है जो नफरत को बढ़ावा दे रहा है, उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने परेड या हिंदू झांकी की स्पष्ट रूप से निंदा नहीं की। होचुल ने पत्र पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने कहा कि हालांकि पिछले साल परेड में मार्च किया था, लेकिन उन्हें इस साल के कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया गया था।

गुप्ता ने कहा, मंदिर का निर्माण 500 वर्षों के इंतजार के बाद, देश की सर्वोच्च अदालत, सुप्रीम कोर्ट तक जाने वाली लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद हुआ है। इसे कानूनी रूप से बनाया गया है और एक ऐतिहासिक गलती को सुधारा गया था। यह पूछे जाने पर कि क्या परेड में व्यवधानों के बारे में चिंतित हैं, गुप्ता ने कहा कि उन्हें किसी भी समस्या की उम्मीद नहीं है क्योंकि हमारे लोग जो परेड में भाग ले रहे हैं, वे बहुत शांतिपूर्ण हैं, अन्य धर्मों और अन्य परंपराओं का बहुत सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि परेड में व्यवस्था ठीक ठाक होगी। 1993 में, एक पाकिस्तानी व्यक्ति ने परेड समारोह में गोलीबारी की थी, जिसमें भारतीय मूल का एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। भारत दिवस समारोह टाइम्स स्क्वायर पर ध्वजारोहण के साथ शुरू होगा और उसके बाद होने वाली परेड मैडिसन एवेन्यू तक जाएगी, समापन सांस्कृतिक कार्यक्रमों, मनोरंजन और भोज (भारतीय भोजन परोसा जाएगा) के साथ सम्पन्न होगा। रात में एम्पायर स्टेट बिल्डिंग को भारतीय तिरंगे से रोशन किया जाएगा। परेड में मुख्य अतिथि स्वामी अद्वेशानंद गिरि होंगे, जो जूना अखाड़े के प्रमुख हैं, जिसे एफआईए ने संन्यासियों का सबसे पुराना और सबसे संगठन बताया है। अभिनेत्री सोनाली सिन्हा को परेड का ग्रैंड मार्शल बताया जा रहा है।

कंबोडिया के प्रधानमंत्री ने दंगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का संकल्प लिया

नोम पेन्ह, 15 अगस्त (एजेंसियां)। कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने गुरुवार को दंगों को आयोजित करने या उसमें भाग वाले किसी भी व्यक्ति या समूह के खिलाफ सख्त कदम उठाने की का संकल्प लिया।

श्री मानेट ने कहा कि विदेशी विरोधियों ने हाल ही में स्थानीय लोगों को कंबोडिया-लाओस-वियतनाम विकास त्रिभुज क्षेत्र के खिलाफ 18 अगस्त को नोम पेन्ह में रैली करने के लिए बुलाया है, जिसमें वैध को उखाड़ फेंकने की छिपी साजिश शामिल है। उन्होंने लगभग 1,000 बौद्ध पुरोहितों के साथ बैठक के सीधा प्रसारण के दौरान कहा कि सरकार के पास कोई विकल्प नहीं है, लेकिन वह देश की 1.7 करोड़ आबादी और विशेष रूप से नोम पेन्ह में 20 लाख आबादी के अधिकारों स्वतंत्रता की रक्षा के लिए कानून लागू करेगी, जिससे देश में शांति, स्थिरता और निडर कारोबार का माहौल सुनिश्चित होगा।उन्होंने कहा कि हम देश को जलाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे, मुट्ठी भर दुश्मन ताकतों की साजिश को हम देश को बांटने नहीं देंगे।

श्री ने कहा कि सरकार बंगलादेश और ब्रिटेन की तरह स्थिति को और खराब नहीं होने देगी। हाल के हफ्तों में, विदेशी ताकतों ने कंबोडियाई सरकार पर विकास संरचना की स्थापना के माध्यम

से कंबोडिया के कुछ राष्ट्रीय क्षेत्र को वियतनाम को सौंपने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर करने आरोप लगाया है और उन्होंने सरकार को इससे वापस लेने के लिए दबाव डालने के लिए विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। जुलाई में, विकास संरचना के खिलाफ निंदात्मक टिप्पणियों का उपयोग करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया गया और उन पर सामाजिक स्थिरता के लिए गंभीर खतरा करने के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया। वर्ष 1999 में प्रस्तावित, विकास संरचना आर्थिक, सामाजिक और राष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने के लिए एक पहल है, जिसमें प्रत्येक देश अपने स्वयं के क्षेत्र को नियंत्रित करता है। सहयोग का उद्देश्य कंबोडिया, लाओस और वियतनाम के सीमावर्ती क्षेत्रों में वृद्धि, और स्थिरता को बढ़ावा देना है।

गाजा संघर्ष विराम समझौते पर ट्रंप ने की नेतन्याहू से बात

वाशिंगटन, 15 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा युद्धविराम समझौते के मुद्दे पर के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बातचीत की है। यह जानकारी एक्सियोस समाचार पोर्टल ने गुरुवार को सूत्रों का हवाला दिया है। पोर्टल की रिपोर्ट में कहा गया है कि श्री नेतन्याहू के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान श्री ट्रंप उन पर समझौता करने के लिए दबाव डालना थे, हालांकि बातचीत का कोई और ब्योरा नहीं दिया गया।

उल्लेखनीय है कि हमास ने 07 अक्टूबर, 2023 को इजरायल की सीमा में घुसकर और गाजा पट्टी से बड़े पैमाने पर रॉकेट दागकर हमला किया था। इजरायली अधिकारियों के हमले में लगभग 1,200 लोग मारे गए थे। इस दौरान के लड़ाकों ने 200 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया था। इसके बाद इजरायल रक्षा बलों ने गाजा पट्टी में ऑपरेशन आयरन स्वॉर्ड्स शुरू किया और एन्क्लेव की पूरी नाकाबंदी की घोषणा की। एन्क्लेव के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक गत 07 अक्टूबर से गाजा पट्टी पर इजरायली हमलों मरने वालों की संख्या 39,900 से अधिक हो गई है। इस बीच, पिछले सप्ताह मिस्र, कतर और अमेरिका ने इजरायल और हमास से 14-15 अगस्त को युद्धविराम की शर्तों पर बातचीत फिर से शुरू करने का आह्वान किया था।

तीनों देशों के नेताओं ने कहा था कि वे किसी पर पहुँचने के लिए अंतिम प्रस्ताव पेश करने के लिए तैयार हैं।

अमेरिका के वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में गोलीबारी, चार घायल

वाशिंगटन, 15 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका में दक्षिणी वर्जीनिया के चेस्टरफील्ड काउंटी में वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में हुई गोलीबारी में चार लोग घायल हुए हैं। चेस्टरफील्ड काउंटी पुलिस विभाग की ओर से बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि स्थानीय समयानुसार लगभग 12:36 बजे बोइसो स्ट्रीट पर गोलीबारी की सूचना मिली। इसके अधिकारी मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने पाया कि चार लोगों को गोली लगी है। घायलों में दो पुरुष और दो महिलाएं हैं।

पुलिस ने कहा कि सभी घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। विश्वविद्यालय ने कहा कि पुलिस अधिकारियों की त्वरित प्रतिक्रिया के बाद, घटनास्थल दो संदिग्धों को हिरासत में ले लिया गया। हिरासत में लिए गए दो 21 वर्षीय पुरुषों पर बंदूक लहराने का आरोप लगाया गया है और उनमें से एक पर बिना परमिट के हथियार ले जाने का भी आरोप लगाया गया है। विश्वविद्यालय ने कहा, चेस्टरफील्ड पुलिस और वर्जीनिया राज्य के सहयोग से जांच जारी है।

पुतिन ने स्वतंत्रता दिवस पर मुर्मू और मोदी को दी बधाई

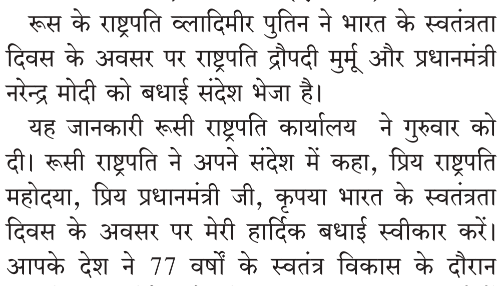

मॉस्को, 15 अगस्त (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई संदेश भेजा है।

यह जानकारी रूसी राष्ट्रपति कार्यालय ने गुरुवार को दी। रूसी राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, प्रिय राष्ट्रपति महोदया, प्रिय प्रधानमंत्री जी, कृपया भारत के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मेरी हार्दिक बधाई स्वीकार करें। आपके देश ने 77 वर्षों के स्वतंत्र विकास के दौरान सामाजिक-आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी तथा अन्य क्षेत्रों में सार्वभौमिक रूप मान्यता प्राप्त सफलताएं हासिल की हैं तथा वैश्विक मंच पर उच्च प्रतिष्ठा प्राप्त की है। हम भारत के साथ विशेष रूप से विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के संबंधों को महत्व देते हैं। श्री पुतिन ने टेलीग्राम पर कहा, मुझे विश्वास है कि मॉस्को में हमारी हाल की वार्ताओं में समझौतों के निरंतर लागू होने से बहुआयामी रूसी-भारत सहयोग के विकास में योगदान मिलेगा। यह निस्संदेह हमारे मित्रवत नागरिकों के हितों को पूरा करता है और अंतरराष्ट्रीय स्थिरता एवं सुरक्षा को मजबूत करने के अनुरूप है।

बांग्लादेश की पूर्ववर्ती हसीना सरकार के मंत्री हत्या के मामले में गिरफ्तार

ढाका, 15 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के पूर्व डिप्टी स्पीकर शम्सुल हक तुकू और पूर्व राज्य मंत्री जुनैद अहमद पलक को ढाका के पलटन थाने में दर्ज एक हत्या के मामले हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने ढाका विश्वविद्यालय की छात्र लीग इकाई के महासचिव तनवीर हसन शैकत को भी हिरासत में लिया है। ढाका ट्रिब्यून की गुरुवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, उन सभी को निकुंजा आवासीय क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

इससे पहले, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना निजी उद्योग मामलों के सलाहकार सलमान एफ रहमान और पूर्व कानून मंत्री अनीसुल हक को मंगलवार को ढाका के सदरघाट क्षेत्र में तटरक्षकों ने नाव पर यात्रा करते समय हिरासत में लिया। देश में कोटा सुधार प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की गोलीबारी में मारे गये लोगों के समर्थकों ने हसीना और उनकी सरकार के अधिकारियों के खिलाफ हत्या की कई शिकायतें दर्ज कराई हैं। गौरतलब है कि बंगलादेश में जून में शुरू हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों में करीब 500 लोग मारे गए। सुश्री हसीना के पांच अगस्त को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और देश छोड़ देने के बाद विरोध-प्रदर्शन थमे।

डब्ल्यूएचओ ने मंकीपॉक्स को लेकर वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया

न्यूयॉर्क, अगस्त (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने एमपॉक्स को वर्ल्ड हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दिया। एमपॉक्स जिसे पहले मंकीपॉक्स के नाम से जाना जाता था, कांगो सहित 13 अफ्रीकी देशों में तेजी से फैल रहा है। अब तक इस बीमारी से 524 लोगों की मौत हो चुकी है।

डब्ल्यूएचओ महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने एमपॉक्स के बढ़ने पर आईएचआर आपातकालीन समिति की बैठक के बाद मीडिया ब्रीफिंग की। उन्होंने कहा कि तीन वर्षों में दूसरी बार है जब एमपॉक्स आपातकालीन स्थिति में पहुंच गया है।

उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएचओ अफ्रीका में एमपॉक्स के प्रकोप पर काम कर रहा डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ने एक बयान में कहा कि पिछले सप्ताह मैंने घोषणा की थी कि मैं कांगो और अफ्रीका के अन्य देशों में एमपॉक्स के बढ़ने का मूल्यांकन करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमों के तहत एक आपातकालीन समिति बुला रहा हूं। आज, आपातकालीन समिति ने बैठक की मुझे सलाह दी कि उनके विचार में एमपॉक्स को लेकर जो स्थिति है वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल है। मैंने समिति के द्वारा दी गई सलाह को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा कि पूर्वी कांगो में एमपॉक्स के एक नए समूह का पता लगा है। और बहुत तेजी से पड़ोसी देशों में भी फैल रहा है। जहां पहले एमपॉक्स की रिपोर्ट नहीं की गई थी, और अफ्रीका और उसके बाहर इसके और फैलने की संभावना बहुत चिंताजनक है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ने कहा कि अफ्रीका के अन्य भागों में एमपॉक्स के अन्य क्लेड्स के प्रकोपों अलावा, यह स्पष्ट है कि इन प्रकोपों को रोकने और जीवन बचाने के लिए एक समन्वित अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया आवश्यक है। सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य कानून के तहत अलार्म का उच्चतम स्तर है। उन्होंने कहा कि कि आपातकालीन समिति ने मुझे और अफ्रीकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केन्द्र की दी। जिसके बाद मंगलवार को क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था।

रूस में मंकीपॉक्स फैलने का खतरा नहीं है

मॉस्को, 15 अगस्त (एजेंसियां)। रूस के अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि देश में मंकीपॉक्स फैलने का कोई खतरा नहीं है। रूस के उपभोक्ता अधिकार एवं मानव कल्याण निगरानी संस्था रोस्पोट्रेबनादज़ोर ने कहा, में संक्रमण का पता लगाने के लिए सभी आवश्यक उपाय समय पर और व्यवस्थित रूप से किये जा रहे हैं। स्थिति लगातार नियंत्रण में है और रूस में बीमारी फैलने का कोई खतरा नहीं है।रोस्पोट्रेबनादज़ोर की ओर से यह बयान विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अफ्रीका में फैले मंकीपॉक्स लेकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किये जाने के बाद जारी किया गया है। रोस्पोट्रेबनादज़ोर ने कहा कि रूस के पास मंकीपॉक्स का तेजी से पता लगाने के लिए पर्याप्त उन्नत परीक्षण प्रणालियां हैं। रूसी वैज्ञानिकों द्वारा विकसित, इन अत्यधिक कुशल परीक्षणों का उपयोग प्रयोगशाला सेटिंग्स के भी किया जा सकता है। रूस मंकीपॉक्स प्रकोप से प्रभावित अफ्रीकी देशों की सहायता के लिए भी तैयार है। बयान में कहा गया है, रोस्पोट्रेबनादज़ोर महामारी से प्रभावित अफ्रीकी देशों के साथ-साथ अफ्रीकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्रों को वैज्ञानिक और तकनीकी सहायता तथा प्रशिक्षण विशेषज्ञ प्रदान करेगा।

यूरोपीय आयोग अफ्रीका को देगा दो लाख से अधिक मंकीपॉक्स वैक्सीन

मॉस्को, 15 अगस्त (एजेंसियां)। यूरोपीय आयोग ने कहा है कि वह अफ्रीका रोग एवं रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी) को मंकीपॉक्स वैक्सीन की दो लाख 15 हजार से अधिक खुराक दान करेगा।अफ्रीका सीडीसी ने महाद्वीप में मंकीपॉक्स के प्रकोप को लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा की थी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से वैक्सीन की लगभग 20 लाख खुराक एकत्र करने में मदद की अपील की थी। अफ्रीकी संघ के 12 सदस्य देशों में जनवरी से जुलाई तक 2,853 पुष्ट और 12,221 संदिग्ध मामलों सहित मंकीपॉक्स के कम से कम 15,074 मामले सामने आये हैं और इसके कारण 461 लोगों ने जान गंवायी है।यूरोपीय आयोग ने बुधवार को कहा, यूरोपीय आयोग स्वास्थ्य आपातकालीन तैयारी एवं प्रतिक्रिया प्राधिकरण (हेरा) अफ्रीका में मंकीपॉक्स के प्रकोप को लेकर तत्काल प्रतिक्रिया के रूप में एमवीए -बीए वैक्सीन की 175,420 खुराक खरीदेगा और दान करेगा, जो फूड एण्ड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) और यूरोपीयन मेडिसिंस एजेंसी (एमा) द्वारा अनुमोदित मंकीपॉक्स की एकमात्र वैक्सीन है।

हम 2036 का ओलंपिक भारत में कराने की तैयारी कर रहे हैं: मोदी

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को 78वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से कहा कि हम वर्ष 2036 में भारत में ओलंपिक खेलों के आयोजन की तैयारी कर रहे है।

श्री मोदी ने आज यहां लालकिले के प्रचारी से ऐलान किया कि वर्ष 2036 में भारत में ओलंपिक हो इसका पूरा प्रयास किया जा रहा और इसके लिये तैयारी भी शुरु कर दी गई है। उन्होंने कहा कि भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के फ्यूचर होस्ट कमीशन (एफएचसी) के साथ बातचीत शुरू करके 2036 में ओलंपिक की मेजबानी की दिशा में पहला कदम पहले ही उठा लिया है।

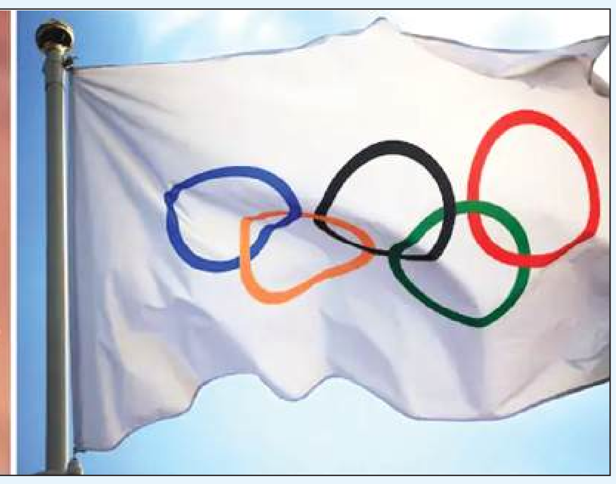

प्रधानमंत्री ने पेरिस में होने वाले पैरालंपिक खेलों के लिए भारतीय दल के सदस्यों को शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही उन्होंने पेरिस ओलंपिक में लेने वाले एथलीटों का भी हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आज हमारे साथ वो युवा भी हैं, जिन्होंने ओलंपिक में भारत का झंडा बुलंद किया। उन्होंने 140 करोड़ देशवासियों की ओर से सभी एथलीट और खिलाड़ियों को बधाई दी।

भारत टोक्यो पैरालिंपिक में 19 पदक और पैरा एशियाई खेलों ऐतिहासिक 111 पदक जीतने की लय को जारी रखना चाहेगा। आगामी 28 अगस्त से शुरू होने वाले पेरिस पैरालिंपिक के लिए 84 एथलीटों का भारतीय दल तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, नौकायन, साइकिलिंग, ब्लाइंड जूडो, पावरलिफ्टिंग, रोइंग, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल टेनिस, और तायक्कांडो सहित 12 प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेंगे।

श्री मोदी कहा कि पिछले दो ओलंपिक से हमारी हॉकी टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है। पिछले 52 वर्ष के लंबे इतंजार के बाद भारतीय हॉकी टीम ने दो बार पदक अपने नाम किया है।

उन्होंने कहा कि जब भारत में ओलंपिक खेला जाएगा तो हमारी हॉकी टीम स्वर्ण पदक जीतने सूखे को खत्म करेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय पेशेवरों को वैश्विक गेमिंग बाजार का नेतृत्व करना चाहिए, न केवल खेलने में बल्कि गेम बनाने में भी। उन्होंने कहा कि भारतीय खेलों को दुनिया भर में अपनी पहचान बनानी चाहिए।

पीकेएल स्टार्स प्रदीप और मनिंदर ने ऑक्शन से पहले मुंबई में फहराया तिरंगा

मुंबई, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

78वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के स्टार्स प्रदीप नरवाल और मनिंदर सिंह ने विशेष ध्वजारोहण समारोह के लिए मुंबई पब्लिक स्कूल के कार्यक्रम में भाग लिया। समारोह के बाद, देश के सबसे पसंदीदा कबड्डी खिलाड़ियों में एक प्रदीप और मनिंदर ने स्कूल की कबड्डी टीम के साथ एक मजेदार कबड्डी सत्र का आनंद लिया।

एक मनोरंजक और रोमांचक कबड्डी सत्र के बाद, खेल के दोनों दिग्गजों ने प्रो कबड्डी लीग की ओर से मुंबई पब्लिक स्कूल (जो डिज्नी स्टार द्वारा युवा अनस्टॉपेबल के सहयोग से एक सरकारी स्कूल है) को उपहार दिया और उनकी जमकर प्रशंसा की। प्रदीप ने कहा, कबड्डी भारत की संस्कृति का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है, और यह आजादी से पहले से ही खेला जाता रहा है।

मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई कि इतने सारे बच्चे इस खेल रुचि रखते हैं। आज हमारे लिए एक दिल को छू लेने वाला क्षण रहा है, यहां विशेष ध्वजारोहण समारोह में छात्रों के साथ शामिल होना गर्व की बात है। मैं सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देना चाहूंगा। मनिंदर ने कहा, हमारे देश के हर कोने में बच्चे कबड्डी हैं और हमें उम्मीद है कि यह खेल आने वाले सालों में भी जारी रहेगा। कबड्डी हर किसी के खून में है और लोग इस खेल के लिए जो प्यार दिखाते हैं, वह हमें प्रेरित करता है। मैं हर भारतीय को कबड्डी का समर्थन करने के लिए अपना योगदान के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं और मुझे उम्मीद है कि वे ऐसा करना जारी रखेंगे।

हम पीकेएल को भी धन्यवाद देना चाहेंगे क्योंकि उन्होंने इस खेल को सभी पहलुओं से बेहतर बनाने में मदद की है। स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं, जय भारत। भारत के प्रतिष्ठित कबड्डी खिलाड़ी 15 16 अगस्त को मुंबई में पीकेएल सीजन 11 की खिलाड़ी नीलामी में शामिल होंगे।

बीसीसीआई ने ठुकराया महिला टी-20 विश्वकप की मेजबानी का प्रस्ताव

मुंबई, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट संघ (आईसीसी) के महिला टी-20 विश्वकप की मेजबानी के प्रस्ताव ठुकरा दिया है।

तीन अक्तूबर से 20 अक्तूबर के बीच होने वाले इस टूर्नामेंट की मेजबानी से बीसीसीआई के पीछे हटने के बाद श्रीलंका और यूएई दूसरे विकल्प बचे हैं। आईसीसी को मेजबानी पर 20 अगस्त को फैसला लेना है। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने एक अंग्रेजी अखबार बातचीत में कहा, आईसीसी ने हमारे सामने विश्वकप की मेजबानी का प्रस्ताव रखा था। लेकिन मैंने साफ़ तौर पर मना कर दिया, हमारे यहां ये समय बरसात का है और उससे अहम है कि अगले साल हमें ही विमेंस वनडे विश्व कप की मेजबानी करनी है। मैं किसी को गलत संदेश नहीं देना चाहता कि हम लगातार दो विश्व कप की मेजबानी करना चाहते हैं।

बांग्लादेश के भारत दौरे को लेकर शाह ने कहा, हमने उनसे (बांग्लादेश अधिकारियों से) बात नहीं की है। वहां एक नई सरकार ने कार्यभार संभाला है। वे हमसे संपर्क कर सकते हैं या मैं उनसे संपर्क करूंगा। बांग्लादेश श्रृंखला हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में इस समय सरकार विर-ोधी आंदोलनों के कारण हिंसा और सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है। इसी के मद्देनजर आईसीसी बांग्लादेश की जगह किसी और को मेजबानी देने पर विचार कर रही है। हिंसा दौरान बांग्लादेश में कई लोगों की मौत चुकी है।

वेंकटेश अय्यर के दो गेंद पर दो विकेट से जीती लैंकशायर

लंदन, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

वेंकटेश अय्यर ने वनडे कप में लैंकशायर की ओर से खेलते हुए 49वें ओवर में वूस्टरशायर के लगातार दो गेंद पर दो विकेट अपनी टीम को जीत दिलाई।

बुधवार को खेले गये इस मुकाबले में लैंकशायर ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 237 रनों का स्कोर खड़ा किया। वेंकटेश ने 42 गेंद में दो चौके लगाते हुये 25 रनों की पारी खेली। वेंकटेश सातवें गेंदबाजी विकल्प के तौर पर फिर से 49वें ओवर थमाई गई। वह पांच ओवर पहले डाल चुके थे। उस समय कप्तान जेक लिबी 104 गेंद में 83 रन बनाकर खेल रहे थे। वूस्टरशायर को आखिरी दो ओवरों में 15 रनों की आवश्यकता थी और उनके पास दो ही विकेट शेष थे।

49वां ओवर करने आये वेंकटेश की पहली गेंदों पर एक चौका लेग बाय और दूसरा बाय के तौर पर आया और लैंकशायर की मुश्किलें बढ़ने लगी थी। तीसरी गेंद वेंकटेश ने वाइड फेंक दी। इसके बाद अगली तीन गेंद पर एक-एक रन और एक वाइड का आया। अब लग रहा था कि वूस्टरशायर यह मुकाबला जीत इसी बीच वेंकटेश की गेंद पर टॉम हिनली डीप मिडविकेट पर पुल करके बाउंड्री निकालने के प्रयास में कैच आउट हो गए। अगली गेंद पर हैरी डेरली स्लॉग करने का प्रयास करते हुए चूक गए और पगबाधा हो गए। इसी के साथ लैंकशायर यह रोमांचक मुकाबला तीन रनों से लिया। वेंकटेश ने छह ओवर में 38 रन देकर दो विकेट लिए।

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता पहलवान सेहरावत का प्रमोशन, टीटी से बने ओएसडी

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले रेसलर अमन सहरावत का अब प्रमोशन हो गया है। रेलवे में टीटी के पद कार्यरत अमन को अब ओएसडी यानी विशेष कार्याधिकारी खेल बना दिया गया है। उत्तर रेलवे मुख्यालय में महाप्रबंधक शोभन चौधुरी ने सहरावत को करते हुए कहा कि फ्री स्टाइल कुश्ती (57 किलोग्राम भार वर्ग) में कांस्य पदक जीतकर सहरावत ने देश को गौरव दिलाया। उनका समर्पण, परिश्रम और दृढ़ता अन्य के लिए प्रेरणादायक है।

उत्तर रेलवे के प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सुजीत कुमार मिश्रा ने उन्हें ओएसडी खेल के रूप में नियुक्त की घोषणा की। सहरावत नई दिल्ली में वाणिज्यिक क्लर्क के पद पर तैनात थे। प्रमोशन के साथ ही उनकी सैलरी में भी इजाफा हुआ। भारतीय रेलवे में एक टीटी की पूरे साल की सैलरी आमतौर पर 2.42 लाख रुपये तक होती है, लेकिन ओएसडी के तौर पर उन्हें 4.17 रुपये मिलेंगे।

कराची में बिना दर्शकों के खेला जाएगा बांग्लादेश-पाकिस्तान का मैच

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बुधवार को बताया कि उसने अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले स्थल पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण दर्शकों के बगैर टेस्ट मैच कराने का फैसला किया है। पहला 21-25 अगस्त को रावलपिंडी में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट मैच 30 अगस्त से 3 सितंबर तक आयोजित किया जाना है। पीसीबी ने अपने बयान में कहा कि उसने दूसरे टेस्ट के लिए टिकटों की बिक्री निलंबित कर दी है।

बता दें, यह अगले साल फरवरी- मार्च में होने चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पीसीबी की नवीनीकरण योजनाओं के अनुरूप अपग्रेड का हिस्सा है। भारत और श्रीलंका के साथ 1996 विश्व कप की सह-मेजबानी के बाद ये पाकिस्तान में पहला वैश्विक टूर्नामेंट होने जा रहा है। कराची के साथ-साथ लाहौर के गद्दाफ़ी स्टेडियम में भी नवीनीकरण का काम जारी पीसीबी ने एक बयान में बताया, हम समझते हैं कि क्रिकेट में हमारे उत्साही दर्शक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो हमारे खिलाड़ियों को प्रेरणा और प्रोत्साहन प्रदान करते हैं। हालांकि, हमारे प्रशंसकों का स्वास्थ्य और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी उपलब्ध विकल्पों पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, फैसला किया है कि सबसे सुरक्षित तरीका खाली स्टेडियम में दूसरा टेस्ट आयोजित करना है।

जिन प्रशंसकों ने पहले ही टिकट खरीद लिए हैं, उन्हें पूरी राशि वापस दी जाएगी। हालांकि हमें इससे होने वाली किसी भी असुविधा के लिए गहरा खेद है, लेकिन हम अपने प्रशंसकों को आश्वस्त चाहते हैं कि चल रहे स्टेडियम के नवीनीकरण का उद्देश्य उनके अनुभव को बेहतर बनाना है। बांग्लादेश की टीम मंगलवार सुबह लाहौर पहुंच चुकी है और 14-16 अगस्त तक गद्दाफी स्टेडियम में अभ्यास करेगी। इसके बाद मेहमान टीम 17 अगस्त को इस्लामाबाद जाएगी।मुकाबले से पहले 18-20 अगस्त तक टीम क्रिकेट स्टेडियम में अभ्यास सत्र में शामिल होगी। 2020 के बाद से यह बांग्लादेश का पहला पाकिस्तान दौरा है, जब उन्होंने लाहौर में तीन टी20 मैच और रावलपिंडी में एक टेस्ट मैच खेला था।

एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण का कार्यकाल एक वर्ष बढ़ेगा

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के कार्यकाल कम से कम एक वर्ष तक बढ़ाया जाएगा।

वीवीएस लक्ष्मण ने अटकलों को विराम देते हुए एनसीए प्रमुख के रूप में कार्यकाल बढ़ाने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। उनके साथ उनके सहयोगियों सितांशु कोटक, साईराज बहुतुले और ऋषिकेश कानितकर का भी कार्यकाल बढ़ाया जाएगा। वीवीएस का तीन साल का अनुबंध अगले महीने सितंबर में समाप्त हो रहा है।

एनसीए चिन्नास्वामी स्टेडियम में चलता है, लेकिन जल्द ही एनसीए के बड़े परिसर का उद्घाटन बेंगलुरू के बाहरी हिस्से में होने जा रहा है। इसकी नींव 2022 में रखी गई थी। इस कैंपस में 100 पिचें, 45 इनडोर पिचें, तीन अंतरराष्ट्रीय आकार के मैदान, एक आधुनिक रिहैब सेंटर और ओलंपिक साइज पूल होगा। इस नया एनसीए परिसर अगले साल से शुरू होने की संभावना है। इस बढ़े हुए कार्यकाल में लक्ष्मण की चुनौती इंडिया ए के दौरों को पुनर्जीवित करना है, जो कि पिछले दो सालों में शुरू और बंद होता आ रहा है।

स्वतंत्रता दिवस पर भारत और श्रीलंका के सैनिकों ने किया संयुक्त योगाभ्यास

मदुरू ओया (श्रीलंका), 15अगस्त (एजेंसियां)।

78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय और श्रीलंकाई सैन्य टुकड़ियों के जवानों ने संयुक्त योगाभ्यास कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

इस दौरान दोनों देशों के सैनिकों ने संयुक्त रूप से कई योगासन किए। इस अवसर पर नौसेना के कई अधिकारी भी मौजूद रहे।

दोनों देशों के बीच सैन्य अभ्यास मित्र शक्ति का 10वां संस्करण श्रीलंका के मदुरू ओया स्थित आर्मी ट्रेनिंग स्कूल में 12 अगस्त से चल रहा है। यह 25 अगस्त तक चलेगा।

बता दें, संयुक्त युद्धाभ्यास मित्र शक्ति एक वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है जो भारत और श्रीलंका के बीच दोनों देशों में बारी-बारी से किया जाता है। इस अभ्यास का पिछला संस्करण नवंबर 2023 में पुणे में आयोजित किया गया था। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र अधिदेश के तहत आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए दोनों देशों की संयुक्त सैन्य क्षमता को बढ़ाना है। इस बार यह अभ्यास अर्ध-शहरी में संचालन पर केंद्रित है।

न्यूजीलैंड के क्रिकेटर डेवोन कॉनवे और फिन एलन ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट ठुकराया

क्राइस्टचर्च, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट के अवसर को अस्वीकार कर दिया और एक अनौपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने गुरुवार को यह जानकारी

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि डेवोन कॉनवे को इस सप्ताह अफगानिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ विदेशी मुकाबलों के लिए न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम में चुना गया है। जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ छह सीमित ओ-वरों के मैचों को छोड़कर, उन्होंने अगले 12 महीनों में सभी अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए उपलब्धता की पुष्टि की है। बता दें कि कॉनवे और एलन दोनों को पिछले महीने कॉन्ट्रैक्ट सूची में शामिल किया गया था और अब इसमें बदलाव किया जाएगा।

33 वर्षीय यह खिलाड़ी हालांकि न्यूजीलैंड के आगामी सभी 9 टेस्ट मैचों के साथ-साथ फरवरी में पाकिस्तान में होने वाली आईसीसी ट्रॉफी और उससे पहले पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भी उपलब्ध रहेगा। कॉनवे को कॉन्ट्रैक्ट की पेशकश करने का निर्णय इस बात के बाद लिया गया कि बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने न केवल इस जनवरी के अलावा ब्लैककैप्स के लिए की प्रतिबद्धता जताई, बल्कि चैंपियंस ट्रॉफी से पहले महत्वपूर्ण अभ्यास मैचों के लिए उपलब्ध रहने और कार्यभार के मुद्दों को प्रबंधित करने के लिए ब्रेक लेने की बात कही। कॉनवे ने पुष्टि की कि जनवरी में दक्षिण अफ्रीका टी-20 के अगले चरण में खेलने का अवसर मिलना ही उनके क्रिकेट में बदलाव का कारण था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कॉनवे के हवाले से कहा, सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से पीछे हटने का फैसला मैंने जल्दबाजी में नहीं लिया है, लेकिन मेरा मानना है कि यह मेरे और मेरे परिवार के लिए इस समय सबसे अच्छा है। ब्लैककैप्स के लिए खेलना मेरे अभी भी प्राथमिकता है। उन्होंने आगे कहा, मैं आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र के महत्वपूर्ण दौर के लिए आगामी टेस्ट टीम का हिस्सा बनने को लेकर उत्साहित हूं। अगर मेरा चयन हुआ तो अगले साल फरवरी में पाकिस्तान में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में शामिल होने को लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं। इस बीच, शीर्ष क्रम के बल्लेबाज फिन एलन को अनौपचारिक समझौते की पेशकश नहीं की जाएगी, क्योंकि उन्होंने भी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट के विकल्प को अस्वीकार कर दिया है।

मोदी का विजन 2047 तक विकसित भारत की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करेगा : उद्योग जगत

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र के नाम संबोधन में किये गये आह्वानों पर टिप्पणी करते हुए उद्योग संगठन फिक्की के अध्यक्ष डॉ. अनीश शाह ने कहा, प्रधानमंत्री ने एक राष्ट्रीय विजन प्रस्तुत किया है, जिसमें ऐसे कदम शामिल हैं जो भारत के विकास को आकार देंगे, नवाचार को बढ़ावा देंगे और अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक नेता के रूप में हमारी स्थिति को बढ़ाएंगे।

उन्होंने कहा कि भारत के लिए प्रधानमंत्री का विजन हमारे समाज के सभी वर्गों की आकांक्षाओं को दर्शाता है और सभी भारतीयों को 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करेगा। डॉ. शाह ने कहा, प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में जिन विभिन्न क्षेत्रों को रेखांकित किया है, उनमें हमने भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदलने, स्वदेशी डिजाइन क्षमताओं को मजबूत करने, चिप और सेमीकंडक्टर जैसे उद्योग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता और तकनीकी आत्मनिर्भरता में सुधार करने के साथ-साथ गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता के लिए पहचाने जाने की आवश्यकता पर विशेष ध्यान दिया है।डॉ. शाह ने कहा, फिक्की का दृढ़ विश्वास है कि भारत को उच्च गुणवत्ता वाले राष्ट्र के रूप में देखा जाना चाहिए और हमारे उत्पादों को डिजाइन, स्थिरता और सेवा गुणवत्ता के मामले में दुनिया में कहीं भी देखे जाने वाले सर्वश्रेष्ठ उत्पादों से मेल खाना चाहिए। अब समय आ गया है कि भारतीय कंपनियां दुनिया को अपने उत्पादों के लिए एक बाजार के रूप में देखें और संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में अनुसंधान एवं विकास, नवाचार और डिजाइन पर ध्यान केंद्रित करके हम भारत से वैश्विक चैंपियन तैयार कर पाएंगे। फिक्की इस दृष्टिकोण को साकार करने और प्रधानमंत्री द्वारा दिखाई गई दिशा में आगे बढ़ने के लिए सरकार और उसके सदस्यों के साथ काम करना जारी रखेगा।उद्योग संगठन एसोचैम ने श्री मोदी के संबोधन में व्यक्त आशावाद को साझा करते हुए कहा कि भारत इंक 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के राष्ट्रीय संकल्प में सक्रिय भागीदार होगा। एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने कहा, प्रधानमंत्री में देश के लोगों से जुड़ने की अद्भुत क्षमता है। लाल किले की प्राचीर से उनका संबोधन 140 करोड़ भारतीयों के उत्साह को मजबूत करेगा और कृषि, विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा में प्रौद्योगिकी और नवाचार की मदद से उत्कृष्टता प्राप्त करने के राष्ट्रीय उद्देश्यों को साकार करेगा, ताकि अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में हमारे देश को आत्मनिर्भर बनाया जा सके।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा भारत के लोगों के जीवन को आसान बनाने के अपने संकल्प को व्यक्त करना आश्वस्त करने वाला है। न्यूनतम सरकारी हस्तक्षेप पर जोर, शासन में सुधार से राष्ट्र को हमारे लोगों, विशेष रूप से युवाओं की जन्मजात शक्ति का लाभ उठाने में मदद मिलेगी, जो मानव संसाधन का बहुमत बनाते हैं। नागरिकों की बेहतर जीवन जीने और राष्ट्रीय प्रगति में भाग लेने की आकांक्षाएं राष्ट्र के नाम प्रधानमंत्री के संबोधन का मूल है।उन्होंने कहा कि श्री मोदी द्वारा घोषित 75,000 नई मेडिकल सीटों की शुरूआत विकसित भारत के साथ-साथ स्वस्थ भारत बनाने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। श्री सूद ने कहा कि निवेश आकर्षित करने के लिए स्पष्ट नीतियां स्थापित करने के लिए राज्यों को शामिल करने की पहल निवेश-आधारित विकास को बढ़ाने के लिए एक दोहरी पहल होगी। सतत आर्थिक वृद्धि के लिए भारत के लक्ष्य की पुनरावृत्ति 2030 तक 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को गति प्रदान करती है। जलवायु परिवर्तन से निपटने के भारत के प्रयासों में हरित नौकरियों का महत्व भी एक दिशात्मक परिवर्तन है जो पर्यावरण संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

देश में...

य केंद्र सरकार के भी हैं, कर्तव्य केंद्र सरकार के हर मुलाजिम के भी हैं, कर्तव्य राज्य सरकारों के भी हैं, राज्य सरकार के मुलाजिम के हैं। उन्होंने कहा, देश की मांग है, कि अब देश में एक सेकुलर सिविल कोड हो, हमने कम्युनल सिविल कोड में 75 साल बिताएं हैं। अब हमें सेकुलर सिविल कोड की तरफ जाना होगा, और तब जाकर के देश में धर्म के आधार पर जो भेदभाव हो रहें हैं, सामान्य नागरिकों को दूरी महसूस होती है, उससे हमें मुक्ति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने राजनीति में परिवारवाद के प्रति गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, मैं देश में एक चिंता के बारे में हमेशा कहता हूं परिवारवाद, जातिवाद भारत के लोकतंत्र को बहुत नुकसान कर रहा है। देश को, राजनीति को हमें परिव-रवाद और जातिवाद से मुक्ति दिलानी होगी। हम जल्द से जल्द देश में राजनीतिक जीवन में, शुरूआत में जनप्रतिनिधि के रूप में एक लाख ऐसे नौजवानों को आगे लाना चाहते हैं जिनके परिवार में किसी की भी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि न हो।

प्रधानमंत्री ने कहा, बार-बार चुनाव, इस देश की प्रगति में रूकावट बन रहे हैं, गतिरोध पैदा कर रहे हैं। आज किसी भी योजना को चुनाव के साथ जोड़ देना आसान हो गया है। ऐसे में एक देश एक चुनाव के लिए देश को आगे आना होगा। हर काम को चुनाव के रंग से रंग दिया गया है। इस पर देश में व्यापक चर्चा हुई है। सभी राजनीति दलों ने अपने विचार रखे हैं। इस प्रसंग में एक कमेटी ने बहुत बढ़िया रिपोर्ट तैयार की है।

प्रधानमंत्री ने दोहराया, मैंने पहले भी कहा था कि मेरे तीसरे कार्यकाल में भारत देश विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनेगा ही, और मैं तीन गुना अधिक काम करूंगा। मैं देशवासियों को आह्वान करता हूं, हमारे पूर्वजों ने जो सपनें देखे थे, उन सपनों को हम संकल्प बनाएं, अपने सपनों को जोड़ें, अपने पुरुषार्थ को जोड़ें और 21वीं सदी जो भारत की सदी है, उस सदी में स्वर्णिम भारत बना करके रहें। हमने लोगों के जीवन में सरकार की दखल कम हो, उस दिशा में हमने डेढ़ हजार से ज्यादा कानूनों को खत्म कर दिया ताकि कानूनों के जंजाल के अंदर देशवासियों को फंसना न पड़े। सदियों से हमारे पास जो क्रिमिनल लॉ थे, आज हमने उसको नए क्रिमिनल लॉ जिसको हमने न्याय संहिता के रूप में और जिसके मूल में दंड नहीं, नागरिक को न्याय, इस भाव को हमने प्रबल बनाया है।

प्रधानमंत्री ने बिहार के गौरवपूर्ण इतिहास का जिक्र करते हुए कहा, अभी-अभी हमने नालंदा यूनिवर्सिटी का पुनर्निर्माण किया है। हमें शिक्षा के क्षेत्र में फिर से एक बार सदियों पुराने उस नालंदा स्पिरिट को जगाना होगा, उसे ले करके बड़े विश्वास के साथ विश्व की ज्ञान की परंपराओं को नई चेतना देने का काम हमें करना होगा। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि देश की कृषि व्यवस्था में बदलाव बहुत जरूरी है, यह समय की मांग है। हम बदलाव की दिशा में लगातार काम करते आए हैं। आसान ऋण दे रहे हैं, किसानों को, टेक्नोलॉजी की मदद दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने देश को आदिवासी क्रांतिकारी भगवान बिरसा मुंडा की याद दिलाते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती आ रही है। यह हम सबके लिए प्रेरणा का कारण बनें। समाज के प्रति छोटा सा छोटा व्यक्ति भी देश के लिए कैसे जज्बात रखता है उससे बड़ी प्रेरणा भगवान बिरसा मुंडा से कौन अधिक कौन हो सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा, हम संकल्प के साथ बढ़ तो रहे हैं, लेकिन यह भी सच है कि कुछ लोग होते हैं जो प्रगति देख नहीं सकते हैं, कुछ लोग होते हैं जो भारत का भला सोच नहीं सकते हैं, जब तक खुद का भला न हो, तब तक उनको किसी का भला अच्छा नहीं लगता है। ऐसे विकृत मानसिकता से भरे हुए लोगों की कमी नहीं होती है। देश को ऐसे लोगों से बचना होगा। आज वो शुभ घड़ी है, जब हम देश के लिए मर-मिटने वाले, देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले, आजीवन संघर्ष करने वाले, फांसी के तख्ते पर चढ़ करके भारत माँ की जय के नारे लगाने वाले अनगिनत आजादी के दीवानों को नमन करने का यह पर्व है। उनका पुण्य स्मरण करने का पर्व है। आजादी के दीवानों ने आज हमें आजादी के इस पर्व में स्वतंत्रता की सांस लेने का सौभाग्य दिया है। यह देश उनका ऋणी है। ऐसे हर महापुरूष के प्रति हम अपना श्रद्धाभाव व्यक्त करते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज जो महानुभाव राष्ट्र रक्षा के लिए और राष्ट्र निर्माण के लिए पूरी लगन से, पूरी प्रतिबद्धता के साथ देश की रक्षा भी कर रहे हैं, देश को नई ऊंचाई पर ले जाने का प्रयास भी कर रहे हैं। चाहे वो हमारा किसान हो, हमारा जवान हो, हमारे नौजवानों का हौसला हो, हमारी माता-बहनों का योगदान हों, दलित हो, पीड़ित हो, शोषित हो, वंचित हो अब हम लोगों के बीच भी स्वतंत्रता के प्रति उसकी निष्ठा, लोकतंत्र के प्रति उसकी श्रद्धा यह पूरे विश्व के लिए एक प्रेरक घटना है। मैं आज ऐसे सभी को आदरपूर्वक नमन करता हूं।

इस वर्ष और पिछले कुछ वर्षों से प्राकृतिक आपदा के कारण हम सबकी चिंता बढ़ती चली जा रही है। प्राकृतिक आपदा में अनेक लोगों ने अपने परिवारजन खोये हैं, सम्पत्ति खोई है, राष्ट्र ने भी बारम्बार नुकसान भोगा है। मैं आज उन सबके प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं और मैं उन्हें विश्वास दिलाता हूं, यह देश इस संकट की घड़ी में उन सबके साथ खड़ा है। हम जरा आजादी के पहले के वो दिन याद करें, सैकड़ों साल की गुलामी में हर कालखंड संघर्ष का रहा। युवा हो, बुजुर्ग हो, किसान हो, महिला हो, आदिवासी हो, वे गुलामी के खिलाफ जंग लड़ते रहे, अविरत जंग लड़ते रहे। इतिहास गवाह है कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम जिसको हम याद करते हैं, उसके पूर्व भी हमारे देश के कई आदिवासी क्षेत्र थे, जहां आजादी की जंग लड़ी जाती थी।

प्रधानमंत्री ने कहा, गुलामी का इतना लम्बा कालखंड, जुल्मी शासक, अपरंपार यातनाएं, सामान्य से सामान्य मानवीयों का विश्वास तोड़ने की हर तरकीबें, उसके बावजूद भी, उस समय की जनसंख्या के हिसाब से करीब 40 करोड़ देशवासी आजादी के पूर्व 40 करोड़ देशवासियों ने वो जज्बा दिखाया, वो सामर्थ्य दिखाया, एक सपना ले करके चले, एक संकल्प ले करके चलते रहे, जूझते रहे; एक ही स्वर था वंदे मातरम्, एक ही सपना था भारत की आजादी का। 40 करोड़ देशवासियों ने, और हमें गर्व है की हमारी रगों में उन्हीं का खून है। वो हमारे पूर्वज थे, सिर्फ 40 करोड़। 40 करोड़ लोगों ने दुनिया की महा सत्ता को उखाड़ करके फेंक दिया था, गुलामी की जंजीरों को तोड़ दिया था। अगर हमारे पूर्वज, जिनका खून हमारी रगों में है, आज हम तो 140 करोड़ हैं। अगर 40 करोड़ गुलामी की बेड़ियों को तोड़ सकते हैं, अगर 40 करोड़ आजादी के सपने को पूर्ण कर सकते हैं, आजादी ले करके रह सकते हैं तो 140 करोड़ देश के मेरे नागरिक, 140 करोड़ मेरे परिवारजन अगर संकल्प ले करके चल पड़ते हैं, एक दिशा निर्धारित करके चल पड़ते हैं, कदम से कदम मिलाकर, कंधे से कंधा मिलाकर अगर चल पड़ते हैं, तो चुनौतियां कितनी भी क्यों न हों, अभाव की मात्रा कितनी ही तीव्र क्यों न हो, संसाधनों के लिए जूझने की नौबत हो तो भी, हर चुनौती को पार करते हुए हम समृद्ध भारत बना सकते हैं। हम 2047 विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। अगर 40 करोड़ देशवासी अपने पुरुषार्थ से, अपने समर्पण से, अपने त्याग से, अपने बलिदान से आजादी दे सकते हैं, आजाद भारत बना सकते हैं तो 140 करोड़ देशवासी उसी भाव से समृद्ध भारत भी बना सकते हैं। एक समय था जब लोग देश के लिए मरने के लिए प्रतिबद्ध थे और आजादी मिली। आज ये समय है देश के लिए जीने की प्रतिबद्धता का। अगर देश के लिए मरने की प्रतिबद्धता आजादी दिला सकती है तो देश के लिए जीने की प्रतिबद्धता समृद्ध भारत भी बना सकती है।

लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, विकसित भारत 2047, ये सिर्फ भाषण के शब्द नहीं हैं, इसके पीछे कठोर परिश्रम चल रहा है। देश के कोटि-कोटि जनों के सुझाव लिए जा रहे हैं और हमने देशवासियों से सुझाव मांगे। और मुझे प्रसन्नता है कि मेरे देश के करोड़ों नागरिकों ने विकसित भारत 2047 के लिए अनगिनत सुझाव दिए हैं। हर देशवासी का सपना उसमें प्रतिबिंबित हो रहा है। हर देशवासी का संकल्प उसमें झलकता है। युवा हो, बुजुर्ग हो, गांव के लोग हों, किसान हों, दलित हों, आदिवासी हों, पहाड़ों में रहे वाले लोग हों, जंगल में रहने वाले लोग हों, शहरों में रहने वाले लोग हों, हर किसी ने 2047 में जब देश आजादी का 100 साल मनाएगा, तब तक विकसित भारत के लिए अनमोल सुझाव दिए हैं। और मैं जब इन सुझावों को देखता था, मेरा मन प्रसन्न हो रहा था, उन्होंने क्या लिखा, कुछ लोगों ने कहा कि दुनिया का स्किल कैपिटल बनाने का सुझाव हमारे सामने रखा। 2047 विकसित भारत के लिए कुछ लोगों ने भारत को मैन्युफैक्चरिंग का ग्लोबल हब बनाने का सुझाव दिया। कुछ लोगों ने भारत की हमारी यूनिवर्सिटीज ग्लोबल बने इसके लिए सुझाव दिया। कुछ लोगों ने ये भी कहा कि क्या आजादी के इतने सालों के बाद हमारा मीडिया ग्लोबल नहीं होना चाहिए। कुछ लोगों ने ये भी कहा कि हमारा स्किल्ड युवा विश्व की पहली पसंद बनना चाहिए। कुछ लोगों ने सुझाव दिया भारत को जल्द से जल्द जीवन के हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना चाहिए।

कई लोगों ने सुझाव दिया कि हमारे किसान जो मोटा अनाज पैदा करते हैं, जिसको हम श्रीअन्न कहते हैं, उस सुपर फूड को दुनिया के हर डाइनिंग टेबल पर पहुंचाना है। हमें विश्व के पोषण को भी बल देना है और भारत के छोटे किसानों को भी मजबूती देनी है। कई लोगों ने सुझाव दिया कि देश में स्थानीय स्वराज की संस्थाओं से लेकर के अनेक इकाइयां हैं, उन सबमें गर्वनेंस के रिफॉर्म्स की बहुत जरूरत है। कई लोगों ने लिखा कि न्याय के अंदर जो विलंब हो रहा है, उसके प्रति चिंता जाहिर की और ये भी कहा कि हमारे देश में न्याय व्यवस्था में रिफॉर्म्स की बहुत बड़ी जरूरत है। कई लोगों ने लिखा कि कई ग्रीन फील्ड सिटिज बनाने की अब समय की मांग है। किसी ने बढ़ती हुई प्राकृतिक आपदाओं के बीच शासन-प्रशासन में कैपेसिटी बिल्डिंग के लिए एक अभियान चलाने का सुझाव दिया।

बहुत सारे लोगों ने ये सपना भी देखा है कि अंतरिक्ष में भारत का स्पेस स्टेशन जल्द से जल्द बनना चाहिए। किसी ने कहा भारत की जो पारंपरिक ट्रेडिशनल मेडिसिन है, हमारी औषधि है, दुनिया जब आज हॉलिस्टिक हेल्थकेयर की तरफ जा रही है, तब हमें भारत की पारंपरिक औषधियाँ और वेलनेस हब के रूप में भारत को विकसित करना चाहिए। कोई कहता है कि अब देर नहीं होनी चाहिए, भारत अब जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनना चाहिए। मैं इसलिए पढ़ रहा था कि ये मेरे देशवासियों ने ये सुझाव दिए हैं। मेरे देश के सामान्य नागरिक ने ये सुझाव हमें दिए हैं। मैं समझता हूं कि जब देशवासियों की इतनी विशाल सोच हो, देशवासियों के इतने बड़े सपने हो, देशवासियों की इन बातों में जब संकल्प झलकते हों, तब हमारे भीतर एक नया संकल्प दृढ़ बन जाता है। हमारे मन में आत्मविश्वास नई ऊंचाई पर पहुंच जाता है और साथियों देशवासियों का ये भरोसा सिर्फ कोई बौद्धिक बहस नहीं है, ये भरोसा अनुभव से निकला हुआ है। ये विश्वास लंबे कालखंड के परिश्रम की पैदावार है और इसलिए देश का सामान्य मानवीय याद करता है जब लाल किले से कहा जाता है कि हिन्दुस्तान के 18 हजार गांवों में समय सीमा में बिजली पहुंचाएंगे और वो काम हो जाता है, तब भरोसा मजबूत हो जाता है। जब ये तय होता है कि आजादी के इतने सालों के बाद भी ढाई करोड़ परिवार ऐसे हैं, जहां बिजली नहीं है, वो अंधेरे में जिंदगी गुजारते हैं, ढाई करोड़ घरों में बिजली पहुंच जाती है। तब सामान्य मानवीय का भरोसा बढ़ जाता है। जब स्वच्छ भारत की बात कही जाए तभी देश के अग्रिम घरों के पंक्ति में बैठे हुए लोग हों, गांव के लोग हों, गरीब बस्ती में रहने वाले लोग हों, छोटे-छोटे बच्चे हों, हर परिवार के अंदर स्वच्छता का वातावरण बन जाए, स्वच्छता की चर्चा हो, स्वच्छता के संबंध में एक दूसरे को रोक टोकने का निरंतर प्रयास चलता रहे, मैं समझता हूं कि ये भारत के अंदर आई हुई नई चेतना का प्रतिबिंब है।जब देश के सामने लालकिले से कहा जाए कि आज हमारे परिवारों में तीन करोड़ परिवार ऐसे हैं जिनके घर में नल से जल मिलता है। आवश्यक है हमारे इन परिवारों को पीने का शुद्ध पानी पहुंचे । जल जीवन मिशन के तहत इतने कम समय में नए 12 करोड़ परिवारों को जल जीवन मिशन के तहत नल से जल पहुंच रहा है। आज 15 करोड़ परिवार इसके लाभार्थी बन चुके हैं। हमारे कौन लोग वंचित थे इन व्यवस्थाओं से? कौन पीछे रह गए थे? समाज के अग्रिम पंक्ति के लोग इसके लिए अभाव में नहीं जीते थे। मेरे दलित, मेरे पीड़ित, मेरे शोषित, मेरे आदिवासी भाई-बहन, मेरे गरीब भाई-बहन, मेरे झुग्गी-झोपड़ी में जिंदगी गुजारने वाले लोग, वही तो इन चीजों के अभाव में जी रहे थे। हमने अनेक ऐसे प्राथमिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए जो प्रयास किया और उसका परिणाम हमारे इन सारे समाज के बंधुओं को मिला है।

हमने वोकल फॉर लोकल का मंत्र दिया। आज मुझे खुशी है कि वोकल फॉर लोकल ने अर्थतंत्र के लिए एक नया मंत्र बन गया है। हर डिस्ट्रिक्ट अपनी पैदावर के लिए गर्व करने लगा है। एक जिला एक उत्पाद का माहौल बना है। अब एक जिला एक उत्पाद को एक जिले का एक निर्यातक उत्पाद कैसे बनाया जाए, उस दिशा में हर जिले सोचने लगे हैं। रिन्युएबल एनर्जी का संकल्प लिया था। जी-20 समूह के देशों ने जितना किया है उससे ज्यादा भारत ने किया है। और भारत ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए, ग्लोबल वार्मिंक की चिंताओं से मुक्ति पाने के लिए हमने काम किया है। देश गर्व करता है आज जब फिन्टेक की सफलताओं को लेकर पूरा विश्व भारत से कुछ सीखना समझना चाहता है। तब हमार गर्व और बढ़ जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा, हम कैसे भूल सकते हैं कोरोना के वो संकट काल। विश्व में सबसे तेज गति से करोड़ों लोगों को वैक्सिनेशन का काम हमारे इसी देश में हुआ। जब देश की सेना सर्जिकल स्ट्राइक करती है, जब देश की सेना एयर स्ट्राइक करती है तो उस देश के नौजवानों का सीना ऊंचा हो जाता है, तन जाता है, गर्व से भर जाता है। और यही बातें हैं जो आज 140 करोड़ देशवासियों का मन गर्व से भरा हुआ है, आत्मविश्वास से भरा हुआ है।

इन सारी बातों के लिए एक सुविचारित प्रयास हुआ है। रिफॉर्म की परंपरा को सामर्थ्य दिया गया है। नक्तर तरीकों को लेकर के और जब राजनीतिक नेतृत्व की संकल्प शक्ति हो, दृढ़ विश्वास हो, जब सरकारी मशीनरी उसको लागू करने के लिए समर्पण भाव से जुट जाती है और जब देश के हर नागरिक उस सपने को पूरा करने के लिए जनभागीदारी करने के लिए, जनआंदोलन बनाने के लिए आगे आता है। तब हमें निश्चित परिणाम मिलता ही रहता है। हम ये न भूलें कि इस देश उस परिस्थितियों से दशकों तक भी आजादी के बाद समय बिताया है। जब होती है, चलती है, अरे यार ये तो चलेगा, अरे हमें क्या मेहनत करने की जरूरत है, अरे मामला है अगली पीढ़ी देखेगी, हमको मौका मिला हे यार मौज कर लो। आगे वाला आगे का जाने हमें क्या करना है, हम अपना समय निकाल दें। अरे नया करने जाओगे कोई बवाल उठ जाए। पता नहीं क्यों देश में एक यथास्थिति (स्टेटस-को) का माहौल बन गया था। जो है उसी से गुजारा कर लो यही का माहौल बन गया था। और लोग तो कहते अरे भई छोड़ो अब कुछ होने वाला नहीं है। चलो ऐसा ही मन बन गया था। हमें इस मानसिकता को तोड़ना था, हमें विश्वास से भरना था और हमने उस दिशा में प्रयास किया। कई लोग तो कहते थे अरे भई अगली पीढ़ी के लिए काम हम अभी से क्यों करें, हम तो आज का देखें। लेकिन देश का सामान्य नागरिक ये नहीं चाहता था, वो बदलाव के इंतजार में था, वो बदलाव चाहता था, उसकी ललक थी। लेकिन उसके सपने को किसी ने तवज्जो नहीं दी, उसकी आशा, आकांक्षाओं, अपेक्षाओं को तवज्जो नहीं दी गई। और उसके कारण वो मुसीबतों को झेलते हुए गुजारा करता रहा। वो सुधार का इंतजार करता रहा। हमें जिम्मेदारी दी गई और हमने बड़े सुधार जमीन पर उतारे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, गरीब हो, मिडिल क्लास हो, हमारे वंचित लोग हों, हमारी बढ़ती जाती शहरी आबादी हो, हमारे नौजवानों के सपने हो, संकल्प हो, आकांक्षाएं हो, उनके जीवन में बदलाव लाने के लिए सुधार का मार्ग हमने चुना। और मैं देशवासियों को विश्वास दिलाना चाहता हूं, सुधार के प्रति हमारी जो प्रतिबद्धता है वो गुलाबी पन्नों पर संपादकीय के लिए सीमित नहीं है। हमारे सुधार की ये प्रतिबद्धता है। वो चार दिन की वाहवाही के लिए नहीं है। हमारी सुधार की प्रक्रिया किसी मजबूरी में नहीं है, देश को मजबूती देने के इरादे से है। और इसलिए मैं आज कह सकता हूं सुधार का हमारा मार्ग एक प्रकार से विकास की योजना (ब्लू-प्रिंट) बनी हुई है। ये हमारा सुधार ये विकास, ये बदलाव ये सिर्फ बौद्धिक बहस के लिए या चर्चा का विषय नहीं है। यह हमने राजनीतिक मजबूरी के कारण नहीं किया है। हम जो कुछ भी कर रहे हैं, वो राजनीति का भाग और गुणा करके नहीं सोचते हैं, हमारा एक ही संकल्प होता है, राष्ट्र प्रथम, राष्ट्रहित सुप्रीम। ये मेरा भारत महान बने इसी संकल्प को लेकर के हम कदम उठाते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, दुर्भाग्य से हमारे देश में आजादी तो मिली, लेकिन लोगों को एक प्रकार से माई-बाप संस्कृति से गुजरना पड़ा। सरकार के पास मांगते रहो, सरकार के आगे हाथ फैलाते रहो, किसी की सिफारिश के लिए रास्ते खोजते रहो, वही संस्कृति विकसित हुई थी। आज हमने गवर्नेंस के उस मॉडल को बदला है। आज सरकार खुद लाभार्थी के पास जाती है, आज सरकार खुद उसके घर गैस का चूल्हा पहुंचाती है, आज सरकार खुद उसके घर पानी पहुंचाती है, आज सरकार खुद उसके घर बिजली पहुंचाती है, आज सरकार खुद उसको आर्थिक मदद दे करके विकास के नये आयामों को तय करने के लिए प्रेरित करती है, प्रोत्साहित करती है, आज सरकार खुद नौजवान के कौशल विकास के लिए अनेक कदम उठा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों के प्रति आभार जताते हुए कहा, 60 साल बाद लगातार तीसरी बार आपने हमें देश सेवा का मौका दिया है। मेरे 140 करोड़ देशवासी आपने जो आशीर्वाद दिए हैं, उसके आशीर्वाद में मेरे लिए एक ही संदेश है जन-जन की सेवा, हर परिवार की सेवा, हर क्षेत्र की सेवा और सेवा भाव से समाज की शक्ति को साथ लेकर के विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचना। 2047 विकसित भारत के सपने को लकर के चलना उसी एक संदेश को लेकर मैं आज लालकिले की प्राचीर से हमें आशीर्वाद देने के लिए मैं कोटि-कोटि देशवासियों का सर झुकाकर के आभार व्यक्त करता हूं, मैं उनके प्रति नतमस्तक होता हूं। और मैं उनको विश्वास दिलाता हूं कि हमें नई ऊंचाइयों को, नए जोश के साथ आगे बढ़ना है। हमें सिर्फ जो हो गया है वो संतोष मानकर के बैठने वाले हम लोग नहीं हैं, वो हमारे संस्कार में नहीं है। हम कुछ और करने के लिए, कुछ और आगे बढ़ने के लिए और कुछ और नई ऊंचाइयों को पार करने के लिए हम आगे बढ़ना चाहते हैं। विकास को, समृद्धि को सपनों को साकार करने को, संकल्पों के लिए जीवन खपाने को हम अपना स्वभाव बनाना चाहते हैं, देशवासियों को स्वभाव बनाना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, बीते वर्षों में देश के हर क्षेत्र में महिलाओं के कदम बढ़ते जा रहे हैं। महिलाएं सिर्फ भागीदारी बढ़ा रही हैं ऐसा नहीं है, महिलाएं नेतृत्व दे रही हैं। आज अनेक क्षेत्रों में, आज हमारे रक्षा क्षेत्र में देखिए हमारा एयरफोर्स हो, हमारी आर्मी हो, हमारी नेवी हो, हमारा स्पेस सेक्टर हो, आज हमारी महिलाओं का हम दमखम देख रहे हैं, देश के लिए। लेकिन दूसरी तरफ कुछ चिंता की बातें भी आती हैं और मैं आज लाल किले से फिर से एक बार अपनी पीड़ा व्यक्त करना चाहता हूँ। एक समाज के नाते, हमे गंभीरता से सोचना होगा कि हमारी माताओं-बहनों बेटियों के प्रति जो अत्याचार हो रहे हैं, उसके प्रति देश का आक्रोश है। जन सामान्य का आक्रोश है। इस आक्रोश को मैं महसूस कर रहा हूं। इसको देश को, समाज को, हमारी राज्य सरकारों को गंभीरता से लेना होगा। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की जल्द से जल्द जांच हो। राक्षसी कृत्य करने वालों को जल्द से जल्द कड़ी सजा हो, वो समाज में विश्वास पैदा करने के लिए जरूरी है। मैं ये भी बताना चाहूंगा कि जब बलात्कार की महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं घटती हैं तो उसकी बहुत चर्चा होती है, बहुत प्रचार होता है, मीडिया में छाया रहता है। लेकिन जब ऐसे राक्षसी मनोवृत्ति व्यक्ति को सजा होती है, तो वो खबरों में कहीं नजर नहीं आती है, एक कोने में कहीं पड़ा रहता है। अब समय की मांग है कि जिनको सजा होती है उसकी व्यापक चर्चा हो ताकि ऐसा पाप करने वालों को भी डर पैदा हो कि ये पाप करने की हालत ये होती है कि फांसी पर लटकना पड़ता है और मुझे लगता है कि ये डर पैदा करना बहुत जरूरी है।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज हमारे साथ इस तिरंगे झंडे के नीचे वो नौजवान बैठे हैं, जिन्होंने ओलंपिक की दुनिया में भारत का परचम लहराया है। मैं मेरे देश के सभी एथलीट्स को, मैं देश के सभी खिलाड़ियों को 140 करोड़ देशवासियों की तरफ से बधाई देता हूं। और हम नए सपने, नए संकल्प अत्यधिक पुरूषार्थ के साथ नए लक्ष्यों को हासिल करने के लिए आगे बढ़ेंगे, ऐसा मैं विश्वास के साथ उनको शुभकामनाएं भी देता हूं। आने वाले कुछ दिनों में भारत का एक बहुत बड़ा दस्ता पैरालंपिक के लिए, पेरिस जाने के लिए रवाना होगा। मैं, मेरे सभी पैरालंपिक खिलाड़ियों को भी ह्दय से बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

प्रधानमंत्री ने जी-20 में भारत के प्रभावशाली नेतृत्व की चर्चा करते हुए कहा, भारत ने जी-20 को ऑर्गेनाइज किया, हिन्दुस्तान के अनेक शहरों में ऑर्गेनाइज किया। 200 से ज्यादा शींशपीं किए, पूरे विश्व में जी-20 का इतना बड़ा व्यापक कार्यक्रम कभी नहीं हुआ, इस बार हुआ। इसने एक बात सिद्ध कर दी है कि भारत में बड़े से बड़े काम कार्यक्रम को आयोजित करने की ताकत है। हिंदुस्तान का सपना है कि 2036 में जो ओलंपिक होगा, वो मेरे हिंदुस्तान की धरती पर हो, इसके लिए हम तैयारी कर रहे हैं, उसके लिए हम आगे बढ़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने देश के सामने खड़ी चुनौतियों का हवाला देते हुए कहा, हमारे समक्ष अनगिनत चुनौतियां हैं, अंदरूनी भी है और बाहरी भी। मैं ऐसे तत्वों को कहना चाहता हूं भारत का विकास किसी के लिए संकट ले कर नहीं आता है। हम विश्व में समृद्ध थे तब भी, हमने कभी दुनिया को युद्ध में नहीं झोंका है। हम बुद्ध के देश हैं, युद्ध हमारी राह नहीं है। और इसलिए विश्व चिंतित न हो, भारत के आगे बढ़ने से मैं विश्व समुदाय को विश्वास दिलाता हूं कि आप भारत के संस्कारों को समझिए, भारत के हजारों साल के इतिहास को समझिए, आप हमें संकट मत मानिए, आप उन तरकीबों से न जुड़िए, जिसके कारण पूरी मानव जाति का कल्याण करने का सामर्थ्य जिस भूमि में है, उस भूमि को ज्यादा मेहनत करनी पड़े। लेकिन फिर भी मैं देशवासियों को कहना चाहता हूं, चुनौतियां कितनी ही क्यों न हों, चुनौती को चुनौती देना, ये हिन्दुस्तान की फितरत में है। न हम डिगेंगे, न हम थकेंगे, न हम रुकेंगे, न हम झुकेंगे। हम संकल्पों की पूर्ति के लिए 140 करोड़ देशवासियों का भाग्य बदलने के लिए, भाग्य सुनिश्चित करने के लिए, राष्ट्र के सपनों को साकार करने के लिए हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। हर बदनीयत वालों को हम हमारी नेकनीयत से जीतेंगे, ये मैं विश्वास देता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा, समाज की मनोरचना में भी बदलाव कभी-कभी बहुत बड़ी चुनौती का कारण बन जाता है। हमारा हर देशवासी भ्रष्टाचार की दीमक से परेशान रहा है। हर स्तर के भ्रष्टाचार ने सामान्य मानवी का व्यवस्थाओं के प्रति विश्वास तोड़ दिया है। उसको अपनी योग्यता, क्षमता के प्रति अन्याय का जो गुस्सा होता है, वो राष्ट्र की प्रगति में नुकसान करता है। और इसलिए मैंने व्यापक रूप से भ्रष्टाचार के खिलाफ एक जंग छेड़ी है। मैं जानता हूं, इसकी कीमत मुझे चुकानी पड़ती है, मेरी प्रतिष्ठा को चुकानी पड़ती है, लेकिन राष्ट्र से बड़ी मेरी प्रतिष्ठा नहीं हो सकती है, राष्ट्र के सपनों से बड़ा मेरा सपना नहीं हो सकता है। और इसलिए ईमानदारी के साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ मेरी लड़ाई जारी रहेगी, तीव्र गति से जारी रहेगी और भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई जरूर होगी। मैं भ्रष्टाचारियों के लिए भय का वातावरण पैदा करना चाहता हूं ताकि देश के सामान्य नागरिक को लूटने की जो परम्परा रही है, उस परम्परा को मुझे रोकना है। लेकिन सबसे बड़ी नई चुनौती आई है, भ्रष्टाचारियों से निपटना तो है ही, लेकिन समाज जीवन में उच्च स्तर पर एक जो परिवर्तन आया है वो सबसे बड़ी चुनौती भी है और एक समाज के लिए सबसे बड़ी चिंता भी है। क्या कोई कल्पना कर सकता है कि मेरे ही देश में, इतना महान संविधान हमारे पास होने के बावजूद भी कुछ ऐसे लोग निकल रहे हैं जो भ्रष्टाचार का महिमामंडन कर रहे हैं। खु-लेआम भ्रष्टाचार का जय-जयकार कर रहे हैं। समाज में इस प्रकार के बीज बोने का जो प्रयास हो रहा है, भ्रष्टाचार का जो महिमामंडन हो रहा है, भ्रष्टाचारियों की स्वीकार्यता बढ़ाने का जो निरंतर प्रयास चल रहा है, वो स्वस्थ समाज के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन गया है, बहुत बड़ी चिंता का विषय बन गया है, भ्रष्टाचारियों के प्रति, समाज में दूरी बनाए रखने से ही किसी भी भ्रष्टाचारी को उस रास्ते पर जाने से डर लगेगा। अगर उसका महिमामंडन होगा, तो जो आज भ्रष्टाचार नहीं करता है, उसको भी लगता है कि ये तो समाज में प्रतिष्ठा का रंग बन जाता है, उस रास्ते पर जाने में बुरा नहीं है।प्रधानमंत्री ने कहा, बांग्लादेश में जो कुछ भी हुआ है, उसको लेकर पड़ोसी देश के नाते चिंता होना, मैं इसको समझ सकता हूं। मैं आशा करता हूं कि वहां पर हालात जल्द ही सामान्य होंगे। खासकर के 140 करोड़ देशवासियों की चिंता कि वहां हिंदू, वहां के अल्पसंख्यक, उस समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित हो। भारत हमेशा चाहता है कि हमारे पड़ोसी देश सुख और शांति के मार्ग पर चलें। शांति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है, हमारे संस्कार हैं। हम आने वाले दिनों में बांग्लादेश की विकास यात्रा में हमेशा हमारा शुभ चिंतन ही रहेगा क्योंकि हम मानव जाति की भलाई सोचने वाले लोग हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे देश में सुप्रीम कोर्ट में बार बार युनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर चर्चा की है। अनेक बार आदेश दिए हैं क्योंकि देश का एक बहुत बड़ा वर्ग मानता है और इसमें सच्चाई भी है कि जिस सिविल कोड को हम लेकर जी रहे हैं वह सिविल कोड सचमुच में तो एक प्रकार का कम्युनल सिविल कोड है, भेदभाव करने वाला सिविल कोड है। ऐसे सिविल कोड से जब संविधान के 75 वर्ष मना रहे हैं और संविधान की भावना भी जो हमें कहती है करने के लिए, देश की सुप्रीम कोर्ट भी हमें कहती है करने के लिए और तब जो संविधान निर्माताओं का सपना था, उस सपने को पूरा करना हम सब का दायित्व है और मैं मानता हूं कि इस गंभीर विषय पर देश में चर्चा हो, व्यापक चर्चा हो। हर कोई अपने विचारों को लेकर के आए और कानूनों को जो कानून धर्म के आधार पर देश को बांटते हैं, जो ऊंच-नीच का कारण बन जाते हैं, ऐसे कानूनों का आधुनिक समाज में कोई स्थान नहीं सकता है और इसलिए मैं तो कहूंगा, अब समय की मांग है, अब देश में एक सेकुलर सिविल कोड हो, हमने कम्युनल सिविल कोड में 75 साल बिताए हैं। अब हमें सेकुलर सिविल कोड की तरफ जाना होगा, और तब जाकर के देश में धर्म के आधार पर जो भेदभाव हो रहें है, सामान्य नागरिकों को दूरी महसूस होती है, उसमें हमें मुक्ति मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा, देश तय करके चले कि आने वाले दिनों में एक लाख ऐसे नौजवान जिनका परिवार राजनीति से दूर-दूर का संबध नहीं है ऐसे ताजा तरीन लोग आएंगे, तो सोच भी नई आएगी, सामर्थ्य भी नया आएगा। लोकतंत्र समृद्ध होगा और इसलिए हमें इस दिशा में आगे होना है और मैं चाहूंगा कि देश में बार-बार चुनाव, इस देश की प्रगति में रूकावट बन रहे हैं, गतिरोध पैदा कर रहे हैं। आज कोई भी योजना को चुनाव के साथ जोड़ देना आसान हो गया है। क्योंकि हर तीन महीने छह महीने कहीं न कहीं चुनाव चल रहा है। कोई भी योजना जाहिर करोगे आप तो मीडिया में देखेंगे चुनाव आया तो फलाना हो गया, चुनाव आया तो फलाना हो गया। हर काम को चुनाव के रंग से रंग दिया गया है। और इसलिए देश में व्यापक चर्चा हुई है। सभी राजनीति दलों ने अपने विचार रखे हैं। एक कमेटी ने बहुत बढ़िया अपना रिपोर्ट तैयार की है। एक देश एक चुनाव के लिए देश को आगे आना होगा। मैं लाल किले से तिरंगे की साक्षी में देश के राजनीतिक दलों से आग्रह करता हूं, देश के संविधान को समझने वाले लोगों से आग्रह करता हूं कि भारत की प्रगति के लिए भारत के संसाधनों का सर्वाधिक उपयोग जनसामान्य के लिए हो उसके लिए एक देश एक चुनाव के सपने को साकार करने के लिए हमें आगे आना चाहिए।

बांग्लादेशी हिंदुओं...

उन्होंने कहा कि भारत में दूसरों की मदद करने की परंपरा रही है। यह हमने पिछले कुछ वर्षों में देखा है। भारत ने कभी किसी पर हमला नहीं किया। बल्कि मुसीबत में फंसे लोगों की मदद की, भले ही वे हमारे साथ कैसा व्यवहार करें। इस स्थिति में हमें यह देखना होगा कि हमारा देश सुरक्षित रहे। साथ ही अन्य देशों की मदद भी करे। उन्होंने कहा, लोगों को अस्थिरता और अराजकता के कारण किसी तरह की परेशानी, अन्याय और अत्याचार का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करना हमारे देश की जिम्मेदारी है। कुछ मामलों में सरकार को अपने स्तर पर देखना होता है। लेकिन उसे ताकत तभी मिलती है, जब समाज अपनी जिम्मेदारी को पूरा करता है और देश के प्रति प्रतिबद्धता दिखाता है।

शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद से अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के लोगों पर कथित तौर पर हमले हो रहे हैं। बांग्लादेश के राष्ट्रीय हिंदू महागठबंधन ने दावा किया कि हसीना के पद से हटने के बाद से अल्पसंख्यक समुदाय को 48 जिलों में 278 जगहों पर हमलों और धमकियों का सामना करना पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों की टीम पिछले हफ्ते शेख हसीना के इस्तीफे से पहले और उसके बाद प्रदर्शनकारियों की हत्याओं की जांच के लिए जल्द ही बांग्लादेश का दौरा करेगी।

ओलंपिक में...

भारत की ओर से पेरिस ओलंपिक में 117 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। भारत पेरिस ओलंपिक में एक रजत और पांच कांस्य सहित छह पदक लाने में सफल रहा था। भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा पीएम मोदी से मुलाकात करने गए खिलाड़ियों में शामिल नहीं थे, क्योंकि वह अब तक स्वदेश नहीं लौटे हैं। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज ग्रोइन चोट की समस्या के कारण मेडिकल सलाह लेने के लिए जर्मनी में हैं। प्रधानमंत्री से मुलाकात कर ये खिलाड़ी काफी खुश हुए। हॉकी टीम के सदस्य मनदीप सिंह और महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने पीएम के साथ मुलाकात के अपने अनुभव साझा किए। कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने टीम की ओर से पीएम मोदी को हॉकी स्टिक भेंट की जिस पर सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर थे।

तब तिरंगे में...

वीर सपूत कैप्टन दीपक सिंह जी को कोटिशः नमन। मां भारती की सेवा में आपका ये बलिदान सदैव युवाओं में राष्ट्रभक्ति का संचार करता रहेगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि पुण्यात्मा को श्रीचरणों में स्थान दे और शोक संतप्त परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करे।वीरगति को प्राप्त हुए कैप्टन दीपक सिंह को पुलिस मुख्यालय में श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान डीजीपी अभिनव कुमार और मुख्यालय का स्टाफ शामिल रहा। डीजीपी अभिनव कुमार ने कहा कि कैप्टन दीपक सिंह का यह सर्वोच्च बलिदान देश ही नहीं उत्तराखंड पुलिस परिवार के लिए भी अपूरणीय क्षति है। इस दुःखद क्षण में समस्त उत्तराखंड पुलिस परिवार कैप्टन दीपक सिंह के पिता महेश सिंह के साथ खड़ा है। महेश सिंह डीजीपी के गोपनीय सहायक के रूप में नियुक्त रहे। 30 अप्रैल 2024 को वे सेवानिवृत्ति हुए हैं।

रक्षाबंधन से पहले बहनें अभी राखियां चुन ही रहीं थीं कि लाडले भाई के बलिदान ने उन्हें तोड़कर रख दिया। पिता महेश सिंह पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हुए हैं तो पूरा पुलिस परिवार शोक में डूबा है। आस-पड़ोस का हर व्यक्ति कैप्टन दीपक सिंह की यादों में डूबकर आंसू बहा रहा है। कैप्टन दीपक सिंह के घर बीते चार महीनों से खुशियों का माहौल था। चार महीने पहले उनकी एक बहन की शादी हुई थी। शादी में शामिल होने के लिए भाई दीपक सिंह भी देहरादून आए थे। इसके बाद अब चंद दिन पहले ही बड़ी बहन के घर बेटी ने जन्म लिया।

बेटी की इन खुशियों में शामिल होने के लिए ही उनके पिता और मां कोच्चि (केरल) गए हुए थे। कैप्टन दीपक सिंह के बलिदान होने की खबर उन्हें वहीं पर मिली। खबर सुनते ही बलिदानी के पिता महेश सिंह रात की फ्लाइट से देहरादून के लिए रवाना हो गए हैं। महीनों से चल रहा खुशियों का सिलसिला रक्षाबंधन से ठीक पांच दिन पहले थम गया।

शनि का कौन सा 'पाया' सबसे खतरनाक?

सोना, चांदी, तांबा या लोहा

शनि देव का स्वभाव निराला है। ज्योतिष ग्रंथों में शनि देव को एक क्रूर ग्रह के तौर पर बताया गया है। लेकिन ऐसा नहीं है। शनि सबपर अपना गुस्सा दिखाते हैं, ऐसा कतई नहीं है। इसलिए शनि स्वभाव को समझना बहुत ही जरूरी है।

शनि की महादशा, साढ़े साती और ढैय्या के बारे में तो सभी ने सुना होगा। लेकिन क्या आपने शनि के 'पाया' के बारे में सुना है, नहीं तो यहां पर आपको इसके बारे में बताते हैं-

शनि की सबसे धीमी है, यही कारण है एक राशि में दोबारा आने में लगभग 30 वर्ष का समय लगता है। वहीं एक राशि से दूसरी राशि में जाने में ये लगभग ढाई वर्ष का समय लेते हैं। जिस प्रकार से शनि के गोचर यानि राशि परिवर्तन के महत्वपूर्ण गया है उसी प्रकार से शनि के पाया को भी विशेष माना गया है। क्योंकि इसके भी शुभ-अशुभ फल होते हैं।

शनि का पाया कैसे पता लगाएं

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब शिशु का जन्म होता है तो उस समय ग्रहों गणना करने पर कुंडली में राशि से शनि जिस भाव में स्थित होते हैं, उसी के मुताबिक उसका पाया तय होता है। बच्चे के जन्म कुण्डली में चन्द्रमा तथा शनि को आधार बनाकर शनि के पाया तथा पाया के फलों का निर्धारण किया जाता है।

वहीं कुंडली में जन्म की राशि से देव जिस भी भाव में विराजमान होते हैं, उसके अनुसार शनि का पाया (पाद) का विचार किया जाता है।

ज्योतिष अनुसार शनि गोचर में किसी व्यक्ति की जन्म राशि से 1, 6, 11 भाव में भ्रमण करते है। तो शनि के पाद स्वर्ण के माने जाते है। फिर जन्म राशि से 2, 5, 9 वें भाव में गोचर करते है। तो रजत (चांदी) पाया व शनि का गोचर जन्म राशि से 3, 7, 10 वें भाव में होने पर ताम्रपाद (तांबा) कहलाते है। इसके अतिरिक्त शनि का जन्म राशि से 4, 8, 12 वें भाव में होना लोहे के पाद कहलाते है। इसके अतिरिक्त इसकी गणना करने के अन्य मत भी हैं।

शनि के चार पाये कौन-कौन से हैं

1 सोने का पाया
2 चांदी का पाया
3 तांबे का पाया
4 लोहे का पाया

शनि के 'पाया' काल में मिलने वाला शुभ-अशुभ फल

सोने का पाया : कुंडली के 1, 6 और 11वें भाव में जब शनि गोचर करें तो सोने का पाया कहा जाता है। इसमे व्यक्ति को सभी प्रकार के सुख प्राप्त होते हैं। ऐसा व्यक्ति लोकप्रिय होता है। धन की कमी नहीं रहती है। व्यक्ति अच्छे कार्य करने वाला होता है।

चांदी का पाया : शनि कुंडली में 2, 5 और 9 वें भाव में हो तो यह चांदी का पाया कहलाता है। ये शुभ फल देने वाला बताया गया है। ऐसे व्यक्ति की लाइफस्टाइल बेहद लग्जरी होती है। ऐसा व्यक्ति कुशल और शौकीन होता है।

तांबे का पाया : 3, 7, 10वें भाव में शनि हो तो इस स्थिति को तांबे का पाया कहा जाता है। ये व्यक्ति को मिले जुले फल प्रदान करता है। व्यक्ति जितना परिश्रम करता है, उतना उसे फल मिलता है। ऐसे व्यक्ति को हर स्थिति में प्रसन्न रहना चाहिए।

लोहे पाया : कुंडली के 4, 8 और 12वें भाव में शनि विराजमान हों, तो इसे लोहे का पाया कहते हैं।ऐसा व्यक्ति बेहद परिश्रमी होता है। लोहे पाया जिन लोगों की कुंडली में हो वे नियम और अनुशासन जीवन यापन करें तो उन्हें कष्ट नहीं होता है। ऐसे को कठोर परिश्रम करना चाहिए और आलास बिल्कूल भी नहीं करना चाहिए।

सावन का आखिरी शुक्रवार क्यों है खास?

इस साल सावन का महीना अब अंत की ओर है। 19 अगस्त 2024 को सावन पूर्णिमा पर श्रावण की समाप्त हो जाएगी। भोलेनाथ को समर्पित का हर दिन बेहद शुभ और लाभकारी माना जाता है।

मान्यता है कि सावन के आखिरी शुक्रवार पर जो देवी लक्ष्मी की पूजा, पाठ, मंत्र जाप करते हैं उन्हें जीवन में कभी धन की कमी नहीं होती है। दांपत्य जीवन में सुख बढ़ता है। आइए जानते हैं का आखिरी शुक्रवार क्यों खास माना गया है, इस दिन कौन सा व्रत करते हैं।

सावन का आखिरी शुक्रवार 16 अगस्त 2024 को किया जाएगा। सावन का इस शुक्रवार को वरलक्ष्मी व्रत किया जाएगा। इस दिन लक्ष्मी को प्रसन्न करने वालों को शुक्र ग्रह की कृपा प्राप्त होती है।

आर्थिक तंगी को दूर करने के लिए सावन का शुक्रवार बहुत प्रभावशाली माना जाता है। इस दिन भोलेनाथ के साथ मां लक्ष्मी की पूजा करना बहुत शुभ माना जाता सावन के आखिरी शुक्रवार को वरलक्ष्मी व्रत किया जाता है। दक्षिण भारत में ये दिन दिवाली की तरह मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन देवी लक्ष्मी की उपासना करने से सुख, सौभाग्य, सफलता, सौंदर्य मिलता है।

वरलक्ष्मी व्रत की पूजा विधि

वरलक्ष्मी व्रत के दिन सुबह जल्दी स्नान आदि करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें। इसके बाद मंदिर को गंगाजल से शुद्ध करें।

एक चौकी पर लाल रंग का कपड़ा बिछाएं और मां लक्ष्मी व भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित करें।

पूजा करते समय भगवान की मूर्ति के दाएं तरफ थोड़े से चावल रखें और उस पर से भरा कलश रखें।

इसके बाद कलश पर कलावा बांधें और स्वास्तिक बनाएं। फिर, मां लक्ष्मी और भगवान गणेश जी की सभी पूजन सामग्री अर्पित करें।

देवी को सुहाग का सामान अर्पित करें रऔर भोग लगाएं। कथा सुनने के बाद आरती करें और खीर का भोग कन्याओं में बांटे।

काला जादू या टोने-टोटके का सामान चौराहे पर रखा हो तो क्या करें?

कई बार सड़क के किनारे पर कुछ टोटके करके चीजों को रखा जाता है। जिनपर पैर रखना अशुभ होता है। कहते हैं ये काला जादू भी हो सकता है। सड़क पर इन चीजों को भूलकर भी न छुएं।

रास्ते में कोई मृत पशु दिखे तो अपनी दिशा बदल दें। इससे भी निगेटिविटी निकलती है, जो पार करने वाले जातक के शरीर के स्वास्थ्य पर सीधा असर डालती है।

सड़क पर कहीं नींबू मिर्च पड़ी दिखाई दे तो भूलकर भी उस पैर नहीं रखें, न ही इसे लांघना चाहिए। आमतौर पर नींबू मिर्च से लोग नजर उताकर चौराहे पर फेंक देते हैं। ये बुरी शक्तियों से बचने के लिए किया जाता है।

वास्तु के अनुसार बालों का गुच्छा भी सड़क पर पड़ा दिखे तो इसे लांघना नहीं चाहिए। कहते हैं राहु का प्रभाव होता है। इनको छून से पैर लगाने से जीवन संकटों में घिर सकता है। बालों के गुच्छे से काला जादू भी किया जाता है।

काले या लाल कपड़े की पोटली चौराहे या रास्ते में कहीं दिखाई दे तो इसे पैर न लगाएं। साइड से निकल जाएं, इस तरह की पोटली से नजर उतारकर चौराहे पर फेंक दी जाती है। कहते हैं इन्हें छूने से नकारात्मक ऊर्जा हमारे जीवन में परेशानी ला सकती है।

हिंदू मान्यता के अनुसार अक्सर लोग चौराहों में अपने पितरों के लिए खाना रख देते हैं। ऐसे में इन चीजों से दूरी रखनी चाहिए।

फटे-पुराने कपड़ों में नकारात्मक ऊर्जा होती है। ऐसे में अगर रास्ते में ये आपको दिखे तो भूलकर भी इन्हें लांघे नहीं। इससे

क्या सच में कोई किसी पर कर सकता है जादू टोना, प्रेमानंद महाराज ने दिया जवाब

कई लोग जादू-टोने में विश्वास रखते हैं। माना जाता है कि कि जादू-टोने से किसी का फायदा और नुकसान किया जा सकता है। जादू-टोने को सामान्य तौर पर तांत्रिक क्रिया से जोड़कर देखा जा सकता है।

तंत्र शास्त्र के अनुसार, किसी के जीवन में लगातार सकारात्मक, मानसिक तनाव या भय, आने लगता है, तो माना जाता है कि उस पर किसी ने जादू-टोना किया जा सकता है। हालांकि, इसको लेकर अलग-अलग मत है। कई कथावाचकों ने भी जादू-टोने पर अपने मत रखे हैं। क्या किसी पर जादू-टोना करवाया जा सकता है, इस पर प्रेमानंद महाराज ने भी अपने विचार रखे हैं।

क्या कहते हैं कि प्रेमानंद महाराज

प्रेमानंद महाराज कहते हैं कि हमे जब दुख भोगना होता है तो हमारी बुद्धि हमें धोखा दे देती है, लगता है कि किसी ने हमें कुछ कर दिया है और यदि कोई इसका सपोर्ट कर दे, तो परेशानी होने लगती है।

प्रेमानंद महाराज ने कहा कि अगर आपका कर्म खराब है तो हर जगह परेशानी आएगी। मसान में भी कहीं कोई भूत नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि नाम जब करने और भगवान का स्मरण करने से सब ठीक हो जाता है।

24 घंटे में अमीर बनने के योग बनाता है ये रत्न

धारण करते ही बनने लगते हैं शुभ योग, जानें इसके फायदे

ज्योतिष शास्त्र की तरह रत्न शास्त्र का भी व्यक्ति की जिंदगी में विशेष महत्व है। कुंडली में अशुभ और कमजरो ग्रहों को मजबूत करने और शुभ फलों की प्राप्ति के लिए रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। रत्न शास्त्र में ऐसे बहुत से ग्रह हैं, जिन्हें धारण करने पर व्यक्ति के जीवन में कई तरह की समस्याओं का अंत होता है। रत्न शास्त्र में कई ऐसे रत्नों का जिक्र किया गया है, जिन्हें नियमपूर्वक धारण करने पर व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति होती है। और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

अगर किसी जातक की कुंडली में शनि कमजोर स्थिति में है और शुभ फलों की प्राप्ति के लिए रत्न शास्त्र में नीलम रत्न के बारे में बताया गया है। ये एक ऐसा रत्न है, जिसे अगर विधिपूर्वक धारण किया जाए, तो ये 24 घंटे में असर दिखाता है। लेकिन ऐसा कहा जाता है कि अगर नीलम सूट कर जाता है तो व्यक्ति की किस्मत रातोंरात बदल जाती है। वहीं, सूट न करने पर व्यक्ति को बर्बाद होने में भी देर नहीं लगती। नीलम रत्न धारण करने से पहले जान लें ये जरूरी नियम।

नीलम धारण करने के फायदे

नीलम रत्न धारण करने से सिर्फ व्यक्ति को आर्थिक तंगी से ही

छुटकारा नहीं मिलता बल्कि अनिद्रा की शिकायत होने पर भी नीलम रत्न धारण किया जा सकता है। नीलम रत्न धारण करने से व्यक्ति धैर्यवान बनता है, अटके हुए कार्य पूरे होते हैं। इतना ही नहीं, इसे धारण करने से व्यक्ति के मान-सम्मान में बढ़ोतरी होती है।

नीलम धारण करने की सही विधि

रत्न ज्योतिष शास्त्र के अनुसार नीलम रत्न कम से कम 7 से लेकर सवा 8 रत्ती का रत्न धारण किया जाता है। बता दें कि शुभ फलों के लिए नीलम पंचधातु में जड़वाकर अंगूठी में पहना जाता है। ये रत्न बायं हाथ में धारण करना चाहिए। इतना ही नहीं, इसे शनिवार की मध्य रात्रि में धारण करना उपयुक्त रहता है। इसे पहनने से पहले अंगूठी को गंगाजल और गाय के कच्चे दूध से शुद्ध जरूर कर लें। बता दें कि नीलम धारण करने के बाद शनि ग्रह से संबंधित वस्तुएं जैसे- काला कपड़ा, सरसों का तेल, लोहा, काले तिल, साबुत उड़द, अलसी, काले फूल, कस्तूरी, चमड़ा और काले कंबल आदि का दान करना चाहिए। रत्न ज्योतिष के अनुसार नीलम रत्न मकर और कुंभ राशि वालों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है। बता दें कि इन दो राशियों पर शनि का आधिपत्य होता है। अगर किसी जातक की कुंडली में शनि कमजोर स्थिति में है, तो नीलम रत्न धारण करके उनकी शक्तियों को बढ़ाया जा सकता है। ज्योतिषीयों के अनुसार कुंडली में चौथे, पांचवे, दसवें और ग्याहरवें भाव में शनि के होने पर नीलम पहनने से बहुत लाभ मिलता है। नीलम के साथ मूंगा, माणिक और मोती पहनने से आपको भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

सालों बाद टीवी पर वापसी करेगी ये नागिन

विलेन बनकर करेगी सबकी नाक में दम

टीवी की कई नागिनें ऐसी हैं जो कि गायब हो चुकी हैं। इस लिस्ट में एक नाम अनीता हसनंदानी का भी आता है। हालांकि अनीता हसनंदानी ने टीवी पर कमबैक करने का फैसला कर लिया। जल्द ही अनीता हसनंदानी सीरियल सुमन सिंदूरी नाम के शो में नजर आने वाली हैं। बता दें अनीता हसनंदानी एक तानाशाही बहू बनकर वापसी करने वाली हैं। इस रोल को निभाने के लिए अनीता हसनंदानी ने अपना वजन भी कम किया है। अनीता हसनंदानी के साथ साथ जैन ईमाम भी टीवी दुनिया में धमाल मचाने के के लिए आ रहे हैं। इस शो में जैन ईमाम, अनीता हसनंदानी के देवर बनने वाले हैं। अपने नए शो में अनीता हसनंदानी विलेन बनने वाली है जिससे सबको डर लगता है। नागिन और ये है मोहब्बतें में भी अनीता हसनंदानी ने निगेटिव किरदार निभाया सिंदूरी के प्रोमो में अनीता हसनंदानी अपने पति और सास ससुर पर हुक्म चलाती नजर आ रही हैं। अब तक भी लोगों ने अनीता हसनंदानी का ये अंदाज नहीं देखा है।अब अनीता हसनंदानी के नए लुक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। लोग अनीता की वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

बता दें बीते कई सालों से अनीता हसनंदानी ब्रेक पर चल रही थीं। कोरोना वायरस लॉकडाउन के दौरान अनीता हसनंदानी ने एक बेटे को जन्म दिया था।माना जा रहा है कि अनीता हसनंदानी की वापसी से सीरियल अनुपमा की रेटिंग गिरने का खतरा गया है। लोगों को अनीता हसनंदानी का ये अंदाज पसंद आ रहा है।

श्रद्धा कपूर की फिल्म में लगा हॉरर, सस्पेंस और कॉमेडी का तड़का, सरकटे का आतंक देख आ जाएगा मजा

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म स्त्री 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो गई फिल्म का पहला पार्ट साल 2018 में रिलीज हुआ था, जिसमें शानदार कॉमेडी में मजेदार हॉरर सीन का तड़का लगाया था। फिल्म के पहले पार्ट में चुड़ैल का खौफ एक गांव पर था और दूसरे पार्ट में सरकटे भूत का आतंक दिखाया गया है। अमर कौशिक के निर्देशन में इस फिल्म में सस्पेंस, हॉरर और कॉमेडी का तड़का लगाने की कोशिश की गई है। आइए आपको बिना देर किए बताते हैं कि स्त्री के दूसरे पार्ट में क्या क्या खास है और कौन सी चीज इस फिल्म को हिट बना रही है। आइए आपको कम शब्दों में फिल्म पूरा रिव्यू देते हैं।

क्या है फिल्म की कहानी?

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की कहानी स्त्री 2 (डीशिश 2) पहले पार्ट से ही आगे बढ़ाई गई है। फिल्म के पहले पार्ट में चंदेरी गांव से स्त्री को भगाया जाता है और ये काम विक्की और उसकी गैंग करते इस चुड़ैल के जाने से पूरे गांव में शांति होती है और हर कोई अपनी लाइफ में खुश होता है, लेकिन अब गांव पर नई मुसीबत आ गई है। इस बार एंट्री सरकटे भूत की हुई है, जो गांव की आरतों और लड़कियों को निशाना बनाता है। ऐसे में विक्की और उसकी गैंग सरकटे भूत को रोकने को मिशन में लग जाती है ताकि वह गांव को बर्बाद ना कर पाए। विक्की के इस मिशन में ढेर सारी कॉमेडी साथ सस्पेंस और थोड़ा सा हॉरर भी होगा, जो आपको खूब एंटरटेन करेगा।

क्या है फिल्म में खास

निर्देशक कौशिक ने अपनी फिल्म स्त्री 2 को बनाने में हर एक चीज का ध्यान रखा है। इस फिल्म के पहले पार्ट में लोगों को कॉमेडी और हॉरर सीन्स काफी पसंद आए थे और ये बैलेंस उन्होंने फिल्म के दूसरे पार्ट में बखूबी बनाकर रखे हैं। फिल्म में ढेर सारी है, शानदार ह्यूमर है और सस्पेंस आखिर तक जोड़ने का काम कर रहा है।

फिल्म में सरकटे भूत का आतक हॉरर पैदा करने में भी सफल हुआ है। विक्की की गैंग में रूद्रा, बिट्टी और जाना है और ये चारों दोस्त जबरदस्त तरीके से सरकटे का आतंक खत्म करेंगे। के पहले पार्ट में यही मिस्ट्री नजर आएगी और दूसरे पार्ट में सबसे शानदार कैमियो सामने आएगा, लेकिन सेकंड हाफ का क्लाइमैक्स आपको थोड़ा सा निराश कर देगा। फिल्म का क्लाइमैक्स थोड़ा सा बिघरा हुआ है और इसी वजह से सेकंड हाफ की कहानी धीरे धीरे ढीली लगने लगती

देखनी चाहिए या नहीं देखें?

स्त्री 2 में बहुत सारे एंटरटेनमेंट के बीच बेशक थोड़ी बहुत कमियां भी हैं, लेकिन ये फिल्म आपके चेहरे पर स्माइल लाने का काम जरूर करेगी। फिल्म देखकर आप बहुत ही हंसने वाले हैं। फिल्म में शानदार मैसेज भी दिया गया है, जो आपको ज्यादा पसंद आएगा।

कुल मिलाकर ये फिल्म आपको देखनी चाहिए। इतने लंबे वीकेंड को एटरटेनिंग बनाने के लिए स्त्री 2 सही च्वाइस है।

अक्षय कुमार 56 साल में तीसरी बार बनेंगे पिता?

वाइफ ट्विंकल खन्ना की लेटेस्ट पोस्ट ने मचाई खलबली

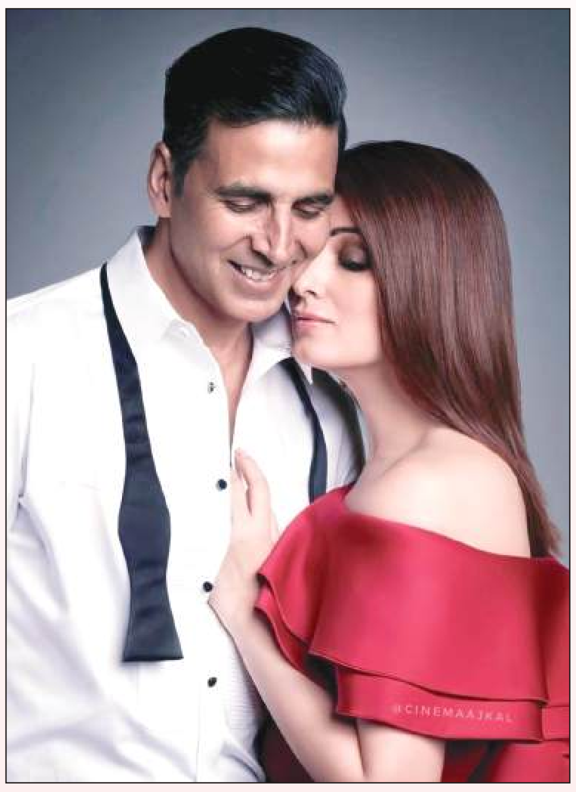

बॉलीवुड एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना भले ही फिल्मों नजर नहीं आती हैं लेकिन वह हमेशा लाइमलाइट में बनी रहती हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली ट्विंकल खन्ना अक्सर तमाम मुद्दों पर खुलकर बात करती हैं। ट्विंकल खन्ना का लेटेस्ट सोशल मीडिया पोस्ट लोगों का ध्यान खींच रहा है। दरअसल, ट्विंकल खन्ना ने ऐसा पोस्ट शेयर किया कि लोगों ने अटकलें लगाने लगे हैं कि वह 50 साल की उम्र में प्रेग्नेंट हैं और उनके पति अक्षय कुमार 56 साल की उम्र में तीसरी बार पिता बनने वाले हैं।

ट्विंकल खन्ना ने शेयर किया ये पोस्ट

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि ट्विंकल खन्ना के हाथ में मग लेकर कुछ सोचते हुए नजर आ रही हैं और उन्हें देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह किसी चीज को लेकर कन्फ्यूज हैं। वीडियो के साथ है, 'जब आप 50 साल की हों और पीरियड मिस हो जाए तो आप सोचती हैं कि ये मेनोपॉज है या प्रेग्नेंसी।' ट्विंकल खन्ना ने इस वीडियो के साथ कैप्शन लिखा है, '50 की हो गई हूं लेकन मुझे पैनिक हो रहा है। क्या मैं पेरीमेनोपॉज क्लब में शामिल चुकी हूं? आप लोग भी मुझे अपने मेनोपॉज के एक्सपीरियंस शेयर कर सकते हैं अगर आपके साथ ऐसा हुआ है।' ट्विंकल खन्ना की इस पोस्ट पर लोग जमकर रिएक्शन दे रहे हैं।

अक्षय और ट्विंकल ने साल 2001 में की थी शादी

बताते चलें कि अक्षय कुमार और ट्विंकल ने साल 2001 में शादी की थी। साल 2002 बेटे आरव का और साल 2012 में बेटी का नितारा जन्म हुआ था। अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना की शादी को 23 साल हो चुके हैं। अक्षय कुमार के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी फिल्म 'सरफिरा' बीती 12 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी जो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई है। अक्षय कुमार की पाइपलाइन में अभी कई फिल्में हैं।

अफेयर की खबर सुनते ही चढ़ा सामंथा रुथ प्रभु का पारा, कर दी सबकी बोलती बंद

साउथ सुपरस्टार नागा चैतन्य की एक्स वाइफ सामंथा रुथ इन दिनों सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। हाल ही में खबर आई थी कि सामंथा रुथ प्रभु को किसी से प्यार हो गया है। खबरों की मानें तो सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों द फैमिली मैन के डायरेक्टर राज निदिमोरू को डेट कर रही हैं। इन दिनों सामंथा प्रभु और राज निदिमोरू सिटाडेल: हनी बनी नाम के प्रोजेक्ट में व्यस्त चल रहे हैं। सिटाडेल: हनी बनी में सामंथा रुथ प्रभु और वरुण धवन की जोड़ी देखने को मिलने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सिटाडेल: हनी बनी में साथ काम करने के दौरान ही सामंथा रुथ राज निदिमोरू के बीच नजदीकियां बढ़ी हैं।सामंथा रुथ और राज निदिमोरू ने इस खबर पर चुप्पी नहीं तोड़ी थी। इसी बीच एक पोस्ट शेयर करके सामंथा रुथ प्रभु ने सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है।

इस पोस्ट में सामंथा रुथ प्रभु अपनी कार में बैठकर जमाने को मिडिल दिखा रही हैं। अतना ही नहीं सामंथा रुथ प्रभु के चेहरे की स्माइल को साफ देखा जा सकता है। सामंथा रुथ प्रभु ने अपनी टीशर्ट के जरिए भी लोगों की बोलती बंद की है। सामंथा रुथ प्रभु की टीशर्ट पर लिखा है कि वो पीस और चुप रहने वालों म्यूजियम हैं। अपनी पोस्ट के कैप्शन में सामंथा रुथ प्रभु ने लिखा, द फिंगर एड द सॉन्स...। यानी सामंथा रुथ प्रभु चाहती हैं कि लोगों की निगाह उनकी मिडिल फिंगर पर जाए। बिना कुछ कहे ही सामंथा रुथ प्रभु ने जमाने को बहुत कुछ कह दिया है।

वहीं सामंथा प्रभु के फैंस ये खबर सामने आने के बाद से ही जश्न मना रहे हैं। लोग सामंथा रुथ प्रभु को लेजेंड और क्वीन क नाम से बुला रहे हैं। वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो कि सामंथा रुथ प्रभु से उनके अफेयर का सच जानना चाहते हैं।

वाघ ने धांसू परफॉर्मेंस से किया इंप्रेस

एक्शन का ओवरडोज बना फिल्म का दुश्मन

निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी फिल्म 'वेदा' की कहानी राजस्थान के बारमेड़ में सेट की गई है, जहां वेदा यानी शर्वरी वाघ अपने परिवार के साथ रहती है। दलित समुदाय से होने के कारण जाति के लोग वेदा और उसके परिवार के साथ भेदभाव और गलत व्यवहार करते हैं। इस फिल्म में एक्टर जॉन अब्राहम ने एक सैनिक का किरदार निभाया है, जिसका कोर्ट मार्शल हो चुका है और अब अभिमन्यु वेदा के कॉलेज में असिस्टेंट बॉक्सिंग कोच के तौर पर काम कर है। वेदा और उसके परिवार के साथ हो रहे अन्याय को देखकर अभिमन्यु को बहुत गुस्सा आता है, जिसके बाद वह वेदा की मदद करने का फैसला लेता है। अभिमन्यु वेदा को बॉक्सिंग में ट्रेन करता है और न्याय की लड़ाई में उसके साथ रहता है।

'वेदा' फिल्म में समुदाय की कड़वी सच्चाई को बड़े ही शानदार तरीके से बड़े पर्दे पर उकेरा गया है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे भारत की आजादी के 78 साल बाद भी जाति व्यवस्था और भेदभाव में अपनी जड़ें मजबूत कर रखी हैं। फिल्म में जॉन अब्राहम की धमाकेदार एंट्री पर गहरा प्रभाव डालती है। वेदा के रोल में शर्वरी वाघ ने अपनी परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया है। इस फिल्म में एक्टर अभिषेक बनर्जी नेगेटिव रोल निभा रहे हैं।

जॉन अब्राहम और शर्वरी वाघ स्टारर फिल्म 'वेदा' के गाने को काफी डिस्ट्रैक्ट कर रहे हैं। यह स्टोरीलाइन के साथ सही ढंग से फिल्म में अपनी जगह नहीं बना पाए। फिल्म के पहले हाफ में एक्शन सीक्वेन्स बेहद ही शानदार हैं लेकिन दूसरे हाफ में इतने अधिक एक्शन सीन दिखाए गए हैं कि फिल्म की कहानी भी धीमी हो है। सेकंड हाफ में ऐसा लगता है कि मानों मेकर्स फिल्म के असल जाति भेदभाव के मुद्दे से भटक गए हों।

क्लाइमैक्स में इमोशंस का बड़ा अभाव है। फिल्म की बारीकियों के देखते हुए बॉलीवुडलाइफ की तरफ से जॉन और शर्वरी की 'वेदा' को 2.5 स्टार्स दिए जाते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने सामाजिक जीवन को दरकिनार न करें। अपनी व्यस्त दिनचर्या में से थोड़ा-सा समय निकालकर अपने परिवार के साथ किसी आयोजन में शिरकत करें। यह न सिर्फ़ आपका दबाव कम करेगा, बल्कि आपकी झिझक भी मिटा देगा। मुमकिन है कि आपके आँसुओं को पोंछने के लिए कोई ख़ास दोस्त आगे आए। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की मदद के बिना महत्वपूर्ण कामों को कर सकते हैं, तो आपकी सोच काफ़ी ग़लत है। हवन पूजा आदि का आयोजन घर मे होगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप मानें या न मानें, आपके आस-पास को बड़े ग़ौर से आपको देख रहा है और आपको एक आदर्श मानता है। इसलिए ऐसे काम करें, जो क़ाबिले-तारीफ़ हों और आपकी प्रतिष्ठा को बढ़ाएं। अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज़्यादा बातें न करें। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। अगर आप जीवनसाथी के अलावा किसी और को अपने ऊपर असर डालने का मौक़ा दे रहे हैं, तो जीवनसाथी की ओर से आपको नकारात्मक प्रतिक्रिया मिलना संभव है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। नये रोमांस की संभावना प्रबल है, कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। दिन अच्छा है दूसरों के साथ-साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे। अपने जीवनसाथी के साथ आप प्यार भरे पुराने दिन एक बार फिर जी पाएंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। ख़ुशी के लिए नए संबंध की प्रतीक्षा करें। आपके साझीदार आपकी नई योजनाओं और विचारों का समर्थन करेंगे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। आपका जीवनसाथी किसी फ़रिश्ते की तरह आपका बहुत ध्यान रखेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली-भांति अध्ययन कर लें। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आपका संगी आपका भला सोचता है इसलिए कई बार आप पर गुस्सा भी कर बैठता है, उनके गुस्से पर नाराज होने से बेहतर यह होगा कि आप उनकी बातों को समझें। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। किसी ख़ूबसूरत याद के कारण आपके और आपके जीवनसाथी के बीच की अनबन रुक सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अध्यात्म की सहायता लेने का सही समय है, क्योंकि मानसिक तनाव को मार भगाने के लिए यह सबसे बेहतरीन विकल्प है। ध्यान और योग आपकी मानसिक मज़बूती को बढ़ाने में कारगर रहेंगे। वे निवेश-योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें- कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। संयम और साहस का दामन थामे रखें। ख़ास तौर पर तब जब दूसरे आपका विरोध करें, जिसकी कामकाज के दौरान संभावना है। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आर्थिक जीवन की स्थिति आज अच्छी नहीं कही जा सकती आज आपको आपको बचत करने में मुश्किलें आ सकती हैं। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आप अपने मातहतों से नाख़ुश हो सकते हैं, क्योंकि वे उम्मीद के मुताबिक़ काम नहीं कर रहे हैं। इस राशि वालों को आज के दिन अपने लिए समय निकालने की सख्त जरूरत है अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपको मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। आप और आपका जीवनसाथी मिलकर वैवाहिक जीवन की बेहतरीन यादें रचेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। समय और धन की कद्र आपको करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। अगर आप अपने साथी के नज़रिए को नज़रअंदाज़ करेंगे, तो वह अपना आपा खो सकता/सकती है। जो आपकी सफलता के आड़े आ रहे थे, वे आपकी आँखों के सामने ही नीचे को खिसकेंगे। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर कोई मूवी या मैच देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। लेकिन जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

यात्रा आपको थकान और तनाव देगी- लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। नवजात शिशु की ख़राब तबियत परेशानी का सबब बन सकती है। इस ओर तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है। डॉक्टर से भली-भांति सलाह लें, क्योंकि ज़रा-सी लापरवाही बीमारी को बद से बदतर बना सकती है। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल पेशेवर मामलों को सहजता से सुलझाने में करें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी-दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते। शादीशुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरते हालात महसूस कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। थोड़ी कोशिश और करें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच क़ामयाबी देगी। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 16 अगस्त 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी प्रात: 09:41 तक
नक्षत्र : मूल दोपहर 12:44 तक
योग : विष्कुंभ दोपहर 01:44 तक
करण : विष्टि प्रात: 09:41 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:40 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:36 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:31 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : पवित्रा एकादशी व्रत , मघा में रवि सिंह संक्रांति रात्रि 07:44 से , संक्रांति पुण्यकाल दोपहर 12:44 से , भद्रा प्रात: 09:40 तक , गण्डमूल दोपहर 12:44 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सब मिलकर राजस्थान को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे : भजनलाल

जयपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। राज्य के भजनलाल शर्मा ने राजस्थान की विकास यात्रा में हर नागरिक के सहभागी बनने का आह्वान करते हुए कहा है कि सब मिलकर प्रदेश को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

श्री शर्मा ने गुरुवार को 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने समारोह में ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों को नमन किया और आजादी के लिए सर्वस्व समर्पण करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए कहा राज्य सरकार अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों और विकास कार्यों के माध्यम से प्रदेश के हर क्षेत्र में समृद्धि लाने के लिए कार्य कर रही है और पिछले आठ माह के अल्प समय में प्रदेश के विकास के लिए कई अहम फैसले लिए गए हैं। उन्होंने हर नागरिक से प्रदेश विकास यात्रा में सहभागी बनने का आह्वान करते हुए कहा कि हम सभी मिलकर राजस्थान को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए कार्य करें।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा का अधिकार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रतिबद्धता के कार्य कर रही है। श्री शर्मा ने सरकार की उल्लेखनीय उपलब्धियों एवं कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकार प्रदेश में सड़कों का मजबूत नेटवर्क विकसित करने जा रही है। इसके लिए आगामी पांच वर्षों में 60 हजार करोड़ रूपये खर्च कर 53 हजार किलोमीटर लम्बाई का सड़क विकसित किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में अटल प्रगति पथ के निर्माण से लेकर शहरों को जोड़ने के लिए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे बनाने सहित उपखण्ड, पंचायत समिति व तहसील मुख्यालय को जिला मुख्यालय से जोड़ने के लिए टू-लेन सड़क बनाने जैसे कार्य किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर नल जल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन में लगभग 20 हजार 370 करोड़ रुपये की लागत से 6 वृहद पेयजल परियोजनाओं का कार्य किया जाएगा। इस वर्ष 15 हजार करोड़ रुपये व्यय कर 25 लाख ग्रामीण घरों में नल से जल

पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही, 2.0 योजना में 183 शहरी क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था में सुधार के लिए 2 वर्षों में लगभग 5 हजार 180 करोड़ रुपये के कार्य किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान में असीम संभावनाएं हैं। इसी क्रम में 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के प्रत्येक जिले में 'आदर्श सौर ग्राम' स्थापित किए जाएंगे। ऊर्जा क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न पीएसयू के साथ 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपये के एमओयू किए गए हैं। इनमें से चार परियोजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए कैबिनेट की मंजूरी भी प्रदान कर गई है।

श्री शर्मा ने कहा कि सरकार प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए दूरदर्शी नीतियों और योजनाओं पर फोकस कर रही है। राजस्थान को निवेश का हब बनाने के लिए 9 से 11 दिसंबर तक 'राइजिंग राजस्थान' का भव्य आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार क्षेत्र को विकसित करने के लिए भी कई नवाचार कर रही है। नयी पर्यटन नीति, राजस्थान पर्यटन विकास बोर्ड का गठन करने के साथ ही राजस्थान टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर एंड कैपेसिटी बिल्डिंग फंड के माध्यम से 5 हजार करोड़ से अधिक के कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों के समय पर हों, उन्हें दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें, इसके लिए सरकार सतत प्रयत्नशील है। इसी दिशा में सिंगल विंडो-सेम डे डिलीवरी सिस्टम प्रारम्भ किया जा रहा है जिसके तहत विभिन्न विभागों की 25 सेवायें 24 घंटों में प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ईआरसीपी परियोजना पूर्वी में सिंचाई एवं पेयजल के लिए जीवनरेखा सिद्ध होगी। सरकार द्वारा इस दिशा में तीव्रता से कार्य करते हुए भू-अवाप्ति की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई है तथा प्रथम चरण के कार्यादेश भी जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने 12.01 लाख मीट्रिक टन गेंहू, 3.52 मीट्रिक टन सरसों, 9.92 लाख मीट्रिक टन मूंग एवं मूंगफली की समर्थन मूल्य पर खरीद की है। साथ ही, किसानों की फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 1 हजार 466 करोड़ रुपये के बीमा क्लेम वितरित किये गये हैं। केन्द्रीय सहकारी बैंकों माध्यम से किसानों को 17,686 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त फसली ऋण उपलब्ध करवाया गया है। साथ ही, 1 लाख नये कृषकों को केन्द्रीय सहकारी बैंकों के माध्यम से ब्याज मुक्त फसली ऋण प्रदान किया गया है।

उदयपुर से चंडीगढ़ के बीच जल्द दौड़ेगी चेतक एक्सप्रेस

अंबाला, 15 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर से दिल्ली सराय रोहिला के बीच चलने वाली ट्रेन जल्द ही चंडीगढ़ तक चलेगी। अंबाला मंडल ने रेलवे को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है और अब ट्रेन के समय सारिणी और को लेकर आगामी प्रक्रिया आरंभ हो गई है। मौजूदा समय में ट्रेन नंबर 20474 उदयपुर रोजाना शाम पांच बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 5:05 बजे सराय रोहिला पहुंचती है।

वहीं, रेलवे की संभावित समय सारिणी के अनुसार यह ट्रेन सराय रोहिला से सुबह लगभग 5:30 बजे रवाना होकर 9:15 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगी और वापसी में ट्रेन नंबर 20473 चंडीगढ़ से दोपहर 3:45 बजे रवाना होकर शाम 7:40 बजे सराय रोहिला और अगले दिन सुबह 7:25 बजे उदयपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन का ठहराव अंबाला कैंट सहित कुरुक्षेत्र, पानीपत और सोनीपत में भी होगा। प्राप्त जानकारी अनुसार उदयपुर की से चंडीगढ़ जाने वाली चेतक एक्सप्रेस का ठहराव प्लेटफार्म 6-7 पर और चंडीगढ़ से उदयपुर के लिए चलने वाली ट्रेन का ठहराव प्लेटफार्म एक पर हो सकता है। मौजूदा समय में चंडीगढ़ और अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन

से खाटू श्याम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए कोई भी सीधी ट्रेन है। हालांकि रेलवे ने कुछ समय पहले ट्रेन के संचालन की योजना तैयार की थी, लेकिन वो सिरे नहीं चढ़ पाई। फिर श्रद्धालुओं से लगातार मिल रहे आग्रह के बाद उदयपुर-दिल्ली सराय रोहिला के चंडीगढ़ तक विस्तार की योजना पर कार्य शुरु हुआ।

इस ट्रेन के संचालन से खाटूश्याम जाने वाले श्रद्धालु रींगस जंक्शन तक आसानी से पहुंच सकेंगे जबकि यात्रियों को पहले इन जगहों पर जाने के लिए बसों का सहारा लेना पड़ रह था। वहीं सैलानी व अन्य यात्री झीलों की नगरी उदयपुर तक बिना किसी परेशानी के आवागमन कर सकेंगे। इस ट्रेन के संचालन से और रेवाड़ी जाने वाले यात्रियों को भी काफी फायदा होगा।

सरिस्का अभयारण्य से निकले टाइगर ने छह लोगों को किया जख्मी

अलवर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर के सरिस्का अभयारण्य का एक टाइगर एक बार फिर से बाहर निकल गया तथा उसके मुंडावर क्षेत्र में आधा दर्जन लोगों को जख्मी करने की खबर है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सरिस्का का टाइगर ने जंगल से बाहर आते ही कई युवकों पर हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह मुंडावर क्षेत्र में करीब पांच बजे युवक पर हमला कर दिया। सूचना के बाद वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई तथा उसको ट्रंकुलाइज करने की कोशिश की गयी।

बाघ ने जिन तीन लोगों पर हमला किया, वे बुरी तरह लहूलुहान हो गये। उन्हें अलवर के लिये रेफर किया गया है। आज सुबह के कर्मचारियों पर हमला किया। उसने अपनी दूसरे घर में घुस कर जान बचाई। खेतों में उसके पग मार्क आसानी से देखे जा सकते हैं। उसका मोमेंट दरबारपुर मुंडावर के अहीर भगोला और सामदा की पहाड़ियों पर देखा जा रहा है। बरसात के कारण भी काफी परेशानी का सामना पड़ रहा है। उसके बाद पुलिस और वन विभाग के कर्मचारियों को सूचना दी गयी। वन विभाग के कर्मचारी संसाधन लेकर पहुंचे, लेकिन वह पकड़ में नहीं आया, वह एक खेत से दूसरे खेत में भागता रहा क्योंकि खेतों में भी बाजरे और ज्वार की फसलें काफी बड़ी-बड़ी हैं। खेतों में छुपकर वह निकल जाता है। टाइगर द्वारा हमला की खबर के कारण दरबारपुर, अहीरबघोला और बासनी सहित आस पास के ग्रामीणों में दहशत है। दरबारपुर के स्कूलों में भी छुट्टी कर दी गयी हैं। दरबारपुर के सरपंच ने ऐसी स्थिति में सभी ग्रामीणों से खेतों में नहीं की अपील भी की है।

स्वतंत्रता दिवस पर पीसीसी कार्यालय में डोटासरा ने फहराया तिरंगा

जयपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को जयपुर में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

अवसर पर प्रदेशवासियों को 78वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनायें देते हुये श्री डोटासरा ने कहा कि देश को स्वतंत्र करवाने में कांग्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कांग्रेस के महान नेताओं के त्याग और तपस्या के परिणाम स्वरूप हमारा देश अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ, लेकिन वर्तमान में में ऐसी शक्तियां शासन में आ गयी हैं जो भाई को भाई से लड़ा रही हैं और समाज में एकता और भाईचारे को समाप्त करने का कार्य कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ताओं को एक महान विरासत जिम्मेदारी के रूप में मिली है। कांग्रेस नेताओं कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि देश के महान नेताओं जिन्होंने देश के स्वतंत्रता आंदोलन में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया उनके दिखाये मार्ग पर चलते हुए देश की एकता एवं अखण्डता को अक्षुण्ण रखने के लिए सदैव कार्य करें।

हरियाणा सरकार ने मेडिकल कॉलेजों में सुरक्षा सुनिश्चित करने के दिए दिशा-निर्देश

चंडीगढ़, 15 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर की दुष्कर्म और हत्या के बाद हरियाणा सरकार भी हरकत में आ गई है। प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग ने राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी कॉलेजों में डॉक्टरों, छात्रों और की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिशा निर्देश दिए हैं। इन निर्देशों में कहा गया है कि कॉलेज परिसर में जहां भी सुरक्षा, सीसीटीवी और परिवहन की जरूरत हो, तत्काल कार्रवाई करें।

एडवाइजरी में कहा गया है कि सभी मेडिकल कॉलेजों को अपने निकटतम पुलिस स्टेशन, एसएचओ और डीएसपी साथ घनिष्ठ संपर्क बनाए रखना होगा।मेडिकल कॉलेज परिसर के भीतर एक पुलिस चौकी की स्थापना सुनिश्चित करें। 24x7 कम से कम एक महिला पुलिस कर्मचारी की तैनाती जरूर रहे। ओपीडी और वार्ड

में संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा कैमरे तुरंत लगाए जाने चाहिए। यह सुनिश्चित करें कि सभी छात्रावासों बाहर, मुख्य द्वार, सड़कों, गोलचक्करों, विभिन्न अस्पताल/कॉलेज ब्लॉकों में परिसर और उसके प्रत्येक तल पर सीसीटीवी लगाए जाएं। सीसीटीवी फुटेज पर नियमित रूप से नजर रखने के लिए सुरक्षा कर्मियों के लिए 24x7 एक नियंत्रण कक्ष होना चाहिए, जिसमें कम से कम 3 महीने का स्टोरेज रिकॉर्डिंग बैकअप होना

सभी ओपीडी और बाहरी वार्डों में 24 घंटे सुरक्षा गार्ड तैनात किए जाने चाहिए। जहां तक संभव हो, पुरुष एवं महिला दोनों सुरक्षा गार्ड तैनात किए जाने चाहिए। नियमित सुरक्षा गश्ती सुनिश्चित करें। संभावित सुरक्षा जोखिमों की पहचान करने और उनका समाधान करने के लिए नियमित सुरक्षा ऑडिट करें। क्षेत्र व परिसर में पर्याप्त स्ट्रीट लाइटिंग सुनिश्चित करें और महिलाओं के लिए रात की पाली के लिए एस्कॉर्ट सेवाएं या सुरक्षित परिवहन विकल्प प्रदान करें। सभी कर्मचारियों के लिए आईडी बैज, कीकार्ड, या बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण नियंत्रण सेवा लागू करें।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप राष्ट्र रक्षा का ले संकल्प : देवनानी

जयपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को प्रातः यहां विधानसभा में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर झण्डारोहण किया।

श्री देवनानी ने स्वतंत्रता दिवस की सभी लोगो को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर श्री देवनानी ने कहा कि हम सभी स्वतंत्रता दिवस के पर आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन कर रहे है। उन्होंने लोगो से अनुरोध किया कि इस अभियान के तहत सभी लोग अपने-अपने घरो और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहरा कर, हर घर तिरंगा अभियान का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रत्येक के लिये देश के प्रति प्रेम दर्शाने का अवसर है।

श्री देवनानी ने कहा कि हमारा कर्तव्य है कि हम देश की प्रगति में भागीदार बने। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप देश के चारों और की सामयिक स्थितियों के दृष्टिगत हम सभी को राष्ट्र रक्षा का लेना होगा। इस मौके पर विधायक, जनप्रतिनिधि, पूर्व विधायक मौजूद थे।

विधानसभा प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा,विशिष्ट सचिव श्भारत भूषण शर्मा एवं विशिष्ट सहायक श्री के. के. शर्मा सहित विधानसभा के अधिकारी एवं कर्मचारी समारोह में मौजूद थे। इस मौके विधानसभा भवन प्रांगण में आयोजित समारोह में राष्ट्रगान राजस्थान के सैन्ट्रल बैंड ने प्रस्तुत किया। श्री देवनानी ने गुरुवार को प्रातः सिविल लाइन्स स्थित अपने राजकीय निवास पर भी राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस मौके पर उनकी पत्नी इन्द्रा देवनानी, पुत्र महेश देवनानी एवं परिजन सहित अधिकारी एवं कर्मचारी तथा आमजन मौजूद थे। श्री देवनानी सवाई मानसिंह स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में भी सम्मिलित हुए।

बावल में गौ-तस्करों ने गौरक्षा दल पर की फायरिंग

रेवाड़ी, 15 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी जिले के बावल क्षेत्र में गौ-तस्करों ने गौरक्षा दल के सदस्यों पर फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि गोलियां किसी गौरक्षक को नहीं लगीं और वे बाल-बाल बच गए। बावल क्षेत्र निवासी आशु कुमार ने पुलिस को बताया है वह गौरक्षा दल का जिला अध्यक्ष है। देर रात कुछ गौ-तस्कर एक पिकअप में गायों को भर रहे थे। सूचना मिलते ही वह अपने साथियों के साथ गाड़ी में सवार होकर मौके पर पहुंचे। इस दौरान गौ-तस्कर गायों को छोड़कर पिकअप में भागने लगे। आशु कुमार ने बताया कि उसने उनका पीछा किया तो उन्होंने पिकअप बैक कर अंबेडकर चौक पर उसकी गाड़ी को टक्कर मार दी। इतना ही नहीं उन्होंने

फायरिंग भी की।

फायरिंग में एक गोली उनकी कैंपर गाड़ी की खिड़की पर लगी। इसके बाद गौ-तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। गौ रक्षक दल के की जान बाल-बाल बच गई। बावल थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। बता दें कि गांव फिदेड़ी निवासी सोनू को गौ-तस्करों ने गोली मारी थी। गौरतलब है कि डेढ़ महीने पहले गांव फिदेड़ी निवासी सोनू को गो तस्करों ने गोली मार दी थी, जिससे उसकी मौत हो थी। सोनू सरपंच को न्याय दिलाने के लिए तमाम हिंदू संगठनों ने रेवाड़ी में महापंचायत भी की थी। उन्होंने सरकार से गोहत्या रोकने की मांग भी की थी। सीएम नायब सैनी खुद सोनू के घर परिजनों से मिलने के लिए गए थे और आश्वासन दिया था की गो तस्कर नहीं जाएंगे।

पश्चिम चंपारण वह जिला है, जहां से स्वतंत्रता संग्राम का शंखनाद हुआ : मंत्री जनकराम

पश्चिम चंपारण (एजेंसियां)। बेतिया जिले में 78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। आन-बान-शान से समूचे जिले में प्यारा तिरंगा लहराया। मुख्य समारोह स्थल महाराजा स्टेडियम, बेतिया में जनकराम, माननीय मंत्री, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग बिहार सरकार सह प्रभारी मंत्री, पश्चिम चंपारण, बेतिया द्वारा सुबह नौ बजे झंडोत्तोलन किया गया। माननीय मंत्री द्वारा परेड का निरीक्षण भी किया गया। इसके साथ ही माननीय मंत्री की उपस्थिति में बसवरिया टोला में अवस्थित महादलित टोला में श्री रामदेव राम ने झंडोत्तोलन किया। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्ति सहित महादलित टोला के निवासी उप-स्थित रहे।

समाहरणालय परिसर में जिलाधिकारी, दिनेश कुमार राय, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण कार्यालय परिसर में उप विकास आयुक्त, प्रतिभा रानी, पुलिस अधीक्षक, बेतिया के कार्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक, अमरकेश डी, अनुमंडल कार्यालय परिसर में एसडीएम, बेतिया, विनोद कुमार द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। साथ ही जिले के सभी सरकारी कार्यालयों, महादलित बस्तियों आदि में हर्ष एवं उल्लास के साथ झंडोत्तोलन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मुख्य समारोह स्थल महाराजा स्टेडियम में झंडोत्तोलन के उपरांत माननीय प्रभारी मंत्री द्वारा जिले में क्रियान्वित विभिन्न विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित उपलब्धियों को साझा किया गया। माननीय प्रभारी मंत्री ने कहा कि आज ही के दिन साल 1947 में हमारा देश आजाद हुआ। पश्चिम चंपारण वह जिला है, जहां से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का शंखनाद हुआ। आज उसी भूमि पर राष्ट्रीय झण्डोत्तोलन करते हुए मैं अपार हर्ष का अनुभव कर रहा हूं। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के समग्र इतिहास में पश्चिम चंपारण जिला का अतुलनीय योगदान रहा है। अगस्त, 1942 में महात्मा गांधी के 'करो या मरो' के आह्वान पर 24 अगस्त, 1942 को बेतिया में लगभग 10,000 (दस हजार) निहत्थे प्रदर्शनकारियों ने अंग्रेजों के खिलाफ भारत छोड़ो का नारा बुलंद किया था। इस शुभ अवसर पर सभी स्वतंत्रता सेनानी, महान सपूत, जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपने जीवन का बलिदान दिया, उन्हें मैं नमन करता हूं।

उन्होंने कहा कि बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी एवं सर्वजन हिताय, दृढ़ संकल्पित सात निश्चय योजनाओं का क्रियान्वयन जिले में सफलतापूर्वक किया जा रहा है। सतत जीविकोपार्जन योजना के तहत अब तक कुल 5900 (पांच हजार नौ सौ) परिवारों को स्थाई रोजगार के साधन उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। पश्चिम चंपारण जिलान्तर्गत 18 प्रखण्डों में मुख्यमंत्री कन्या उत्थान की 17 (सत्रह) योजनाएं एवं 4026 (चार हजार, छब्बीस) आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित हैं। साथ ही प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना एवं पूरक पोषाहार योजना में जिला आईसीडीएस कार्यालय द्वारा उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हर खेत सिंचाई योजना अन्तर्गत कुल 83,874 हेक्टेयर (तिरासी हजार, आठ सौ, चौहत्तर हेक्टेयर) सिंचाई क्षमता का विकास किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 4,530 (चार हजार पांच सौ तीस) सोलर स्ट्रीट लाइट का अधिष्ठापन किया गया है। जिला आपदा कार्यालय द्वारा नदी/तालाबों/नहरों/वज्रपात से इस वित्तीय वर्ष में मृत 19 (उन्नीस) व्यक्तियों को आश्रितों के बीच चार लाख रुपये की दर से कुल 76,00,000 (छिहत्तर लाख) रुपये का भुगतान किया जा चुका है। कोविड-19 से मृत कुल 331 व्यक्तियों के आश्रितों को 4,50,000 (चार लाख पचास हजार) रुपये की दर से अनुग्रह अनुदान के रूप में कुल 14,89,50,000 (चौदह करोड़ नवासी लाख पचास हजार) रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि पश्चिम चंपारण जिला प्राकृतिक, ऐतिहासिक एवं धार्मिक रूप से प्रसिद्ध रहा है। वर्तमान में पर्यटन के क्षेत्र में विभिन्न योजनाओं के क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है। अमवा मन को गेट-वे ऑफ पश्चिम चंपारण के रूप में विकसित किया गया है, जो एक मनोरम प्राकृतिक जलाशय है। इसके साथ ही पश्चिम चंपारण जिले के प्रसिद्ध मर्चा चूड़ा को जीआई टैग प्राप्त हो चुका है, जिसके कारण चंपारण को एक वैश्विक पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि वाल्मीकिनगर टाइगर रिजर्व/उदयपुर पक्षी विहार, हजारीमल धर्मशाला, वृंदावन आश्रम, सिद्धपीठ पुजहां पटजिरवा माई स्थान, बैरिया, सरेयामन उदयपुर (जंगल), सनकहिया माई स्थान, बैरिया, खड्डा माई स्थान, नौतन, दुर्गा स्थान, बेतिया, नंदनगढ़, लौरिया, सोमेश्वर पहाड़ी, रामनगर जैसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों को आधारभूत सुविधाओं से युक्त करते हुए परिवहन के विभिन्न माध्यमों से जोड़ा जा रहा है, जो पश्चिम चंपारण को बिहार ही नहीं, बल्कि भारत में एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बनाने की दिशा में बढ़ता हुआ कदम है।

मंत्री ने कहा कि आज इस पुनीत एवं महान अवसर पर हम समाज के सभी धर्मों, सम्प्रदायों, वर्गों, जातियों के लोगों का आह्वान करते हैं कि देश और राज्य को आगे बढ़ाने में हम सब मिल जुलकर काम करें एवं सतत जागरूक रहकर भ्रष्टाचार एवं अपराध मुक्त एक स्वस्थ एवं समृद्ध देश के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दें। विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिले के लोगों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में हुरियो पेट व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष अश्विन सेमलानी, कर्नाटका इनरवियर एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन, गौरव शर्मा, महावीर सिसोदिया, मूल सिंह राजपुरोहित, बलवीर सिंह, अर्जुन राजपुरोहित सहित अन्य व्यापारियों ने 78वें स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण किया। साथ ही सभी ने देश भक्ति के गीत गाते हुए शुभकामनाएँ दी।

यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार स्कूल शिक्षक निलंबित

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के अलंद तालुक में कक्षा पांच में पढ़ने वाली 10 वर्षीय छात्रा का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए सरकारी प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक मल्लिकार्जुन कुमासी को लोक शिक्षण उपनिदेशक ने निलंबित कर दिया। घटना उस समय हुई जब नाबालिग पीड़िता

भोजन करने के बाद कक्षा में चली गई। शिक्षक उसके पीछे कक्षा में गया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया, उसने उसे खिड़कियां बंद करने का भी निर्देश दिया और उसका यौन उत्पीड़न करने की कोशिश की। हालांकि, लड़की ने शोर मचाया और कक्षा से भागने में सफल रही। पीड़िता घर पहुंची और अपने माता-पिता को इस भयानक घटना के बारे में बताया। अलंद पुलिस ने बच्चों के यौन अपराधों से बचाव (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

ऑटो की टक्कर से बाइक सवार की मौत

सारण (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले में उचकागांव थाना क्षेत्र के इटवा पुल के पास एक अनियंत्रित ऑटो के धक्के से बाइक सवार एक किशोर (16) की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक की पहचान थावे थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव निवासी नारद साह के पुत्र विवेक कुमार के रूप में की गई है।

बताया जाता है कि मृतक विवेक कुमार अपने स्कूल से स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में शामिल होकर बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी बीच वह जैसे ही इटवा पुल के पास पहुंचा ही था कि एक अनियंत्रित ऑटो सवार ने छात्र के बाइक में जोरदार धक्का मार दिया। धक्का लगते ही वह मौके पर ही गिरकर गंभीर रूप से जख्मी हो गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

गोपालगंज में शिक्षक के बेटे का अपहरण लाखों रुपए की मांगी गई फिरौती

गोपालगंज (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले में विजयीपुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर में एक स्कूली छात्र का अपहरण हो गया है। छात्र को अगवा करने के बाद अपहर्ताओं ने परिजनों को फोन कर लाखों रुपये की फिरौती मांगी है।

फिरौती मांगे जाने के बाद परिजन काफी सदमें हैं। पूरी घटना विजयीपुर थाना के जगदीशपुर का है, जहां एक टीचर के बेटे को अगवा कर लिया गया है।

बताया जाता है कि जिले के विजयीपुर थाना के सारूपाई मिडिल स्कूल के शिक्षक अशोक कुमार मांझी के बेटे हेमंत कुमार का अपहरण बदमाशों ने किया है। फिरौती मांगे जाने के बाद परिजनों ने इस बात की जानकारी विजयीपुर पुलिस को दी, जिसके बाद थाने में एफआईआर दर्ज की गई।

फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है। बेटे के अपहरण से अशोक मांझी और उनका पूरा परिवार काफी सदमे में है और पुलिस से सकुशल बरामद किए जाने की मांग कर रहे हैं।

वहीं, परिजनों द्वारा आवेदन मिलने के बाद पुलिस टेक्नीकल सेल के माध्यम से छात्र का कॉल डिटेल खंगाल रही है। साथ ही जिस नंबर से फोन कर अपहृत द्वारा फिरौती की मांग की गई है, उन सभी नंबर का पता लगाने में जुट गई है। वहीं, पुलिस की कुछ अन्य टीम बच्चे की सकुशल बरामदगी के लिए छापेमारी कर रही है।

सिपाही भर्ती परीक्षा की सेटिंग में पकड़ा गया दारोगा

पटना में होटल से तीन की गिरफ्तारी से सुराग मिला था

पूर्णिया (एजेंसियां)। बिहार पुलिस में सिपाही भर्ती परीक्षा से जुड़े एक सेटर गैंग का पटना पुलिस ने खुलासा किया है। मामले में पटना पुलिस ने स्थानीय एक होटल से तीन संदिग्धों की गिरफ्तारी की है। संदिग्धों से हुई पूछताछ के बाद गैंग के तार अब सुपौल से भी जुड़ गए हैं।

पुलिस पूछताछ में हिरासत में लिए गए संदिग्धों ने सुपौल जिले के करजाइन थाना क्षेत्र निवासी एक दरोगा का नाम भी लिया है। इसके बाद पटना के कोतवाली थाने की एक पुलिस टीम देर रात सुपौल पहुंची और करजाइन थाने की पुलिस के सहयोग से आरोपी वन विभाग के दारोगा करजाइन थाना क्षेत्र निवासी विजय रजक को बुधवार की देर रात से ही थाने में डिटेन कर लिया। हालांकि मामले में

सुपौल पुलिस पूरे दिन खुलकर कुछ भी बोलने से परहेज करती रही। इधर, सेटर गैंग में शामिल होने के आरोपी दारोगा विजय रजक से पूछताछ के लिए गुरुवार की शाम करीब 6:00 बजे पटना पुलिस की एक टीम दोबारा सुपौल के करजाइन थाने पहुंची। जहां थाने में कागजी प्रक्रिया पूरी करने करने के बाद शाम करीब 7 बजे दारोगा विजय रजक को पटना पुलिस अपने साथ ले गई। इस बीच पटना पुलिस की टीम ने दारोगा विजय के अलग अलग ठिकानों से अहम कागजात भी जब्त किए हैं।

पटना के एक होटल से बुधवार को पुलिस ने तीन संदिग्ध (प्रेम प्रकाश, रामाशीष पासवान और चंदन) को हिरासत में लिया था। संदिग्धों के पास से पटना पुलिस ने कुल आठ अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड, चेक बुक, कैश, मोबाइल सहित अन्य कई जरूरी कागजात बरामद किए थे। प्रेम प्रकाश और रामाशीष पासवान अररिया जिले के नरपतगंज थाना इलाके के निवासी हैं और एक-दूसरे को पहले से जानते हैं। प्रेम प्रकाश खुद को खेतिहर किसान बता रहा है। हालांकि पटना पुलिस उसे पूरे गैंग का मास्टरमाइंड मान कर जांच आगे बढ़ा रही है। वहीं रामाशीष पासवान खुद भी परीक्षा में शामिल एक अभ्यर्थी है।

पुलिस पूछताछ में संदिग्ध रामाशीष पासवान ने बताया कि पुलिस गिरफ्त में उसकी और उसके साथ आए दो अन्य लोगों की भी मुलाकात वन विभाग के दारोगा विजय रजक से सुपौल कोर्ट में हुई थी। वहां विजय ने पैसों के बल पर सिपाही भर्ती परीक्षा में सेटिंग का भरोसा तीनों को दिया था। इसके बाद रामाशीष और दारोगा विजय के बीच फोन पर कई बार बातचीत भी हुई। एक कैंडिडेट के सेटिंग की डील 7 लाख रुपए में तय हुई थी। हालांकि फिलहाल रुपए का कोई लेनदेन नहीं हुआ था। काम पूरा होने पर राशि का भुगतान किया जाना था। अभ्यर्थियों से सिक्योरिटी के तौर पर केवल ब्लैंक चेक लिया जा रहा था। एक अभ्यर्थी से चेक लेने के लिए ही तीनों पटना पहुंचे थे। लेकिन यहां पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

बिहार पुलिस में सिपाही के 21 हजार 391 पदों के लिए राज्य सरकार ने 27 अप्रैल 2023 को ही वेकेंसी निकाली थी। 20 जुलाई 2023 तक इसके लिए ऑनलाइन आवेदन भी लिए गए। करीब 37 लाख अभ्यर्थियों ने इसके लिए आ-वेदन किया, जिसमें तकनीकी कारणों से करीब 19 लाख आवेदन निरस्त कर दिए गए। वही 18 लाख आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। इसमें चयनित अभ्यर्थियों को 21 हजार से 69100 रुपए तक मासिक वेतन दिया जाना है।

पटना के कोतवाली थाना के एएसआई सुनील कुमार सिंह ने बताया कि थाना कांड संख्या 519/24 में गिरफ्तारी की गई है। वही करजाइन थानाध्यक्ष लालजी प्रसाद ने बताया कि देर रात पटना पुलिस को सहयोग कर विजय रजक को गिरफ्तार किया गया है। पटना पुलिस विजय को अपने साथ ले गई है। कुछ जरूरी दस्ता-वेज भी पुलिस टीम साथ ले गई है। वही, एसपी शैशव यादव ने बताया मामला पटना पुलिस के क्षेत्राधीन है। पटना पुलिस द्वारा जो सहयोग मांगी गई, सुपौल पुलिस ने उसमें सहायता मुहैया कराई है।

दो बच्चों की मां की हत्या

अपराधियों ने घर में घुसकर मार डाला

पटना (एजेंसियां)। वैशाली में दो बच्चों की मां की धारदार हथियार से अपराधियों ने हत्या कर दी। महिला किराये के मकान में रह रही थी। मंगलवार देर रात अपराधियों ने हत्या करने के बाद मेन गेट में बाहर से ताला जड़ दिया था और भाग गया था। हालांकि, सुबह घर की दरवाजा नहीं खुलने पर स्थानीय लोगों को शक हुआ तो पुलिस को जानकारी दी। वहीं घटना की सूचना परिजनों को मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। घटना महुआ थाना क्षेत्र के पुरानी बाजार में मुहल्ला की है।

इधर, घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर दल बल के साथ महुआ थानाध्यक्ष सुभाष प्रसाद पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। बंद घर के दरवाजे को मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में तोड़ा गया। इसके बाद घर से लाश बाहर निकाली गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है और मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। मृत महिला की पहचान महुआ थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर गांव निवासी मिथुन कुमार की 30 वर्षीय पत्नी ब्यूटी कुमारी के रूप में हुई है। वह अपने पीछे दो बच्चों को छोड़कर चली गई। पुलिस का कहना है कि हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। कुछ लोगों से पूछताछ चल रही है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पटना में भाजपा नेता की हत्या विरोध करने पर मारी गोली

दुकान पर बैठे थे अपराधी आकर विवाद करने लगे

पटना (एजेंसियां)। पटना में अपराधियों ने की देर रात भाजपा नगर मंडल के पूर्व महामंत्री व दूध कारोबारी को अपराधियों ने गोली मार दी। आननफानन में इलाज के लिए पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पटना सिटी की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। मृतक की पहचान भाजपा नगर मंडल के पूर्व महामंत्री अजय शाह (45) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पटना सिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी शरद आरएस सहित आलमगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में

जुट गई।

घटना की जानकारी देते हुए पटना सिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि अमूल दूध के पार्लर चलाने वाले अजय शाह अपने दुकान पर बैठे थे। इसी बीच मोटरसाइकिल से दो अपराधी आए और किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुई। इसी क्रम में अपराधियों ने अजय शाह पर गोलियां चला दी। अजय शाह गोली लगते ही घायल होकर गिर पड़े। आसपास के लोगों ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर एफएसएल टीम और डॉग स्क्वॉयड को बुलाया है। एफएसएल टीम और डॉग स्क्वायड के माध्यम से मामले की छानबीन शुरू कर दी गई है।

उन्होंने बताया कि मामला जमीन विवाद का भी हो सकता है। पुलिस पूरे मामले की गहराई से छानबीन कर रही है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी को भी खंगाला जा रहा है। आसपास के लोगों ने बताया कि अजय शाह बजरंग पुरी में अपनी अमूल पार्लर का दुकान चलाते हैं। मंगलवार की देर रात वह दुकान बंद करने की तैयारी में थे। इसी क्रम में मोटरसाइकिल से दो अपराधी दुकान के नजदीक पहुंचे और किसी बात को लेकर दुकानदार अजय शाह और अपराधियों के बीच विवाद शुरू हो गया। इसी क्रम में अपराधियों ने अजय शाह पर ताबड़तोड़ तीन गोलियां चला दी। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com